मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	40.4	29.1
जमशेदपुर	40.1	24.6
डालटनगंज	38.8	20.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

सोमवार 01 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 07 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 342

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रामलीला मैदान में जमकर बरसे विपक्षी

'इंडिया' की चार मांगें

1. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तत्काल रिहा किया जाए.
2. निर्वाचन आयोग चुनाव में हेराफेरी के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई रोके.
3. चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई तुरंत बंद हो.
4. चुनावी चंदे का उपयोग कर भाजपा द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो.

'इंडिया' गठबंधन की महारैली में जुटे 26 दलों के नेता, एकजुट रहने की अपील

अबकी बार तड़ीपार का नारा

- इंडिया गठबंधन ने 'तानाशाही हटाओ लोकतंत्र बचाओ' का नारा भी लगाया

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद इंडिया गठबंधन ने दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ महारैली करके अपनी ताकत दिखायी. रैली में इंडिया गठबंधन के 26 दलों के नेता मौजूद रहे. गठबंधन के नेता एक मंच पर आए और मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया. विपक्षी नेताओं ने चुनावी बॉण्ड को सबसे बड़ा घोटाला बताया और कहा कि इससे मिले पैसे का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों को तोड़ने में किया जा रहा है. कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी देश के तीन-चार अरबपतियों के साथ मिल कर लोकसभा चुनाव को फिक्स करना चाहते हैं. बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी की गारंटी, चाइनीज माल वाली गारंटी है. वहीं उद्धव ठाकरे ने रैली में अबकी बार तड़ीपार का नारा लगाया. कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन ने कहा कि हम एकजुट रहेंगे, तभी लड़ पाएंगे. इनके अलावा रैली में कांग्रेस के प्रियंका गांधी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, राजद से तेजस्वी यादव समेत कई नेताओं ने लोगों को संबोधित किया. रैली में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन भी मौजूद थे.

विपक्ष को तोड़ने के लिए धन का इस्तेमाल:दीपांकर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने दावा किया कि सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है तथा चुनावी बॉण्ड से मिले धन का उपयोग विपक्ष को तोड़ने के लिए हो रहा है.

लोकसभा चुनाव को फिक्स करना चाहते हैं मोदी : राहुल गांधी

लोकतंत्र बचाओ रैली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीत कर संविधान खत्म कर सकें. उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस 'मैच फिक्सिंग' को रोकने के लिए पूरी ताकत से मतदान करें. क्योंकि, यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है. राहुल ने दावा किया ये लोग बिना मैच फिक्सिंग, बिना ईवीएम (छेड़छाड़) एवं सोशल मीडिया और प्रेस पर दबाव डाले 180 पार नहीं होने जा रहे हैं. कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है. चुनाव के बीच में ही हमारे खाते फ्रीज कर दिए. उन्होंने दावा किया कि विपक्ष को धमकाया जाता है, उनकी सरकारों को गिराया जाता है, नेताओं को जेल में डाल दिया जाता है. यह मैच फिक्सिंग नरेंद्र मोदी और तीन-चार सबसे बड़े अरबपति मिलकर कर रहे हैं. राहुल गांधी ने कहा कि इस मैच 'फिक्सिंग' का एक लक्ष्य है कि संविधान को गरीब जनता से छीना जा सके.

तानाशाही को खत्म करना है: कल्पना

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मुर्मू ने कहा कि इस मंच से 50 फीसदी महिला और नौ फीसदी आदिवासी समाज की ओर अपनी बात रख रही हूं. उन्होंने हूल जोहार करते हुए कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने के लिए देश में जिस प्रकार से तानाशाही बढ़ रहा है, उसका विरोध जरुरी है. कल्पना सोरेन ने कहा कि एक-एक कर संवैधानिक संस्थानों को खत्म किया जा रहा है. आपको अपनी ऊंगली से हमारे गठबंधन को ताकत देना है. 31 जनवरी से हेमंत सोरेन जेल में हैं. अभी केजरीवाल जेल में हैं. आपको आने वाले चुनाव में ताकत देना है, ताकि इस देश से तानाशाही को खत्म कर सकें.

अहंकार चूर-चूर हो जाता है: प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सत्ता में बैठे अन्य लोगों को भगवान राम का यह संदेश याद रखना चाहिए कि सत्ता सदा नहीं रहती और अहंकार चूर-चूर हो जाता है. उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि वह बचपन में अपनी दादी इंदिरा गांधी के साथ रामलीला मैदान में कई रामलीलाओं की साक्षी बनीं तथा इंदिरा गांधी ने उन्हें भगवान राम के जीवन और उनके संदेश के बारे में बताया. आज जो लोग सत्ता में हैं, वो अपने आपको रामभक्त कहते हैं. मुझे लगता है कि वो दिखावे में लिप्त हो गए हैं. इसलिए उन्हें हजारों साल पुरानी गाथा याद दिलाना जरूरी है. भगवान राम जब सत्य के लिए लड़े, तो उनके पास सत्ता और संसाधन नहीं थे. रथ, सत्ता, और संसाधन रावण के पास थे. वह सोने की लंका में रहता था. भगवान राम के पास सत्य था. मैं सत्ता में बैठे सरकार के सदस्यों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस गाथा की याद दिलाना चाहती हूं.

भाजपा ने देश को बर्बाद किया: खड़गे

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी राज्यों में भाजपा की सरकारें बनाने के लिए विपक्षी दलों, नेताओं को धमकाने के लिए

संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं. हमें एकजुट होने की जरूरत है, तभी हम लड़ सकेंगे. अगर हम एक-दूसरे को निशाना बनाते रहे, तो कभी सफल नहीं होंगे. उन्होंने कहा कि भाजपा, आरएसएस जहर की तरह है. उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया है.

तेजस्वी ने गाया तुम तो धोखेबाज हो...

राजद के नेता तेजस्वी यादव ने रैली में कहा कि मोदी सरकार ने देश में अघोषित आपातकाल लागू कर दिया है. सत्ता में बैठे लोग तानाशाहीपूर्ण रवैया अपना रहे हैं, घमंडी हो गए हैं. प्रधानमंत्री जिस मोदी गारंटी की बात

करते हैं, असल वह चाइनीज माल वाली गारंटी है. वर्ष 1990 के दशक का फिल्मी गाना तुम तो धोखेबाज हो... गाते हुए तेजस्वी ने कहा कि तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो, रोज-रोज मोदी जी ऐसा करोगे, जनता रूठ जाएगी तो हाथ मलोगे...

हम दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएंगे: सुनीता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रैली में कहा कि विपक्षी गठबंधन जेल से दिए अपने पति का संदेश पढ़ा. उन्होंने कहा कि

भारत माता पीड़ा में हैं और यह अत्याचार नहीं चलेगा. पिछले 75 वर्ष में दिल्ली के लोगों ने अन्याय का झेला है. अगर 'इंडिया' सत्ता में आता है तो हम दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएंगे. उन्होंने कहा कि मेरे पति को बहुत आशीर्वाद मिल रहा है.

हेमंत को झूठे केस में फंसाया : चंपाई

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन को झूठे केस में फंसाया गया है. ऐसे जमीन के मामले में उन्हें फंसा कर जेल भेजा गया जिसका कोई न तो कागज है, ना ही कोई प्रमाण. लेकिन झारखंड के आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग को हेमंत सरकार ने उठाने का काम किया, तो बीजेपी के पेट में दर्द शुरू हो

गया है. हमारे पूर्वजों ने यही लड़ाई झारखंड में लड़ी है. सीएम चंपाई ने आगे कहा कि यहां से पूरा देश में संदेश में जाएगा कि हम सब एक हैं. तानाशाही सरकार, बीजेपी के विचार को हम प्रदेश या देश में किसी भी कीमत पर पनपने नहीं देंगे. इसी चुनाव में वोट के माध्यम से हम लोग जवाब देंगे. चंपई सोरेन ने दावा करते हुए अरविंद केजरीवाल को भी इसी तरह झूठे केस में फंसाया गया है. कहा कि जो न्याय के रास्ते में जाते हैं, उनको विघ्न बाधा आती है. लेकिन हमलोग संघर्ष की उपज हैं, घबराते नहीं हैं.

आप नेता से घबराहट क्यों: अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ये रामलीला मैदान ऐतिहासिक मैदान है. आज जब हम लोग यहां एकसाथ खड़े हुए हैं, तो इस मैदान से ये

एलान होने वाला है कि दिल्ली में बैठे सत्ताधारी अब ज्यादा दिन नहीं रहेंगे. ये लोग जो 400 पार का नारा दे रहे हैं, अगर आपके 400 पार हो रहे थे तो आम आदमी पार्टी के नेता से आपको घबराहट किस बात की है?

लोकतंत्र बचाओ नहीं, परिवार बचाओ, भ्रष्टाचार छुपाओ रैली है: भाजपा

दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में विपक्षी 'इंडिया' की रैली को लेकर भाजपा ने कहा है कि यह लोकतंत्र बचाओ नहीं, बल्कि परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार छुपाओ रैली है. विपक्षी नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के लिए भ्रष्टाचार की जांच में फंसाने के आरोप के सवाल के जवाब में भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस, द्रमुक और राजद समेत कई नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी आरोप वर्ष 2014 से पहले के हैं. कभी अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की मेजबानी करने वाला रामलीला मैदान रविवार को एक रैली में सभी भ्रष्टाचारियों को एक साथ देखेगा.

पीएम मोदी ने मेरठ से शुरू की चुनावी रैली, कहा

भारत को तीसरी महाशक्ति बनायेगा 2024 का जनादेश

भाषा। मेरठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली की शुरुआत रविवार को उत्तरप्रदेश के मेरठ से की. जाट बहुल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साल 2024 का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनायेगा. विपक्षी दलों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि आज कई भ्रष्टाचारी जेल में हैं. हम वादा करते हैं कि देश को लूटने वालों से लड़ते रहेंगे. कांग्रेस के राज में गरीबों का पैसा लूटा गया. मैं भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कर रहा हूं तो कुछ लोग परेशान हैं. अपने भाषण के दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन किया. केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान में आयोजित एनडीए के घटक दलों राष्ट्रीय लोकदल (रालोद), अपना दल (एस), निर्बल शोषित इंडियन हमारा आम दल (निषाद) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्षों के साथ मोदी ने मंच साझा किया.

पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि मेरठ की ये धरती क्रांति और क्रांति वीरों की धरती है. इस धरती पर बाबा औघड़ धाम का आशीर्वाद है. इस धरती ने चौधरी चरण सिंह जैसे महान सपूत देश को दिये हैं. हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है. मैं चौधरी साहब को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. मेरठ से अपना अलग रिश्ता जोड़ते हुए मोदी ने कहा कि साथियों मेरठ की इस धरती के साथ मेरा कुछ अलग ही रिश्ता है. आपको याद होगा वर्ष 2014 में और वर्ष 2019 में मैंने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत यहीं से की थी. इस बार भी पहली रैली मेरठ में ही हो रही है. प्रधानमंत्री ने कहा कि कौन सांसद बने, कौन न बने, इसका चुनाव नहीं है. यह चुनाव विकसित भारत बनाने के लिए है. 2024 का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनायेगा.

संवेदनहीन ढंग से कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेरविवार को कहा कि नये तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कच्चातिवु द्वीप को संवेदनहीन ढंग से श्रीलंका को दे दिया था. उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि नये तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कैसे संवेदनहीन ढंग से कच्चातिवु दे दिया था. इससे प्रत्येक भारतीय नाराज है और लोगों के दिमाग में यह बात बैठ गई है कि हम कभी कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकते. अपने पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा है कि भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना कांग्रेस का 75 वर्ष से काम करने का तरीका रहा है. इस मुद्दे पर जानकारी में देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की टिप्पणियों का भी उल्लेख है, जिसमें नेहरू ने कथित तौर पर कहा था कि उन्हें इस द्वीप पर अपना दावा छोड़ने में कोई झिझक नहीं होगी. यह जानकारी भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलई के आरटीआई आवेदन पर मिले जवाब में सामने आई है.

झारखंड की सलीमा बनीं साल की सर्वश्रेष्ठ महिला हॉकी खिलाड़ी

संवाददाता। रांची

- सलीमा टेटे को हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया

हॉकी इंडिया के छठे वार्षिक पुरस्कार का आयोजन रविवार को दिल्ली में किया गया, जिसमें झारखंड की सलीमा टेटे को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया. सिमडेगा की सलीमा तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम का हिस्सा थी. उन्होंने पुरस्कार की दौड़ में अपनी कप्तान और एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर का पुरस्कार जीतने वाली सविता पूनिया को पछाड़ा. वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कार के तौर पर सलीमा को 25 लाख रूपये और प्रशस्ति पत्र दिया गया. सलीमा टेटे के अलावा झारखंड की दीपिका सोरेंग को अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (अंडर-21 महिला) के लिए असुंता लकड़ा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. जिसके तहत हॉकी इंडिया की ओर से 10 लाख रुपए का चेक दिया गया.

-खेल पेज भी देखें

एयरटेल पर अनियमितता को लेकर लगा जुर्माना

नयी दिल्ली। भारती एयरटेल समूह की कंपनी टेलीसोनिक नेटवर्क्स को इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने में कथित अनियमितता के लिए जुर्माना लगाया गया है. भारती एयरटेल ने कहा कि बेंगलुरु में सहायक वाणिज्यिक कर आयुक्त (ऑडिट) के कार्यालय ने कंपनी की एक अनुषंगी कंपनी के खिलाफ केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम के तहत एक आदेश पारित किया है. इसमें 2,19,873 रुपये का जुर्माना लगाया गया है. यह जुर्माना कंपनी की अनुषंगी टेलीसोनिक नेटवर्क्स पर वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान दावा किए गये इनपुट टैक्स क्रेडिट में कथित अनियमितता के लिए लगाया गया है. कंपनी को यह आदेश 30 मार्च को मिला. कंपनी ने कहा, अधिकतम वित्तीय प्रभाव लगाये गये जुर्माने की सीमा तक है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	63,800
चांदी (किलो)	79,000

ब्रीफ खबरें

पुरी के जगन्नाथ मंदिर से एक ब्रिटिश गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करने और मंदिर के अंदर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में एक ब्रिटिश नागरिक को हिरासत में लिया है. पुलिस के अनुसार, विदेशी पर्यटक की पहचान दक्षिण लंदन के वंड्सवर्थ के थॉमस क्रेग शेल्डन के रूप में हुई है.

आज के मैच

मुंबई इंडियंस बनाम राजस्थान रॉयल्स

समय : शाम 7 :30 बजे से

आरोप भाजपा ने धनबाद सीट से संगीन अपराधों के आरोपी ढुल्लू महतो को बनाया है अपना उम्मीदवार

'इंडिया' समर्थन दे, तो धनबाद से लड़ सकता हूं चुनाव : सरयू

संवाददाता। रांची

- ढुल्लू को हराने के लिए मुझे या मजबूत प्रत्याशी उतारे विपक्ष
- ढुल्लू महतो पर लगे संगीन आरोपों पर भाजपा से मांगा जवाब

जमशेदपुर पूर्वी से विधायक सरयू राय ने कहा है कि अगर 'इंडिया' समर्थन करे, तो वे धनबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं. कहा कि भाजपा ने धनबाद सीट से संगीन अपराधों के आरोपी ढुल्लू महतो को अपना उम्मीदवार बनाया है. ढुल्लू को हराने के लिए उन्हें चुनाव लड़ने से परहेज नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि इसे लेकर वे कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम समेत कई नेताओं से बातचीत कर चुके हैं.

सरयू ने कहा है कि आप धनबाद हर बार उम्मीदवार खड़ा करते हैं और वह हार जाता है. अगर ढुल्लू जैसे

दुर्दांत व्यक्ति को संसद में पहुंचने से रोकना है, तो मुझे समर्थन दीजिए या फिर किसी ऐसे नेता को खड़ा कीजिए, जो चुनाव जीत सके. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जवाब दे कि आखिर इतने संगीन मामलों के आरोपी ढुल्लू महतो को लोकसभा का टिकट क्यों और किस आधार पर दिया गया. राय ने इशारे-इशारों में ओडिशा के राज्यपाल और पूर्व सीएम रघुवर दास पर भी हमला किया. कहा, धनबाद में अभी जिस तरह की स्थिति पैदा हुई है, वह उन्हीं लोगों की शह पर हुई है, जिन्होंने जमशेदपुर में उनके खिलाफ साजिश रची थी. सरयू राय रांची के डोरंडा स्थित अपने आवास पर बोल रहे थे.

'ढुल्लू महतो चुनाव लड़ने के लिए योग्य ही नहीं'

सरयू राय ने कहा कि ढुल्लू महतो संगीन मामलों के मुकदमों का अर्धशतक पूरा कर चुके हैं. शुक्रवार तक उनपर 49 संगीन अपराधों के मुकदमे दर्ज थे. शनिवार को कृष्णा अग्रवाल ने उनपर मुकदमा किया है. ढुल्लू पर दर्ज मामलों में 21 धारा 307 के, 13 रंगदारी व दबंगई और 15 मुकदमे आर्म्स और एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत दर्ज हैं. इनमें से 4 मामलों में ढुल्लू सजायाफ्ता हैं. उन्होंने तीन मुकदमों में एक-एक साल और एक मुकदमे में डेढ़ साल सजा काटी है. कुल मिला कर उन्हें साढ़े चार साल की सजा हो चुकी है. सुप्रीम कोर्ट के प्रभाकरण बनाम पी जयराजन केस के जजमेंट के तहत देखें, तो ढुल्लू चुनाव लड़ने के अयोग्य हैं. इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता भी रद्द होनी चाहिए और उन्हें अगले छह साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार देना चाहिए.

'ऑडियो में आवाज प्रिंस खान की, लेकिन स्क्रिप्ट किसी और की है'

सरयू ने कहा ढुल्लू खुद को ओबीसी का हितैषी बताते हैं, लेकिन अपने विधायक काल में उन्होंने ओबीसी समुदाय पर जितने अत्याचार किए हैं, उतना किसी और ने नहीं किया है. वह बीसीसीएल के बाघमारा क्षेत्र के एरिया संख्या एक से पांच तक के सैकड़ों मजदूरों का शोषण प्रतिदिन करते हैं. शनिवार को अपराधी प्रिंस खान के वायरल ऑडियो को लेकर राय ने कहा कि वह आवाज प्रिंस खान की है, लेकिन स्क्रिप्ट किसी और की है. दो दिन पहले ढुल्लू महतो ने कृष्णा अग्रवाल को धमकाया था. उसकी और प्रिंस खान के ऑडियो में सिर्फ आवाज अलग है, जबकि स्क्रिप्ट एक जैसी है. पुलिस इसकी जांच करे.

सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बना कर परिचितों से कर रहे ठगी का प्रयास, कई मामले आ चुके सामने

एसपी और डीसी को खुलेआम चुनौती दे रहे साइबर अपराधी

सौरभसिंह। रांची

साइबर अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में झारखंड पुलिस लगातार प्रयास कर रही है. हालांकि, इस पर नकेल कसने में सफलता नहीं मिल पा रही है. साइबर गिरोह के शातिर ठगी करने के लिए एक से बढ़ कर एक तरीके अख्तियार कर रहे हैं. अब तो साइबर अपराधियों ने जिले के डीसी और एसपी को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है. इन वरीय अधिकारियों के नाम पर फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर उनके कई दोस्तों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहे हैं. जिन दोस्तों ने रिक्वेस्ट एक्सेप्ट कर लिया, उनसे साइबर अपराधी येन-केन प्रकारेण पैसों की डिमांड भी कर रहे हैं. हाल के महीने में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं.

साइबर अपराधी फोटो चोरी कर बना लेते हैं फर्जी प्रोफाइल

साइबर अपराधी फेसबुक और व्हाट्स ऐप एकाउंट से फोटो चोरी कर फर्जी प्रोफाइल बनाते है. फिर इसी प्रोफाइल के जरिये यूजर के परिचित लोगों से सोशल मीडिया के जरिए पैसों की मांग करते हैं. कई बार अपराधी फेसबुक को हैक कर भी यूजर के प्रोफाइल को इस्तेमाल कर लेते हैं और यूजर को इसकी भनक भी नहीं लगती है. सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर विदेशी या फिर अनजान नंबर से व्हाट्स ऐप पर भी फेक प्रोफाइल तैयार कर परिचितों से राशि की मांग की जाती है. व्हाट्स ऐप पर भी ठगी के लिए फेसबुक या अन्य सोशल साइट का सहारा लेकर दोस्तों या परिचितों का मोबाइल नंबर हासिल किया जाता है.

डीसी और एसपी के नाम पर बना रहे फर्जी अकाउंट

30 मार्च 2024 : रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के नाम से व्हाट्स ऐप पर फर्जी अकाउंट बना कर लोगों से पैसे की मांग की जा रही थी.

30 मार्च 2024 : पाकुड़ डीसी मृत्युंजय कुमार बरनवाल के नाम पर फर्जी व्हाट्स ऐप आईडी बनाकर लोगों से पैसे की ठगी की कोशिश की गई.

29 मार्च 2024 : धनबाद डीसी के नाम पर व्हाट्सएप का फेक आईडी बनाया गया था. इसके बाद प्रशासन ने लोगों से सावधान रहने की अपील की.

27 मार्च 2024 : पलामू डीसी के नाम पर फर्जी फेसबुक अकाउंट खोला गया. इसको लेकर लोगों से अपील की गई मैसेज आने पर रिप्लाई न करें.

22 फरवरी 2024 : रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर पैसे की मांग की जा रही थी. प्रशासन ने सावधान रहने की अपील की.

09 नवंबर 2023 : बोकारो के तत्कालीन एसपी प्रियदर्शी आलोक का फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर लोगों से ठगी करने का प्रयास किया गया था.

12 अक्टूबर 2023 : हजारीबाग एसपी के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर पैसे मांगे जा रहे थी. इसके बाद प्रशासन ने सतर्क रहने की अपील की थी.

02 फरवरी 2022 : साइबर अपराधियों ने रामगढ़ एसपी का फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाया था. प्रशासन ने मैसेज आने पर रिप्लाई करने से मना किया था.

लातेहार डीसी का बनाया फर्जी अकाउंट

रांची। साइबर अपराधी झारखंड के आईएएस-आईपीएस अधिकारियों का फर्जी व्हाट्स ऐप अकाउंट बना कर पैसों की मांग कर रहे हैं. रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा के बाद अब लातेहार डीसी गरिमा सिंह के नाम से व्हाट्स ऐप पर फर्जी अकाउंट बनाया गया है. जिला प्रशासन ने लोगों को सावधान रहने की अपील की है. बताया गया है कि साइबर अपराधी मोबाइल नंबर 7874086569 से व्हाट्स ऐप पर फर्जी अकाउंट बना कर लोगों को मैसेज कर अलग-अलग परिस्थितियों का हवाला देकर पैसों की मांग कर रहे हैं. जिला प्रशासन ने आमजनों से अनुरोध किया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से लातेहार डीसी के नाम पर किसी तरह का मैसेज आने और पैसों की मांग करने पर

ट्रांजैक्शन न करें और तुरंत रिपोर्ट करें. प्रशासन ने बताया है कि इस संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया अपनायी जा रही है.

तीन योजनाओं से संवरेगी गांवों की तस्वीर

ग्रामीण विकास विभाग खर्च करेगा 4728 करोड़

रवि भारती। रांची

ग्रामीण विकास विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4728 करोड़ रुपये खर्च करेगा. इससे 60 लाख से अधिक ग्रामीणों को फायदा होगा. मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों और गांव के लोगों की तस्वीर और तकदीर बदलेगी. इससे 4000 बसावटों को भी फायदा होगा, साथ ही 5500 गांवों का भी विकास होगा. गांव जिला मुख्यालय से भी जुड़ेंगे.

मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना से 500 गांवों की बढ़ेगी कनेक्टिविटी : मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना से 500 गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी. इस योजना में 550 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. कुल 70 पुलों का निर्माण किया जाएगा, जो प्रखंडों को जिला मुख्यालय से जोड़ेगा. इससे तीन लाख ग्रामीणों को फायदा होगा.

1500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का होगा निर्माण

4000 से अधिक बसावटों को भी होगा फायदा

5000 किमी ग्रामीण सड़कों का होगा जीर्णोद्धार

5500 गांवों में बढ़ेगी कनेक्टिविटी

60 लाख ग्रामीणों को होगा फायदा

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1500 किमी सड़क बनेगी

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को बाजार, कार्यालय, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाएगा. इस योजना में 1300 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इस योजना से 4000 बसावटों के साथ 12 लाख ग्रामीणों को फायदा होगा.

पांच साल पहले बनी सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 5000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा. इसमें वैसी सड़कें शामिल होंगी, जो पांच साल के पहले की बनी होंगी. इस योजना में 1700 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. इस योजना से 5000 गांवों के साथ ही साथ 20 लाख ग्रामीणों को फायदा होगा.

बनेंगे 200 पुल, 2500 किलोमीटर होगी लंबाई

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 200 पुल बनाये जायेंगे. इस योजना में 1078 करोड़ रुपये खर्च किये जायेगे. इसमें गांव के बसावटों के लिए संपर्क सड़कें बनाई जाएंगी. इन पुलों की लंबाई 2500 किलोमीटर होगी, जिससे 25 लाख ग्रामीणों को फायदा होगा.

जेपीएससी घेराव कार्यक्रम स्थगित, नहीं मिली अनुमति

रांची। छात्रों ने जेपीएससी कार्यालय घेराव कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है. एक अप्रैल को अभ्यर्थियों ने जेपीएससी कार्यालय घेरने की घोषणा की थी. रांची के सदर अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय ने घेराव करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है. यह जानकारी झारखंड यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष इमाम सफी ने दी. उन्होंने आगे कहा कि हमलोगों ने आवेदन में लिख कर दिया था कि किसी भी राजनीतिक पार्टी का इसमें किसी प्रकार का कोई दखल नहीं है और किसी को आने भी नहीं दिया जाएगा. इसके बावजूद अनुमति नहीं मिली. कहा कि हमारे मौलिक अधिकारों का हनन किया गया है. देश की राजधानी दिल्ली में राजनीतिक पार्टियों की रैलियां और जनसभाएं हो रही हैं, वहीं हम बेरोजगार छात्रों को अपने अधिकार की बात रखने के लिए अनुमति नहीं दी गयी.

कालीचरण मुंडा ने खूंटी में शुरू किया जनसंपर्क अभियान

गुरुजी का आशीर्वाद ले खूंटी के कांग्रेस प्रत्याशी चुनावी समर में उतरे

विशेष संवाददाता। रांची

खूंटी लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कालीचरण मुंडा ने अपने चुनावी अभियान की शुरुआत करने से पूर्व भगवान बिरसा मुंडा के साथ ही दिशोम गुरु शिबू सोरेन का आशीर्वाद लिया. रविवार सुबह खूंटी से कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा पूर्व मुख्यमंत्री गुरुजी शिबू सोरेन के आवास पर पहुंचे. पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया. मौके पर गुरुजी ने कहा-'विजयी भवः'. गुरुजी ने कहा कि पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरें. झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला से लेकर प्रखंड और पंचायत तक के एक-एक कार्यकर्ता मजबूती से आपके साथ खड़े रहेंगे.

शिबू के कारण बना अलग झारखंड राज्य : मुंडा : कालीचरण मुंडा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने जल,जंगल, जमीन और आदिवासियों के हितों की लड़ाई लड़ने में लाखों सितम सहे, उसी का नतीजा है कि आज अलग झारखंड राज्य बना. हालांकि राज्य बनने के बाद अधिकांश समय तक राज्य की कमान भाजपा के हाथों में रही. यही कारण है कि झारखंड का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया.

साजिश के तहत हेमंत को जेल में बंद किया

मंडा ने कहा कि गरीब और आदिवासियों के नेता हेमंत सोरेन को जिस प्रकार साजिश के तहत जेल में बंद किया गया है, इसका पुरजोर जवाब इस बार के लोकसभा चुनाव में जनता देगी. कहा कि कांग्रेस, झामुमो, राजद और वामदलों का गठबंधन राज्य की सभी 14 सीटों पर जीत हासिल करेगा.

शहीद एसपी के बेटे की पढ़ाई के लिए राशि आवंटित

रांची। नक्सली हिंसा में शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के बेटे जैकब बलिहार की पढ़ाई के लिए 1.56 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने यह राशि आवंटित की है. बता दें कि दो जुलाई 2013 को एसपी अमरजीत बलिहार दुमका में डीआईजी की बैठक में शामिल होकर पाकुड़ लौट रहे थे. इसी बीच काठीकुंड थाना के जमनी मोड़ के समीप जैसे ही उनकी गाड़ी पहुंची, नक्सलियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी. इस गोलीबारी में एसपी सहित अंगरक्षक चंदन थापा, वीरेंद्र श्रीवास्तव, मनोज हेंब्रम, राजीव कुमार शर्मा और संतोष मंडल शहीद हो गए थे.

पार्टी ने टिकट नहीं दिया, तो निर्दलीय ही उतरेंगे

लोबिन हेंब्रम ने भरी हुंकार : हर हाल में राजमहल से चुनाव लड़ेंगे

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने एलान किया है कि वे हर हाल में राजमहल से चुनाव लड़ेंगे. पार्टी ने उतारा तो भी, नहीं उतारा तो भी. नहीं उतारा तो निर्दलीय मैदान में उतरेंगे. उन्होंने कहा कि राजमहल में मौजूदा सांसद विजय हांसदा की कार्यशैली को लेकर आम लोगों में नाराजगी है. यदि उनको टिकट मिला, तो पार्टी को नुकसान होगा. दरअसल विजय हांसदा नेता नहीं, व्यवसायी हो गये हैं. आम जनता से दूर हो गये हैं.

जनता चाहती है, मैं चुनाव लड़ूं : उन्होंने कहा कि वह बीते एक सप्ताह से राजमहल लोकसभा क्षेत्र में घूम रहे हैं. वह राजमहल के विभिन्न इलाकों में लोगों से मिलकर उनकी राय ले रहे हैं. उनका कहना है कि इस बार राजमहल की जनता उन्हें उम्मीदवार के रूप में देखना चाहती है. इसलिए वे राजमहल सीट पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं.

विजय हांसदा की छवि नेता जैसी नहीं है

सांसद विजय हांसदा को लेकर लोबिन हेंब्रम ने कहा कि राजमहल लोकसभा में उनकी छवि एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि व्यवसायी के तौर पर है. कहा कि क्षेत्र के लोगों में उनकी पहुंच न के बराबर है. इस बार विजय हांसदा को टिकट दिया गया, तो पार्टी को आम लोगों की नाराजगी झेलने को मिलेगी.

झामुमो से टिकट नहीं मिला, तो निर्दलीय ही उतरेंगे

हेंब्रम ने कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने की बात पार्टी आलाकमान से की है. इस पर जवाब में पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उन्हें टिकट देने पर विचार करने की बात कही. पार्टी का कहना है कि वे अभी इस पर मंथन कर रहे हैं.

पीएचडी करने के लिए अलग से प्रवेश परीक्षा की बाध्यता समाप्त

रजनीश प्रसाद। रांची

किसी विश्वविद्यालय में पीएचडी करने के लिए अलग से प्रवेश परीक्षा देने की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है. देश के आईआईटी, आईआईएम या अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों में पीएचडी के लिए, प्रवेश परीक्षा देने की जरुरत नहीं है. यूजीसी ने नेट स्कोर को मान्यता देने का फैसला लिया है. यूजीसी ने नोटिफीकेशन जारी कर कहा है कि नेट क्वालीफाई करने के बाद भी कुछ विश्वविद्यालयों में पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा देना अनिवार्य होता था. लेकिन अब से नेट स्कोर के आधार पर ही पीएचडी के लिए आवेदन कर सकते है. यूजीसी हर साल जून माह में नेट की परीक्षा लेती है.

नई व्यवस्था से पहले विश्वविद्यालय के स्तर पर पीएचडी के लिए प्रवेश परीक्षा ली जाती थी. यूजीसी की परीक्षा से केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्राध्यापक बहाली होती थी. देश के अलग-अलग विश्वविद्यालयों में पीएचडी के लिए अलग से प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता था. कई विश्वविद्यालयों में पीएचडी प्रवेश के लिए नेट क्वालीफाई उम्मीदवार के लिए कुल का आधा सीट रिजर्व रखा जाता था, लेकिन उसमें जेआरएफ को प्राथमिक्ता दी जाती थी. वहीं आधे सीट पर विश्वविद्यालय द्वारा लिए जाने वाले प्रवेश परीक्षा के आधार पर लिया जाता था.

योग्य उम्मीदवारों की सूची बनेगी

श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के इंग्लिश विभागाध्यक्ष डॉ. विनय भरत ने कहा कि नई सूचना यूजीसी ने दी है. अब यूजीसी नेट के साथ तीन रिजल्ट होंगे. जिसमें तीसरा रिजल्ट पीएचडी में नामांकन लेने के योग्य उम्मीदवारों की सूची होगी. यह विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को खत्म करते हुए केंद्रीकरण का दूसरा प्रयास है. पहला प्रयास एनईपी के मार्फ़त पूरे देश में एक कुरिकुलम को लागू करना था. चूंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है और सिलेबस को अपने राज्य के भाषा संस्कृति अनुरूप लागू करने का अधिकार विश्वविद्यालयों को रहता था, वो एनईपी 2020 से खत्म कर दिया गया. सिर्फ 20 % की बदल करने की छूट विश्वविद्यालयों को दी गई, तो अब जो पीएचडी इंट्रेंस टेस्ट यूजीसी ने लेने का निर्णय लिया है, वह अप्रत्याशित नहीं है. इससे ग्रामीण शोधार्थी अवश्य प्रभावित होंगे.

हटिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने बनाई चुनावी रणनीति

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर हटिया विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक अरगोड़ा स्थित लेक गार्डेन सभागार में हुई. क्लस्टर प्रभारी बालमुकुंद सहाय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी प्रत्याशी संजय सेठ को पांच लाख वोटों से अंतर से जीताने के हमें पूरी ताकत लगानी होगी. इसके लिए हर कार्यकर्ता को जो जिम्मेवारी मिली है, उसे बखूबी निभायें. हटिया के विधायक और हटिया विधानसभा के संयोजक नवीन जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज के हर वर्ग के लोगों को किसी ने किसी योजना का लाभ दिया है. उनसे मिलकर हमें उन्हें पीएम मोदी का ब्रांड एंबेसडर बनाना है. बैठक में हटिया विधानसभा प्रभारी प्रदीप सिन्हा, जिलाध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, राकेश सिंह गुड्डू, सीमा शर्मा, राकेश भास्कर, संदीप वर्मा, कमाल खान, निशि जायसवाल, शोभा यादव, काजल प्रधान समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

आज से सफर हो जाएगा महंगा

टोल टैक्स में पांच से 20 रुपये तक की हो गयी वृद्धि

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में एक अप्रैल से सफर महंगा हो जाएगा. टोल टैक्स में पांच से 20 रुपये तक की वृद्धि की गयी है. केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स बढ़ा दिया है. वन-वे के लिए कई टोल प्लाजा में छोटे वाहनों पर टैक्स की बढ़ोतरी नहीं की गयी है, लेकिन उसी दिन वापसी पर पांच रुपये की वृद्धि की है.

पुंदाग टोल प्लाजा

- कार, जीप, वैन व अन्य हल्के वाहनों के लिए 125 रुपये (पुरानी दर) चुकाने होंगे. रिटर्न ट्रिप के लिए 185 की जगह 190 रुपये लगेंगे.
- हल्के व्यावसायिक वाहनों को एक ट्रिप के लिए 200 रुपये की जगह 205 रुपये व 24 घंटे के अंदर रिटर्न ट्रिप के लिए 300 की जगह 305 रुपये देने होंगे.
- टू एक्सेल बस व ट्रक को एक ट्रिप के लिए 415 की जगह 425 व रिटर्न ट्रिप के लिए 625 की जगह 640 रुपये देने होंगे.
- थ्री एक्सेल व्यावसायिक वाहनों को एक ट्रिप के लिए 455 की जगह पर 465 व रिटर्न ट्रिप के लिए 680 की जगह पर 700 रुपये चुकाने होंगे.
- निर्माण कार्य से जुड़े सिक्स एक्सेल वाहनों से एक ट्रिप के लिए 655 की जगह 670 व रिटर्न ट्रिप के लिए 980 की जगह 1005 रुपये देने होंगे.
- सात व उससे अधिक एक्सेल वाहनों से एक ट्रिप के लिए 795 की जगह 815 व रिटर्न ट्रिप के लिए 1190 की जगह 1220 रुपये लिये जायेंगे.

बुंडू टोल प्लाजा : रांची-टाटा मार्ग स्थित बुंडू टोल प्लाजा में तीन से पांच प्रतिशत तक टैक्स में बढ़ोतरी की गई है. छोटे वाहनों पर तीन फीसदी और बड़े वाहनों पर पांच फीसदी अधिक टैक्स लगेगा.

मोर्चाबंदी भाकपा ने एक व माकपा ने चार सीटों के प्रत्याशी की घोषणा की

वामदलों ने कई सीटों पर खड़े किए प्रत्याशी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के पूर्व ही 'इंडिया' बिखरने लगा है. राज्य में कांग्रेस, झामुमो, राजद के आलावा भाकपा (माले) राज्य में इंडिया गठबंधन के घटक दल रह गए हैं. वहीं, तीन वाम दल मासस, भाकपा और भाकपा (मार्क्सवादी) ने अपने दम पर लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. धनबाद सीट पर सबसे पहले मार्क्सवादी समन्वय समिति (मासस) ने पार्टी के उम्मीदवार का नाम ऐलान किया.

पार्टी ने आपने प्रत्याशी जगदीश रवानी के लिए मोर्चाबंदी शुरू कर दी है. वहीं रविवार को भाकपा ने झारखंड की चार लोकसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी के नामों की घोषणा कर दी.

इसमें पलामू से अभय भुईयां, लोहरदगा से महेंद्र उरांव, चतरा से अर्जुन कुमार और दुमका से राजेश कुमार किस्कू का नाम शामिल है. कुछ इसी तरह राजमहल लोकसभा सीट से भाकपा (मार्क्सवादी) ने गोपी सोरेन को चुनावी मैदान में उतारा है. पार्टी के झारखंड राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि पार्टी राजमहल लोकसभा सीट को लेकर पहले से ही तैयारी कर रही थी. वहीं भाकपा के अजय सिंह ने कहा कि राज्य की सात से आठ लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार देने की पार्टी तैयारी कर राही है. रविवार को चार सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है.

'इंडिया' की टूट व बिखराव के लिए कांग्रेस ही जिम्मेवार : अजय सिंह

भाकपा नेता अजय सिंह ने कहा 'इंडिया' में बिखराव का जिम्मेवार कांग्रेस है. गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस कर रहा है. प्रदेश कांग्रेस के नेता अधिक सीट लेकर चुनाव हारने का काम करते हैं. इसके लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष जिम्मेवार हैं. भाकपा, गठबंधन में शुरुआत से ही साथ रही है. पार्टी का जनाधार रहते हुए एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात की थी, जिसे नहीं माना गया है. इसका खामियाजा कांग्रेस को ही भुगतना होगा.

गठबंधन में बिखराव के दोषी नेतृत्वकर्ता : प्रकाश विप्लव

भाकपा (मार्क्सवादी) के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि झारखंड में झामुमो और कांग्रेस गठबंधन के सभी दलों को लेकर चलने का काम नहीं किया. अगर विधानसभा में सीटों को एडजस्ट करने की बात गठबंधन में होती, तो आज पार्टी अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं करती. गठबंधन में बिखराव के दोषी नेतृत्व करने वाले राजनीतिक दल हैं. सभी दलों को साथ लेकर चलने की पहल की गई हरोती, तो बिखराव की स्थिति नहीं आती.

CLASSIFIED

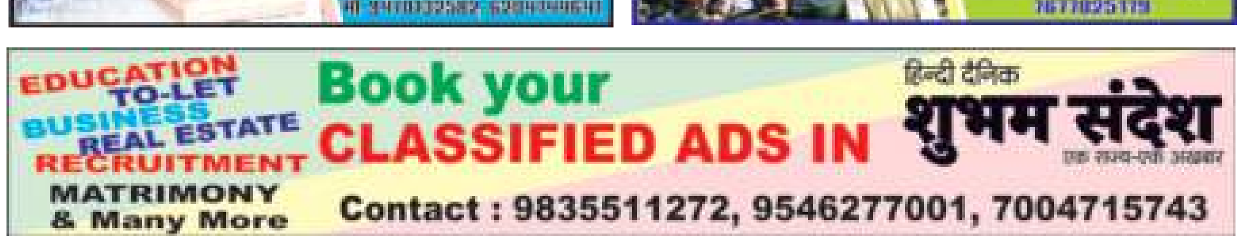

तापमान
36.0° अधिकतम | 20.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in
सोमवार 01 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 07 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 1, अंक : 342
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पास्का पर्व के साथ पूरा हुआ चालीसा काल के पुनरुत्थान का पवित्र सफर

रांची। राख बुध से प्रारंभ 40 दिनों की प्रार्थना व उपवास के पुनरुत्थान का सफर रविवार को पास्का पर्व (ईस्टर संडे) के साथ संपन्न हुआ. प्रभु यीशु के पुनः जी उठने के स्मरण दिवस के इस अवसर पर लोयला मैदान में हजारों की संख्या में कलीसिया विश्वासी जुटे. उनके द्वारा जलायी गयी मोमबत्तियों से रात भर लोयला मैदान जगमगाता रहा और अल्लेलूया के नारे गूंजते रहे. इस अवसर पर विश्वासियों ने अपने पूर्वजों के कब्र पर मोमबत्तियां भी जलायीं. **- फोटो : रमीज**

गोशाला न्यास समिति के अजब-गजब कारनामे

खाता न बही, रतन जो बोले वही सही

राजन बॉबी।रांची

गोशाला न्यास समिति के ट्रस्टी और पदाधिकारियों के एक ही मोख्तार हैं. और वे हैं रतन जालान. इनका पद भी ऐसा वैसा नहीं है. साहब ट्रस्टी चेयरमैन हैं. इनकी अनुमति के बिना गोशाला में पत्ता भी नहीं हिल सकता. उनके आगे अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष की भला क्या बिसात. ज्यादातर ट्रस्टी और सदस्य इनके पक्षधर हैं.

चेयरमैन साहब के रुआब के क्या कहने. गोशाला की जमीन बेचनी हो या फिर कोई कानूनी अड़चन आ जाये, तो रतन जालान महोदय साफ कह देते हैं, हम करवा लेंगे. जमीन तो झट से बेचवा देंगे, लेकिन वर्षों से हरमू रोड स्थित गोशाला की जमीन का म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) नहीं करा सके. खाली कहेंगे कि हम करा लेंगे. जानकारी मिली है कि यह जमीन भी सीएनटी जमीन है, जिस कारण 120 साल बीतने के बावजूद इसका म्यूटेशन नहीं हो पाया है. हुटुप और सुकुरहुटू गोशाला की भी दर्जनों समस्याएं अबतक लंबित हैं. सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं दिए जाने से आक्रोशित सदस्य ही नहीं, मेंबर और कई ट्रस्टी भी ऐसे ढेरों आरोप चेयरमैन रतम जालान पर लगा रहे हैं. सभी एक ही बात कहते हैं कि सारे विवाद की जड़ रतन ही हैं. वर्चस्व बनाये रखने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं. यही कारण है कि आजीवन सदस्य कुछ भी बोलने से डरते हैं.

सामने आकर सवाल खड़ा करने से डरते हैं सदस्य

सदस्यों का साफ-साफ कहना है कि सामने आकर कुछ नहीं कह सकता. उनके पास बहुमत है, जो चाहे वह कर दें. जालान बाबू के सामने हमारी बिसात ही क्या है. इसी कारण सबकुछ जानते-समझते हुए भी हमलोग चुप्पी साध लेते हैं. हालांकि बेनी प्रसाद प्रसाद अग्रवाल, स्नेह पोद्दार, अनिल अग्रवाल, मोहक जैन जैसे कई सदस्यों ने माननीयों के हिटलरशाही व्यवस्था को चुनौती देते हुए न्यायालय तक का दरवाजा खटखटा दिया है. उनका कहना है कि अब तो अदालत पर ही भरोसा है. जो भी सही-गलत होगा, न्यायालय में साफ हो जाएगा.

जांच हो तो कारगुजारियां उजागर होंगी

एक सदस्य नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं कि यदि सही तरीक से किसी जांच एजेंसी से गोशाला समिति के कार्यकलापों की जांच करा दी जाए, तो माननीयों की सारी कारगुजारियां उजागर हो जाएंगी. उन्होंने 28 फरवरी को हुई आम सभा का हवाला देते हुए बताया कि कोषाध्यक्ष दीपक पोद्दार ने गोशाला के आय-व्यय से संबंधित ब्योरा की प्रति दो-चार लोगों के बीच दिखावे के रूप में बांटवा तो दी, लेकिन फंसने के डर से यह कहते हुए बांटी गयी प्रति भी वापस ले ली गयी कि इसकी फोटोकॉपी नहीं करायी जा सकी है. आखिर इसका क्या अर्थ है. इतने ही राफ-साफ हैं, तो सारी बातें आम सदस्यों के बीच क्यों नहीं रखी जाती. जमीन बेचना हो या फिर सदस्यों की सदस्यात की मान्यता का मामला, सबसे सहमति बना कर ही फैसला लिया जाना चाहिए.

बेबुनियाद-निराधार हैं सारे आरोप : ओम प्रकाश छापड़िया

गोशाला के ट्रस्टी ओम प्रकाश छापड़िया बताते हैं कि सारे आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं. सब ट्रस्टी मिल कर ही ट्रस्टी चेयरमैन चुनते हैं, जो सब से सलाह-मशविरा कर के ही कोई भी निर्णय लेते हैं. सदस्यों को मान्यता नहीं दिए जाने का मामला सलटाना हो या फिर जमीन बेचने का फैसला, सारे ट्रस्टी और पदाधिकारी की सहमति से ही लिए जाते हैं. किसी एक ट्रस्टी के फैसले से 135 लोगों को एक साथ किसी भी तरह से सदस्यता नहीं दी जा सकती. वैसे तो हर ट्रस्टी और पदाधिकारी सदस्य बनाता फिरेगा. सदस्य बनाने की प्रक्रिया होती है, जो 135 सदस्यों ने पूरी नहीं की थी, इसी कारण उन्हें मान्यता नहीं दी जा रही है. हाल में ट्रस्ट बोर्ड ने 50 लोगों को सदस्य बनाने का निर्णय लिया था, तो 135 में से 25 लोगों को सदस्य बना दिया गया. भविष्य में औरों को भी मौका मिलेगा. इसके लिए हाय-तैबा मचाने की जरूरत ही क्या है? गोशाला में सेवा देने के लिए ही तो सदस्य बन रहे हैं, तो सेवा वैसे भी कर सकते हैं. किसी ने इसके लिए रोका थोड़े न है.

मेरे अकेले का नहीं 110 लोगों का मामला है : बेनी प्रसाद अग्रवाल

बेनी प्रसाद अग्रवाल कहते हैं कि सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं दिए जाने का मामला सिर्फ मेरे अकेले का नहीं, बल्कि 110 लोगों के मान-सम्मान से जुड़ा मसला है, जिनसे डोनेशन और सदस्यता शुल्क लेकर भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. ट्रस्टी चेयरमैन की मनमानी से आहत बेनी प्रसाद बताते हैं कि उम्र के अंतिम पड़ाव में क्या झूठ बोलेंगे. मुझसे भी 21 हजार रुपये डोनेशन के नाम पर और 11 सौ रुपये सदस्यता शुल्क के नाम पर लिया गया. फिर सदस्यता प्रमाण पत्र भी दे दिया गया. अब नये बने ट्रस्टी चैयरमैन इसे गलत बता रहे हैं. मारवाड़ी समाज के होकर भी इतना गलत कैसे कर सकते हैं, सोच भी नहीं सकता. मेरे अकेले की बात होती तो पीछे हट जाता, लेकिन अन्य लोगों को भी ठगा गया है. इसके लिए जहां तक लड़ना पड़े, कानूनी लड़ाई लड़ता रहूंगा.

सरयू व कृष्णा अग्रवाल को प्रिंस की धमकी से बढ़ेगी ढुल्लू की मुश्किलें

गैंगस्टर प्रिंस खान और विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ मुकदमा

- मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल के बयान पर केस
- ढुल्लू को सता रहा डर, सियासी विरोधी भुनाएंगे ऑडियो क्लिप
- ऑडियो क्लिप से ढुल्लू को नफा-नुकसान की गणना शुरू

संवाददाता।रांची/धनबाद

धनबाद लोकसभा से भाजपा के उम्मीदवार सह बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को टिकट मिलने के बाद लगातार मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है. भाजपा के अंदर ही उनके सियासी साथियों से विरोध का अवरोध अभी खत्म भी नहीं हुआ था कि प्रिंस खान की एक कथित ऑडियो क्लिप ने उनकी परेशानियों में और इजाफा कर दिया है. एक तरफ ढुल्लू के विरोधी, इस ऑडियो को ढुल्लू के खिलाफ भंजाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, तो दूसरी तरफ ढुल्लू इस ऑडियो से अपना पल्ला झाड़ कर आगे निकलना चाहेंगे. ऐसे में ढुल्लू कामयाब होंगे या फिर उनके सियासी विरोधी, ये आने वाला वक्त तय करेगा. बता दें कि धनबाद में भाजपा लोकसभा के लिए आधा दर्जन दिग्गज उम्मीदवारी की सूची में शामिल थे. ढुल्लू ने इन सब को पटखनी देते हुए बाजी मार ली. लेकिन, महज यह जीत ढुल्लू के सियासी साथियों को अंदर से उनका विरोधी बना गई. वैसे भी ढुल्लू के पास विरोधियों की कोई कमी नहीं है. ऐसे में नए विरोधियों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया.

गैंगस्टर प्रिंस खान के आडियो क्लिप वायरल होने के बाद विधायक ढुल्लू महतो और प्रिंस खान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. धनबाद मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल के बयान पर उक्त प्राथमिकी दर्ज हुई है. दोनों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए पुलिस अब उक्त ऑडियो की जांच कर रही है.

बताते चलें कि ऑडियो वायरल होने के बाद कृष्णा अग्रवाल ने एसएसपी धनबाद को एक पत्र लिखा था, जिसमें उक्त ऑडियो का जिक्र करते हुए कहा गया था कि प्रिंस खान ने ढुल्लू के पक्ष में उन्हें और सरयू राय को धमकी दी है, जिससे उनका पूरा परिवार दहशत में है. उनके द्वारा यह भी आरोप लगाया गया है कि उनके साथ भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के इशारे पर प्रिंस खान या उनके गुर्गे द्वारा अनहोनी की वारदात को अंजाम दिया जा सकता है. बयान के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है.

ढुल्लू की कृष्णा अग्रवाल से हुई थी नोकझोंक

मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को एक पत्र लिखा था. इस पत्र में विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ दर्ज मुकदमों का जिक्र था. कई अन्य बातें भी थीं, जो विधायक के समर्थन में नहीं थी. इसी को लेकर ढुल्लू ने कृष्णा अग्रवाल को फोन किया और उनके साथ विधायक की तीखी नोकझोंक हुई थी. इस नोंकझोंक ढुल्लू ने कहा था कि ये पत्र सरयू राय के इशारे पर लिखा गया है. इसके बाद जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय भी धनबाद पहुंचे और विधायक ढुल्लू के खिलाफ चुनाव आयोग और ईडी से संपत्ति जांच की मांग कर दी. इसी क्रम में ये कहा कि प्रिंस खान के आतंक के बाद धनबाद के कारोबारी थोड़ा सकून की सांस ले रहे हैं और नहीं चाहते कि फिर से उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत या परेशानी हो.

ढुल्लू पर 50वां मुकदमा

बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ बरवाअड्डा थाने में दर्ज मुकदमे का नंबर 50वां है. यानी अब तक ढुल्लू के खिलाफ 50 मुकदमा दर्ज हो चुके हैं. बरवाअड्डा थाने में दर्ज मुकदमे में विधायक ढुल्लू महतो और गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, रंगदारी, धमकी आदि के तहत संगीन धाराएं लगाई गई हैं. भादवि की धारा 387, 504, 506, 109, 120 बी धाराएं लगी हैं. गौरतलब हो कि इसी पखवारे ढुल्लू के खिलाफ तेतुलमारी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इस मुकदमे में भी गोलीबारी, बमबाजी, रंगदारी और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है.

रविवार की रात तेज आंधी-बारिश के कारण डोरंडा में पुराने हाईकोर्ट भवन के पास खड़ी कार पर गिरा पेड़.

साढ़े चार करोड़ का डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता।रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर रांची पुलिस द्वारा मादक पदार्थ और अवैध हथियार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तमाड़ में एक कंटेनर ट्रक से करीब साढ़े करोड़ रुपये का डोडा बरामद किया है. जानकारी के मुताबिक, नकली शराब बिहार की खेप को बिहार भेजने की योजना थी.

दरअसल, रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी एक ट्रक में भारी मात्रा में डोडा लोड कर उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है. उन्होंने एसडीपीओ बुंडू के नेतृत्व में एक टीम गठित की. पुलिस टीम ने वाहन जांच अभियान चला कर तमाड़ के पास ट्रक को पकड़ा. ट्रक में कुल 172 बोरा डोडा लदा था. इसकी कीमत साढ़े चार करोड़ रुपये आंकी गई है. इस मामले में ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया है.

रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई

450 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद, चार धराए

सदर डीएसपी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने विभिन्न ब्रांड के 450 बोतल (सभी 750 एमएल) अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया है. टीम ने सदर थाना क्षेत्र में बूटी बस्ती स्थित पवन सिंह के एस्बेस्टस युक्त मकान में छापेमारी कर अवैध शराब की खेप बरामद की. इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संतोष कुमार, राज कुमार, आदर्श सिंह और निखिल कुमार के रूप में की गई है. इनके पास से हंड्रेड पाइपर ब्रांड की 45 बोतल, ब्लेंडर प्राइड ब्रांड की 165 बोतल, ब्लैक टाइगर ब्रांड की 235 बोतल, सिग्नेचर ब्रांड की 20 बोतल बरामद किया गया. इसके अलावा टाटा पंच, अवैध शराब बोतल का रैपर, खाली बोतल और भारत सरकार के कार में लगने वाला नकली बोर्ड बरामद किए गए है.

31 मार्च | गृह विभाग से 28,753, प्रोजेक्ट भवन कोषागार से 17835 और डोरंडा कोषागार से पास हुए 29008 बिल

रिकॉर्ड 3.87 लाख बिल पास, सबसे अधिक गृह विभाग का बिल

- 2018 एडवाइस में से 1347 बिल हुए पास
- करीब 15 हजार करोड़ रुपये सरेंडर हो जाने के आसार

रवि भारती ।रांची

चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतिम दिन 31 मार्च तक रिकॉर्ड तीन लाख 87 हजार 479 बिल पास हुए. इसके लिए तीन लाख 88 हजार 83 एडवाइस जारी किया गया था. वहीं अंतिम दिन यानि रविवार को सभी कोषागारों में भीड़ दिखा. 31 मार्च को 1347 बिल पास किए गए. इस साल सबसे अधिक गृह कारा विभाग का 28,753 बिल पास हुआ. इसके बाद वन विभाग का 21,055 बिल पास हुआ.

केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 7232 करोड़ खर्च : 31 मार्च तक केंद्र प्रायोजित योजनाओं में से 7,232 करोड़ रुपए खर्च किए गए. वर्ष 2023-24 के लिए 1,16,418.00 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान था. इनमें 70,900 करोड़ का योजना बजट शामिल था. राज्य सरकार ने अंतिम तिमाही में 4,100 करोड़ रुपए बढ़ोतरी कर योजना बजट का आकार 75 हजार करोड़ रुपए कर दिया. इस बार भी लगभग 15 हजार करोड़ करोड़ रुपए से अधिक राशि सरेंडर होने की संभावना जताई जा रही है. वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए राज्य सरकार ने मार्च में कोषागार से राशि निकासी के लिए 15 फीसदी की सीमा तय कर दी थी.

किस विभाग का कितना हुआ बिल पास

विभाग	बिल की संख्या
कृषि	9443
पशुपालन	8196
सहकारिता	2836
ऊर्जा	980
उत्पाद	1556
वाणिज्य कर	3487
खाद्य आपूर्ती	4602
वन विभाग	21,055
स्वास्थ्य	14,454
उच्च शिक्षा	366
गृह विभाग	28,753
उद्योग	5141
सूचना जनसंपर्क	2931
श्रम विभाग	7846
परिवहन	1708
नगर विकास	667
जल संसाधन	9331
ग्रामीण कार्य	7950
पंचायती राज	10,922
प्राथमिक शिक्षा	15,386
माध्यमिक शिक्षा	17,382
महिला बाल विकास	17,262

विभागवार खर्च का आंकड़ा

विभाग	राशि(करोड़ में)
प्राथमिक शिक्षा	5867.76
कृषि	1461.22
पशुपालन	314
भवन निर्माण	530.78
ऊर्जा	15467.73
उत्पाद	33.14
खाद्य आपूर्ति	1487.74
वन विभाग	1157.53
स्वास्थ्य	4045.93
उच्च शिक्षा	1432.34
गृह विभाग	6853.09
उद्योग	474
सूचना जनसंपर्क	321.90
श्रम विभाग	844.70
पेयजल	3637.73
भू-राजस्व	636.69
पथ निर्माण	5425.68
ग्रामीण विकास	3184
पर्यटन	119.04
नगर विकास	1340
जल संसाधन	1607
ग्रामीण कार्य	3005.77
पंचायती राज	411.31

किस ट्रेजरी से कितना बिल पास

ट्रेजरी का नाम	बिल की संख्या
सरायकेला	13588
तेनुघाट	3727
दुमका	19004
जमशेदपुर	15366
महेशपुर	1645
बोकारो	9974
चतरा	11039
देवघर	13433
गिरिडीह	14044
लोहरदगा	9236
लातेहार	9585
प्रोजेक्ट भवन	17835
चक्रधरपुर	4411
गुमला	13239
घाटशिला	4649
जामताड़ा	8727
साहेबगंज	10326
सिमडेगा	9448
धनबाद	17738
गढ़वा	12429
रामगढ़	7771
डोरंडा	29008
कोडरमा	8324
मधुपुर	2425
राजमहल	2293
हजारीबाग	20559
पलामू	18259
खूंटी	9092
पाकुड़	8115
चाईबासा	17834
रांची	33517

किस ट्रेजरी में कितना बिल पेंडिंग

ट्रेजरी का नाम	पेंडिंग बिल
सरायकेला	02
दुमका	08
जमशेदपुर	36
बोकारो	44
चतरा	07
गिरिडीह	146
प्रोजेक्ट भवन	02
घाटशिला	08
जामताड़ा	23
धनबाद	06
खूंटी	03
पाकुड़	01
चाईबासा	143
रांची	184
डोरंडा	01
गोड्डा	90

दोस्तों ने ही की थी आलोक की हत्या, तीन गिरफ्तार

गुत्थी सुलझी

- शराब पीने के दौरान पैसे के विवाद में कर दी थी हत्या
- 28 मार्च को सदर थाना क्षेत्र में झाड़ी में मिला था शव

संवाददाता।रांची

सदर थाना क्षेत्र में रहने वाले आलोक कुमार उर्फ कान्हा की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है. तीनों आरोपियों की पहचान सुंदर हेंब्रम, अमन कुमार और अनिल ओहदार के रूप में की गई है. तीनों आलोक के ही दोस्त हैं. पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि पूर्व में हुई मारपीट की घटना और शराब पीने के दौरान पैसों के लेनदेन के विवाद में दोस्तों ने ही आलोक की हत्या करने के बाद शव को झाड़ी में फेंक दिया था.

जानकारी के मुताबिक, बीते 24 मार्च को आलोक उर्फ कान्हा अचानक लापता हो गया था. परिजनों ने सदर थाना में उसकी गुमशुदगी का सनहा भी दर्ज कराया था. इस बीच 28 मार्च को आलोक का शव सदर थाना क्षेत्र के एक अस्पताल से कुछ ही दूरी पर स्थित झाड़ी से बरामद किया गया. दरअसल, झाड़ियों के पास दुर्गंध आने के बाद जब लोग मौके पर गए, तो एक युवक का शव पड़ा देखा. इसके बाद सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई. बता दें कि आलोक का शव काफी सड़े-गले हालत में पुलिस ने बरामद किया था.

रिम्स ओपीडी

विभाग — डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ विद्यापति
- सर्जरीः डॉ शीतल मलुआ
- कार्डियोलॉजीः डॉ प्रकाश कुमार
- ऑर्थोपेडिकः डॉ विनय प्रभात
- न्यूरोसर्जरीः डॉ सीबी सहाय
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- ऑब्स गायनीः डॉ एसबी सिंह
- सीटीवीएसः डॉ अंशुल कुमार
- न्यूरोलीजीः डॉ सुरेंद्र कुमार
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- प्लास्टिक सर्जरीः डॉ विक्रांत
- पीएमआरः डॉ अमित चैतन्य
- रेडिशन ऑन्कोलॉजीः डॉ अनूप
- सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
- यूरोलॉजीः डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
- कार्डियोलॉजीः डॉ राकेश झा
- यूरोलॉजीः डॉ पंकज कुमार
- पीडियाट्रिक सर्जरीः डॉ मोहम्मद इमरान
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ अमरेश
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट के कार्यालय का उद्घाटन - महावीर चौक - 11 बजे
2. स्वीप की डिजिटल प्रतियोगिता का उद्घाटन - आर्यभट्ट सभागार - 11 बजे
3. विधानसभा का बूथ स्तरीय सम्मेलन - बीजेपी महानगर कार्यालय रातु रोड, 11 बजे

ब्रीफ खबरें

मारपीट और लूटपाट के मामले में तीन गिरफ्तार

रांची। बरियातू थाना पुलिस ने मारपीट और लूटपाट करने के मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में शिव भगत उर्फ शिव मिंज, विशाल टोप्पो और इंद्रजीत बडाईक शामिल है. इनके पास से मोबाइल फोन बरामद किया गया है. थाना प्रभारी सुरेश कुमार मंडल ने बताया कि 30 मार्च की रात रिम्स ट्रामा सेन्टर के बाहर तालाब के पास तीन अपराधियों ने जगतपति महतो को मारपीट करते हुए डीआईजी ग्राउंड तक ले गये थे. इसके पास से उसका मोबाईल और पैसा लूट लिया था.

आरपीएफ ने यात्री को एप्पल आई पैड लौटाया

रांची। रांची रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री को एप्पल आई पैड लौटाया. रविवार को आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 20840 नई दिल्ली रांची राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा करके कोडरमा स्टेशन पर उतरे यात्री अमित अंबष्ट ने रेल मदद पर अपने एप्पल कंपनी के आई पैड मूल्य करीब 27 हजार रुपये के छूट जाने के संबंध में शिकायत दर्ज कराया. इसपर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ रांची ने आई पैड को ढूंढ निकाला और यात्री को आई पैड सौंपा.

आज नए वित्तीय वर्ष में बदल जाएंगे पांच नियम, जनता की जेब पर पड़ेगा असर

रांची। वित्तीय वर्ष 2023-24 समाप्त हो चुका है. सोमवार एक अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष 2024-25 शुरू हो जाएगा. नये वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही देशभर में कई नियम बदल जाएंगे, जिसका आम जनता पर सीधा असर पड़ेगा. अप्रैल महीने की पहली तारीख से नियमों में जो बदलाव होने वाले हैं, उनमें फास्टैग, पैन-आधार लिंकिंग, नेशनल पेंशन सिस्टम, इंश्योरेंस पॉलिसी, एसबीआई डेबिट कार्ड से जुड़े नियम शामिल हैं...

आज नहीं कराया केवाईसी, तो बंद हो जाएगा अपका फास्टैग

एक अप्रैल से फास्टैग से जुड़े नियमों में बदलाव होने वाला है. नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने 'वन व्हीकल, वन फास्टैग' पहल के तहत बिना केवाईसी वाले फास्टैग को ब्लैकलिस्ट या डिएक्टिवेट करने की घोषणा की थी. एनएचएआई ने फास्टैग यूजर्स को केवाईसी अपडेट करने की डेडलाइन 31 मार्च 2024 तय की थी. अगर आप अपना केवाईसी अपडेट नहीं कर सके, तो एक अप्रैल से आपका फास्टैग बंद हो जाएगा.

पैन को आधार से लिंक करने के लिए देना होगा जुर्माना

केंद्र सरकार ने पैन को आधार से लिंक करना अनिवार्य कर दिया है. केंद्र सरकार ने पैन को आधार से लिंक करने की डेडलाइन 31 मार्च 2024 तय की थी. यानि रविवार पैन को आधार से लिंक करने का अंतिम दिन था. अगर आप अपने पैन को आधार कार्ड से लिंक नहीं करते हैं, तो आपका पैन डिएक्टिवेट हो जाएगा. यानि आपका पैन कार्ड फिर किसी काम का नहीं रहेगा. इनकम टैक्स विभाग (आईटी) के अनुसार, 31 मार्च के बाद पैन को आधार से लिंक करने के लिए आपको 1000 रुपये का जुर्माना भरना होगा.

इंश्योरेंस पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में बदलाव

इंश्योरेंस रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीए) ने एक अप्रैल से बीमा पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में बदलाव करने का फैसला किया है. नये नियमों के तहत, अगर पॉलिसी होल्डर तीन साल के भीतर अपनी पॉलिसी सरेंडर करते हैं तो सरेंडर वैल्यू समान या कम होगा, जबकि चार से सात साल के बीच इंश्योरेंस पॉलिसी को सरेंडर करने पर पॉलिसी होल्डर को ज्यादा सरेंडर वैल्यू मिलेगी.

टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के बाद एनपीएस अकाउंट होगा लॉग इन

पेंशन फंड रेगुलेटरी और डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में लॉगइन करने के प्रोसेस में बदलाव करने का ऐलान किया है. नया नियम एक अप्रैल से लागू होगा. नये नियम के तहत, एक अप्रैल से सभी एनपीएस अकाउंट होल्डर्स को टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा. इसके बिना अपना एनपीएस अकाउंट लॉगइन नहीं हो पाएगा. एनपीएस अकाउंट को लॉगइन करने के समय आपके मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा. ओटीपी डालने के बाद ही होल्डर्स अपना अकाउंट लॉग इन कर पायेंगे.

एसबीआई ने डेबिट कार्ड के मेटेनेंस फीस में की वृद्धि

एसबीआई के ग्राहकों को डेबिट कार्ड के मेटेनेंस के लिए एक अप्रैल से ज्यादा फीस देनी होगी. एसबीआई की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, कुछ डेबिट कार्ड के एनुअल मेंटेनेंस फीस में 75 रुपये तक बढ़ोतरी होगी.

विमर्श : अरगोड़ा बस्ती में नागपुरी भाषा परिषद के नए कार्यालय का उद्घाटन

नागपुरी भाषा को सादरी का नाम देना साजिश : पद्मश्री मधु मंसुरी

खास बातें

- डॉ. राम प्रसाद ने कहा कि नागपुरी मानक नाम है
- नागपुरी भाषा परिषद नागपुरी के लिए कृतसंकल्प
- नागपुरी कार्यालय भवन का नाम नागपुरी भवन रखा जाएगा

संवाददाता। रांची

अरगोड़ा बस्ती में कटहल मोड़ रोड स्थित आशाकुंज में रविवार को नागपुरी भाषा परिषद के नए कार्यालय का उद्घाटन हुआ. इस अवसर पर नागपुरी को सादरी नाम से अलग भाषा के रूप में स्थापित करने के प्रयास पर गहन चिंता व्यक्त की गई. नए कार्यालय का उद्घाटन करते हुए पद्मश्री मधुमंसुरी हंसमुख ने कहा कि नागपुरी भाषा परिषद प्रारम्भ से ही नागपुरी भाषा के अस्तित्व को बचाने के लिए कृत संकल्प रहा है. नागपुरी भाषा को कुछ स्वार्थी तत्त्वों द्वारा षड्यंत्र के तहत नागपुरी के पुकारू नाम सादरी को एक अलग भाषा के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है. नागपुरी भाषा को सादरी का नाम देना साजिश है. इसे रोकना होगा . उन्होंने नागपुरी भाषा परिषद से अनुरोध किया कि इस भ्रम को दूर करने के लिए नागपुरी भाषा परिषद की ओर से विभिन्न संस्थाओं एवं विभागों से पत्राचार किया जाय. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राम प्रसाद ने कहा कि नागपुरी मानक नाम है. नागपुरी को सदानों की भाषा होने के कारण सदानी या सादरी कहा गया, किंतु इसकी लोकप्रियता और क्षेत्र विस्तार को देखते हुए इसके नागपुरी नाम को मानक माना गया. इस सत्य को सभी को स्वीकार करना होगा .

डॉ. उमेश नंद तिवारी ने कहा कि नागपुरी नाम आदिवासी और सदानों की एकता का सूचक है, जबकि सदानी और सादरी नाम खास जाति का बोधक है. विद्वानों से विचार विमर्श एवं सरकार की स्वीकृति के बाद ही सादरी एवं सदानी नाम के स्थान पर नागपुरी नाम को मानक नाम माना गया.

डॉ. शकुन्तला मिश्र ने कहा कि सबसे दुखद बात है कि सरकार की ओर से जारी जनगणना अधिसूचना में भी नागपुरी भाषा को सादरी और नागपुरी में बांट दिया गया है. इसे सरकार से सुधारने हेतु पुनः परिषद की ओर से मांग पत्र दिया जायगा. उन्होंने कई प्रमुख संस्थाओं की ओर से सादरी भाषा के नाम से संगोष्ठी आयोजित करने पर भी चिन्ता जाहिर की. डा. सुखदेव साहु ने कहा कि नागपुरी कार्यालय भवन का नाम जल्द ही नागपुरी भवन रखा जायगा. इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों से आए हुए शिक्षक-शिक्षिकाओं ने एकमत से कहा कि विद्यालय में नागपुरी नाम से ही इस विषय की पढ़ाई होती है एवं पद भी नागपुरी नाम से ही सृजित है. अतः नागपुरी नाम ही मानक नाम है. सभी पठन-पाठन सामग्री नागपुरी भाषा में ही उपलब्ध हैं. इस अवसर पर डॉ. अंजूलता कुमारी, मनीष साहू, प्रखर कुमार, धर्मेन्द्र कश्यप, रेणु कश्यप, तबरेज मंसुरी, पंचू साहू, डॉ. रामकुमार उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन पंचू साहू ने किया तथा संचालन डॉ. राम कुमार ने किया.

माता सीता के मंदिर निर्माण को लेकर हुई रामायण रिसर्च काउंसिल की बैठक

संवाददाता। रांची

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद अब माता सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण की तैयारी है. इसके निमित्त रविवार को होटल रेंड्यू, लालपुर में रामायण रिसर्च काउंसिल झारखंड इकाई की बैठक हुई. इसमें काउंसिल के सदस्यों ने मंदिर निर्माण में हरसंभव सहयोग का संकल्प लिया. साथ ही काउंसिल की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गयी, जिसमें काउंसिल के राष्ट्रीय संत संरक्षक मंडल के सदस्य स्वामी दिव्यानंद को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी दी गयी.

मार्गदर्शक मंडल - स्वामी भूतेशानंद, स्वामी परिपूर्णानंद,महंत ओम प्रकाश ,स्वामी कृष्ण चैतन्य, संरक्षक मंडल - पूर्व आईपीएस निर्मला कौर, चंद्रकांत रायपत, सूर्यभान सिंह ए सी ठाकुर, हरि नारायण सिंह, विजय पाठक, चंदन मिश्र, विनय चतुर्वेदी, दिव्यांशु झा, अमरकांत, संजय समर. उपाध्यक्ष - पूर्व आईपीएस राजीव रंजन, डॉ अभिषेक रामाधीन, मुरारी लाल गुप्ता, महामंत्री अमित साहू, अखिलेश पाठक, हरबिंदर सिंह खुराना बॉबी, प्रमोद सारस्वत. मंत्री बिमलेश सिंह, रोहित शारदा, चंद्र प्रकाश धेलिया, प्रेमचंद श्रीवास्तव, लाल पृथ्वी नाथ शाहदेव, सह मंत्री मुरारी मंगल, पं. श्यामानंद पांडे, मुकेश वर्मा, प्रो. मुरारी मेहता मनीष,प्रशांत पोद्दार, विशेष आमंत्रित सदस्य कर्नल एके सिंह, विधि सलाहकार एडवोकेट सुनील कुमार, प्रेस सलाहकार दीपक अम्बष्ठ, मीडिया प्रभारी निलय सिंह, संजय साहू, प्रचार मंत्री राजेश अयान, संदीप मुखर्जी शैंडी को बनाया गया. विशेष कार्यकारिणी समिति में विजय पाठक, दीपेश निराला चंद्रशेखर प्रसाद, ललित चौधरी, मुन्ना सोनी, परमजीत सिंह चाना शामिल किये गये.

सेवा भारती का दो दिवसीय किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

संवाददाता। रांची

सेवा भारती रांची महानगर के तत्वावधान में दो दिवसीय समर्थ किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 31 मार्च को सम्पन्न हुआ. प्रशिक्षण शिविर में शामिल किशोरियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया. मौके पर किशोरी स्वास्थ्य संबंधित जानकारी डॉ गीता मानकी ने दी. सेवा भारती के माध्यम से बस्तियों में किशोरी विकास केंद्र संचालन की योजना बनाई गई. दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के गुरुशरण प्रसाद ने कहा कि किशोरियां देश की धरोहर हैं. सेवा भारती किशोरावस्था से ही शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक क्षमता दृढ़ करने को लेकर किशोरी विकास केंद्र आयाम चलाने का कार्य कर रही हैं. किशोरी विकास केंद्र एक शक्ति का केंद्र है. एक बीज से कई गुना अधिक बीज, पौध तैयार हो जाते हैं. इस तरह से सेवा भारती किशोरी विकास केंद्र के माध्यम से किशोरी विकास व संस्कारित समाज का नवनिर्माण करने को अग्रेसित है.

प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा के समागम का आयोजन

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की रांची समर्पण शाखा के तत्वावधान में रविवार को यहां अग्रसेन भवन में 22 वीं प्रांतीय सभा सह लघु अधिवेशन ''समागम'' का आयोजन किया गया. समागम में झारखण्ड के विभिन्न भागों से करीब 400 से अधिक युवाओं के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्टर, प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, झारखण्ड के पूर्व प्रांतीय अध्यक्षगण, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं युवा साथी समेत समाज के कई सम्मानित सदस्यगण, अभिभावक शामिल हुए. अधिवेशन में झारखण्ड से मारवाड़ी समाज के युवा प्रतिभा को चुनकर उन्हें युवा रतन सम्मान से सम्मानित भी किया गया. यह आयोजन प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता के मार्गदर्शन में प्रांतीय उपाध्यक्ष विनीता सिंघानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) विशाल पाड़िया, प्रांतीय महामंत्री सार्थक अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्वेता भाला के नेतृत्व में किया गया. कार्यक्रम में जन सेवा पोस्टर का विमोचन किया गया.

साथ ही मरुड़ी ऊर्जा के पोस्टर का विमोचन किया गया. कार्यक्रम में सबने अपनी अपनी बात रखी. इस दो दिवसीय अधिवेशन के दूसरे दिन प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें सभी शाखाओं को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया.

हरमू में ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रांची। सुखदेव नगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तस्करों में अभिमन्यु गोप और अजय कच्छप शामिल है. इनके पास से 46 ग्राम ब्राउन शुगर, एक किलो गांजा और दो मोबाइल फोन बरामद किया. एसपी चंदन कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पूरे क्षेत्र में विधि व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अवैध शराब, आग्नेयास्त्र एवं मादक पदार्थ की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि 4-5 ब्राउन शुगर - गांजा की खरीद बिक्री हरमु नदी पुल के पास कर रहा है. सूचना के आधार पर कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम गठित किया गया . टीम ने छापेमारी कर ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करते हुए रंगे हाथ दो लोगों को पकड़ा . जबकि छापेमारी के क्रम में अन्य आरोपित भागने में सफल रहे.

डीएवी स्कूल के शिक्षकों ने जाने कठिन विषय को आसानी से समझाने के तरीके

संवाददाता। रांची

डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति, नई दिल्ली के तत्त्वावधान में डीएवी पब्लिक हेहल में शिक्षकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया. डीएवी स्कूल्स झारखण्ड जोन-बी एवं जोन-''जे'' के 123 शिक्षकों ने कार्यशाला में हिस्सा लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया. सामाजिक विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान एवं शारीरिक शिक्षा के विषयों से चयनित ग्रे एरिया (कठिन क्षेत्र) पर विषय संसाधकों ने शिक्षकों से जरूरी टिप्स साझा किए. कार्यशाला के प्रशिक्षण समन्वयक सह डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल के प्राचार्य एमके सिन्हा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों से सम्यक रूप से वितरित करें. विद्यार्थी ज्ञान पिपासु होते हैं, वे अपने शिक्षकों की ओर आशा भरी निगाहों से देखते हैं.

खास बातें

- डीएवी हेहल में 'क्षमता संवर्धन कार्यशाला' का आयोजन
- झारखंड जोन के 123 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

समाज व राष्ट्र का मुख्य सचेतक होता है शिक्षक : एस के मिश्रा

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल के प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज व राष्ट्र का मुख्य सचेतक होता है. हमारे कंधों पर राष्ट्र को सुयोग्य नागरिक देने का उत्तरदायित्व है. सीखना एक सतत प्रक्रिया है और हम इसे पूर्ण समर्पण और सच्ची निष्ठाभाव से ही ग्रहण कर सकते हैं. विषयों को जटिलता से सरलता की ओर ले जाकर अपनी कक्षाओं में विद्यार्थियों के बीच साझा करें ताकि उनके ज्ञान में उत्तरोतर वृद्धि हो सके. कार्यशाला में विषयवार समन्वयक के तौर पर कमलेश कुमार, डीएवी बरियातु के प्राचार्य तापस घोष, शारीरिक शिक्षा समन्वयक विवेकानंद घोष और गणित समन्वयक के रूप में डीएवी आनंद स्वामी की मुख्य अध्यापिका रोशी वाधवानी उपस्थित थीं.

मधु देवी छावनिका का निधन, शोक

रांची। श्रीकृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की वरिष्ठ सदस्या और समाजसेवी मधु देवी छावनिका नहीं रहीं. शनिवार की रात अकस्मात उनका निधन हो गया. उनके पति निर्मल छावनिका ने बताया कि 15 दिन पूर्व तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. संस्था के राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि मधु देवी और उनके पूरे परिवार के सदस्य संस्था के प्रत्येक कार्यक्रम मे बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे. रविवार को मदगुल हेविटेट, कांके रोड से दिन के 11 बजे शव यात्रा निकाली गयी. हरमू मुक्ति धाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया. परिवार और ईष्ट मित्र सहित पवन पोद्दार, पदम जैन, बसंत मित्तल, प्रमोद सारस्वत, दीपक पोदार, पवन बाजाज, आनंद पसारी, प्रवीण मेवाडा, डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य शवयात्रा में शामिल हुए.

आयोजन साहित्योदय की ओर से डॉ मयंक मुरारी को मिला झारखंड गौरव सम्मान

व्यक्ति की सोच में है जीवन का उत्कर्ष: अशोक प्रियदर्शी

संवाददाता ।नामकुम

व्यक्ति की सोच ही उसे जीवन में उत्कर्ष पर ले जाता है. हमारी सफलता एक दिन का परिणाम नहीं होकर सतत कर्म, लग्न और लक्ष्य के प्रति समर्पण से मिलता है उक्त बातें डा अशोक प्रियदर्शी ने कहीं. वह आज साहित्योदय से सम्मानित चार रचनाकार के सम्मान में बोल रहे थे. यह कार्यक्रम प्रभात प्रकाशन के सभागार में आयोजित किया गया था. यह सम्मान अपनी लेखनी से मानवीय संवेदना के बिम्ब उकेरनेवाले एवं विशिष्ट साधना में संलग्न साहित्यकारों डॉ मयंक मुरारी को सृजनात्मक लेखन, कथा के लिए पंकज मित्र, नाटक व टेली फिल्म के लिए डॉ कुमार संजय और कविता के लिए रश्मि शर्मा के लिए दिया गया.

इस अवसर पर प्रभात खबर के झारखंड हेड, अनुज सिन्हा ने कहा कि लेखन में अपनी प्रतिभा से झारखंड में पहचान बनाना आसान नहीं है. पारिवारिक समस्याओं के बीच सृजनशीलता और विकास के प्रति समर्पण सराहनीय कार्य है. इसमें सम्मान से ऊर्जा और उत्साह मिलता है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में लेखन को समाज उपयोगी और युवा पर केंद्रित बनाना होगा.

सम्मानित होने वाले सृजन कर्मियों ने भी विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन संजय करुणेश और रजनी शर्मा ने किया. प्रभात प्रकाशन के झारखंड हेड राजेश शर्मा ने स्वागत और रत्ना राय ने धन्यवाद ज्ञापन किया. इस अवसर पर डा अभिषेक श्रीवास्तव, हीरा सिंह, आराधना सिंह,अशोक द्विवेदी, दीप्ति भगत, राकेश रमण, वीणा श्रीवास्तव, राजीव थेपड़ा,नंदा पांडेय, सुनील बादल आदि उपस्थित थे.

समाज के प्रति हमारा दायित्व है: डॉ. मयंक मुरारी

प्रदेश के चिंतक डॉ मयंक मुरारी ने कहा है हमारा दायित्व सिर्फ अपने और परिवार तक नहीं है. हमें समाज और देश के प्रति भी जवाबदेह होना होगा. हम जहां है , वही अपने सजग सोच और कर्म से समाज के लिए अपना प्रयास करना चाहिए. समय बहुमूल्य है और जीवन भी निश्चित है. ऐसे में हम अपनी भूमिका को बेहतर नहीं कर पाए, तो इस मानव शरीर धारण करने का मतलब नहीं है. जीवन को उत्कृष्ट बनाने के लिए हमें थोड़ा आध्यात्मिक और थोड़ा सृजनशील होना होगा .सृजनात्मक शिक्षा व्यक्ति को ऐसे अवसर प्रदान कर सकती है कि उसमें अर्न्तनिहित सृजनशीलता प्रस्फुटित होकर जीवन की समस्याओं का समाधान करने तथा नवीन कार्य करने में सहायक होती है. इस क्रिया के उत्पाद हैं तथा मानवीय व्यवहार के प्रत्येक क्षेत्र में यह मानवीय सर्वोत्कृष्टता की पहचान है.

अबुआ झारखंड पार्टी ने एनई होरो की 99वीं जयंती मनाई

संवाददाता ।रांची

अबुआ झारखंड पार्टी के केंद्रीय समिति ने रांची बेथेसदा कंपाउंड सिरोम टोली आवासीय कार्यालय में रविवार को झारखंड गोमके एनई होरो की 99वीं जयंती मनाई गई. मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष रितन रमन होरो ने एनई होरो के जीवन पर प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि झारखंड गोमके ने 1973 में अलग झारखंड राज्य के लिए पहली बार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को स्मार पत्र सौंपा था.

आज की युवा पीढ़ी को जानना चाहिए कि अलग झारखंड राज्य की मांग किसने उठायी. अलग राज्य के लिए होरो साहब का कितना बड़ा योगदान रहा है. अलग राज्य की बुनियाद रखने वाले झारखंड गोमके का यह नारा कि डरो मत शर्म मत करो तथा... संघर्ष करते रहो. केंद्रीय समिति इस वचन से प्रेरणा लेकर झारखंड को एक नया विकसित राज्य बनाने का प्रण लिया. मौके पर अजय टोपनो, निकोदिय लकड़ा, विजय आइंद, राजू वर्मा, राजेंद्र, थामस टोपनो, एस होरो, नेलन होरो, अनुपमा आइंद, मोहित चंपी आदि शामिल थे.

हजरत अली की शहादत की याद में जाफरिया मस्जिद से अलम व ताबूत के साथ निकला मातमी जुलूस

तुम्हारा दोस्त वही है, जो तुम्हारी गलत बातों को तुम्हारे मुंह पर कह दे : तहजीबुल

रेहान अहमद। रांची

हजरत अली की शहादत की याद में तीन दिवसीय मजलिस के अंतिम दिन रविवार को मस्जिद जाफरिया से अलम व ताबूत निकाल गया. जिसमें लोग अपने सीने को पीट रहे थे और रो रो कर हजरत अली को याद कर रहे थे. हजरत अली की शहादत 1400 वर्ष पूर्व रमजान की 21 तारीख को मस्जिदे कुफा में हुई थी. उसी याद में पूरी दुनिया के शिया मुसलमान हजरत अली को याद करते हैं और उनकी शहादत को अंजाम देने वाले इब्ने मुलजिम पर

लानत करते हैं. जुलूस से पूर्व मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने हजरत अली की जीवनी पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि इंसान को अपने परिवार को चलाने के लिए मेहनत से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए. यह हजरत अली का संदेश

खास बातें

- मातमी जुलूस में शामिल लोग सीने पीट कर मना रहे थे शोक
- हाय अली की सदाओं से गूंजता रहा मस्जिद परिसर

है, हजरत अली इतने बड़े इंसान होने के बाद यहूदी के बाग में मजदूरी करने से कभी पीछे नहीं हटे और उन्होंने फरमाया कि तुम्हारा दोस्त वही है, जो तुम्हारी गलत बातों को तुम्हारे मुंह पर कह दे, जो तुम्हारी बुराइयां पीठ पीछे करता है वह तुम्हारा कभी सच्चा दोस्त नहीं हो सकता. ऐसे दोस्तों से हमें दूरी बनाकर रखनी चाहिए, दोस्त अगर अच्छा होता है तो इसकी अजमत लोगों के बीच बढ़ जाती है. इंसान को दोस्ती हमेशा अच्छे लोगों से करनी चाहिए. हजरत अली का जीवन समाज को शिक्षित करने में गुजरा और भाईचारगी को बढ़ावा देना एक सच्चे इंसान की पहचान है. मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने कहा कि धर्म कोई भी बुरा नहीं होता, धर्म में कुछ बुरे लोग आ जाते हैं, जो नफरत पैदा करते हैं, नफरत की दीवार गिराना है, मोहब्बत की दीवार को बढ़ाना है. यही संदेश मेरे मौला का था. मजलिस के बाद हजरत अली की याद में निकाले गए ताबूत को देख कर लोग रोने लगे. पूरा मस्जिद परिसर हाय अली की सदाओं से गूंज रहा था. मजलिस में जमन गाजीपुरी, कासिम अली, आजाद हुसैन ने नोहा पेश किया. मर्सिया खानी आता इमाम, मो इमाम, निहाल हुसैन, अमुद अब्बास ने पेश किया. जुलूस कर्बला चौक स्थित कर्बला मजार पहुंचकर संपन्न हुआ. जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. आयोजन अंजुमन जफरिया की ओर से किया गया.

माह-ए-रमजान

गरीब रोजेदारों को इफ्तार कराना बड़ा सुन्नत : आलम

रांची। रंगसाज मस्जिद लेन निवासी मोख्तार आलम ने कहा कि रोजेदारों को इफ्तार कराना बड़ा सुन्नत है. अपनी हैसियत के हिसाब से रोजेदार और गरीबों को इफ्तार कराना चाहिए. यह अमल अल्लाह के नजदीक बहुत ही उम्दा है, रोजेदार अल्लाह के नेक बंदे होते हैं, रोजेदार का एहतेराम करना सुन्नत है. रमजान के महीने में अल्लाह ताला नेकियों का बदला एक से 70 गुना बढ़ा देता है. इंसान के जिस्म के हर हिस्से का रोजा होता है. हाथ कोई बुरा काम ना करे, पैर गुमराही की ओर न बढ़े, जुबान नशीली चीजों का स्वाद न ले, रमजान का महीना पाकी का महीना है. रोजेदारों को इफ्तार कराना भी बहुत बड़ी नेकी है, जो रोजेदारों को इफ्तार कराता है रिज्क (माल) में बरकत होती है. रोजेदार को इफ्तार कराना और गरीब-बेसहारों की मदद करने से अल्लाह खुश होते हैं और अपने बंदों को इनाम देते हैं. रोजेदार के लिए अल्लाह ताला ईद में कई इनाम रखे हैं. यह इनाम सिर्फ रोजेदारों के लिए है जो रमजान में अल्लाह के लिए नमाज पढ़ी हो. अल्लाह हम सभी को नेक अमल करने की तौफीक अता फरमाए.

नन्हे रोजेदार

आठ साल की अनाबिया ने रखे आठ रोजे

रांची। हरमू निवासी मो आसिफ की आठ साल की बेटी अनाबिया आसिफ बड़ों की तरह रोजा रख रही है. अनाबिया पुंदाग स्थित दारउल अरकम स्कूल में कक्षा पहली में पढ़ती है. वह खुद से सेहरी में उठ जाती है, मना करने के बाद भी रोजा रखने की जिद करती है. हम लोग कहते हैं, थोड़ी बड़ी हो जाओ फिर रखना अभी गर्मी भी बहुत पड़ रही है. पर मानती नहीं और अपनी जिद से आठ रोजे रख लिये हैं. बच्ची के इस जज्बे से दादा, दादी, चाचा, बड़े पापा, फुआ समेत पूरे घर परिवार में खुशी की लहर है. आस पड़ोस एवं दूर के रिश्तेदारों ने अनाबिया के रोजा रखने पर मुबारकबाद दी है. मालूम हो कि ये बच्चे बड़ों के लिए सीख हैं.

डॉ. वीके जगनाणी बोले- सादा भोजन और नियमित व्यायाम का महत्व सर्वोपरि

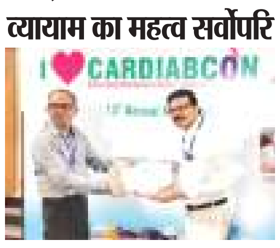

रांची। रांची के हृदय रोग एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. वीके जगनाणी ने कहा कि सादा भोजन और नियमित व्यायाम का महत्व सर्वोपरि है. डॉ. जगणानी ने इस आशय का विचार वाराणसी में आयोजित त्रिदिवसीय कार्डायबकॉन चिकित्सीय सम्मेलन में व्यक्त किया. डॉ. वीके जगनाणी ने पायरोपटोसिस पर व्याख्यान पेश किया. उन्होंने बताया कि हम सभी यह जानते हैं कि मधुमेह में वृक्क रोग होने की संभावना कई गुणा बढ़ जाती है. अनियंत्रित मधुमेह में इस स्थिति की अति हो जाती है. इसकी पहल सीरम क्रिएटिनीन बढ़ने से होती है और रोग मेडिकल रीनल डिजीज (एमआरडी) से क्रॉनिक रीनल डिजीज (सीकेडी) होते हुए अन्ततः एण्ड स्टेज रीनल डिजीज (ईएसआरडी) पर पहुंच जाता है. इस स्थिति में औषधि के साथ रीनल डायलिसिस या वृक्क प्रत्यारोपण (रीनल ट्रांस्प्लाण्ट) करना पड़ता है. नूतन अनुसंधान में यह पाया गया है कि गास्डेमिन के कारण होने वाले इन्फ्लामेशन व फाईब्रोसिस के कारण वृक्क में पायरोपटोसिस होने लगता है. यह भी पाया गया है कि यदि पायरोपटोसिस के किसी भी चरण पर रोक लगा दी जाये तो वृक्क को इन्फ्लामेशन और फाईब्रोसिस से बचाया जा सकता है. निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करना है कि रक्त शर्करा, रक्तचाप व वसा के स्तर को नियंत्रण रखना है. साथ ही सादा भोजन व नियमित व्यायाम का महत्व सर्वोपरि है. यहां बता दें कि पायरोपटोसिस एक विशेष प्रकार का रेगुलेटेड सेल है जो कि अनियंत्रित हो जाता है.

रांची में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईसाइयों का प्रमुख पर्व पास्का

अल्लेलूया के नारों से गूंजा लोयोला मैदान

संवाददाता। रांची

रांची के लोयोला मैदान में ईसाइयों के मुख्य त्योहारों में से एक पास्का पर्व (ईस्टर संडे) हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. महाधर्माध्यक्ष विंसेंट ने पास्का रात्रि जागरण धर्मविधि संपन्न किया. कैथोलिक कलीसिया के हजारों विश्वासी पास्का रात्रि जागरण धर्मविधि में शामिल हुए. इस दौरान मोमबत्तियों की जगमगाहट के साथ लोयोला मैदान अल्लेलूया के नारों से गूंज उठा. इस पास्का रात्रि जागरण के अवसर पर रांची आर्चबिशप विंसेंट आइंद के अलावा फादर आनंद डेविड खलखो, फादर अजय कुमार खलखो, फादर अंजलुस एक्का, फादर विनय केरकेट्टा, फादर जॉर्ज मिंज, फादर बिपिन तोपनो, फादर रेजीनाल्ड, करीब 60 पुरोहितगण और हजारों ख्रीस्त विश्वासी मौजूद रहे.

रांची आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने पास्का रात्रि जागरण धर्मविधि संपन्न किया. पवित्र समारोह का आरंभ आग की अशीष से शुरू हुआ. उस पवित्र आग से पास्का मोमबत्ती जलाया गया. सभी मसीही विश्वासियों ने पास्का मोमबत्ती से अपनी-अपनी मोमबत्ती जलायी. पास्का रात्रि जागरण धर्मविधि के दौरान बारिश होने लगी. इसके बावजूद विश्वासीगण अपनी-अपनी जगह पर डटे रहे.इस समारोह के में पवित्र जल की आशीष हुई. सभी विश्वासियों ने अपने बपतिस्मा प्रतिज्ञा का नवीनीकरण भी किया.

प्रभु के पुनरुत्थान पर विचार करने का क्षण : आर्च बिशप

इस अवसर पर आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने अपने प्रवचन में कहा कि पास्का पर्व के पहले हमने 40 दिनों तक (जिसे लेंट पर्व के रूप में मनाया जाता है) खुद को तैयार किया. वहीं चार दिनों का पवित्र सप्ताह ईसाई समुदाय के लिए विशेष दिन रहा, जिसमें हमने हमारे मुक्ति के रहस्यों में भाग लिया और उस पर मनन चिंतन किया. पवित्र शुक्रवार (गुड फ्राइडे) के दिन हमने प्रभु के दुखभोग और मृत्यु पर मनन चिंतन कर उनके दुखों को समझने का प्रयास किया. अभी का समय हमारे लिए प्रभु के पुनरुत्थान पर विचार करने का क्षण है. अंत में आर्चबिशप विंसेंट आइंद ने सभी को पास्का महोत्सव की बधाई और शुभकामनाएं दी.

विश्वासियों ने पूर्वजों के कब्र पर जलायीं मोमबत्तियां

रांची। राख बुध (लेंट पर्व) से शुरू हुई चालीस दिनों की प्रार्थना व उपवास के पुनरुत्थान का सफर रविवार को पास्का पर्व (ईस्टर संडे) के साथ संपन्न हुआ. सभी गिरजाघरों में प्रभु यीशु के जी उठने का पर्व मनाया गया. इस पर्व पर हजारों की संख्या में विश्वासियों ने अपने पूर्वजों के कब्र को फूलों से सजाया और मोमबत्तियां जलायी. रांची कांटाटोली स्थित कब्रिस्तान और सिरमटोली स्थित जीइएल चर्च कब्रिस्तान में अहले सुबह पुनरुत्थान पर्व पर विशेष आराधना की गयी. अहले सुबह चार बजे जीइएल चर्च विश्वासी कलीसिया प्रोसेशन (धार्मिक जुलूस) के साथ कब्रिस्तान पहुंची. धार्मिक जुलूस के मुख्य उपदेशक मोडरेटर जोहन डांग और संचालक बिशप सिमांत तिर्की थे.

इस अवसर पर मुख्य उपदेशक जोहन डांग ने अपने संदेश में कहा कि यीशु का जी उठना निश्चित था. बाइबल के अनुसार, क्रूस पर यीशु की मृत्यु के बाद जब यीशु का शरीर कब्र में था. यीशु के कब्र के पास मरिया मगदलिनी, चेलो पेतरूश और मगदलिनी ने क्रब का पत्थर खुला देखा. एक जोर की आवाज आयी, जो स्वर्गदूते की थी. "जीवितों को मरे हुए क्यों ढूंढते हो. वह जी उठा है. जैसा लिखा है देखो यीशु मेरा उद्धाकर्ता ठहरा हैं, मैं न मरूंगा वरन जीवित रहूंगा.

धार्मिक जुलूस के रूप में कब्र तक पहुंचे विश्वासी

एनडब्लू जीइएल चर्च के अनुयायी रात ढाई बजे स्मारक पत्थर से प्रोसेशन (धार्मिक जुलूस) के साथ विश्वासी कलीसिया कब्र तक गये. इसके मुख्य संचालन रेव्ह यीशु नासरी मिंज और मुख्य उपदेशक आर्चबिशप राजीव सतीश टोप्पो थे. वहीं बहूबाजार स्थित संत पॉल चर्च के विश्वासी कलीसिया प्रोसेशन कर कब्रिस्तान तक गये और अपने पूर्वजों के कब्र पर मोमबत्तियां जलायीं. मौके पर मुख्य संदेशशमूएल भुईया ने कलीसिया को दिया. रांची के संत मरिया गिरजाघर में प्रातः छह बजे ईस्टर की पहली मिस्सा की गयी. पर्व के पहला उपदेशक फादर विपिन टोपनो थे. उन्होंने कहा कि पुनरुत्थान पर्व सबसे बड़ा पर्व है. यह प्रमाण है कि यीशु जीवित है. यीशु ने मृत्यु पर विजय पायी है. हम सभी विश्वासियों को लोभ, लालच, निंद से संसारिक चीजों में विजय प्रप्त करना है.

न्यूज अपडेट

सोना फिटनेस जोन में लगा रक्तदान शिविर

रांची। सोना फिटनेस जोन की ओर से रविवार को सोना फिटनेस जोन कृष्णा नगर कॉलोनी रातू रोड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें दर्जनों लोगों ने रक्तदान किया. इस संबंध में युग मिढा का कहना है कि संस्था रक्तदान के क्षेत्र में काम कर रही है. इस कार्यक्रम में युग मिढा, सूर्यांशु श्रीवास्तव, सूरज झंडई, चैतन्य स्वानी, अमन घई, संजय मिढा, वंश उपस्थित थे.

धरम दयाल इंटर कॉलेज में पहली वर्षगांठ

रांची। धरम दयाल इंटर कॉलेज की पहली वर्षगांठ मनाई गई. समारोह के मुख्य अतिथि जैक अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार महतो और मारवाड़ी कॉलेज की प्रो स्नेहा प्रभा महतो शामिल रहे. डॉ अनिल कुमार महतो ने कहा कि झारखंड के बच्चे गरीब होने के कारण शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते हैं. यह कॉलेज शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहा है. कॉलेज के प्रिंसिपल संजय कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में होते हुए भी यहां बहुत अच्छी और उच्च शिक्षा दी जाती है. समारोह में कॉलेज के शिक्षक, छात्र सहित अन्य शामिल रहे.

लोहरा समाज की बैठक, कई मुद्दों पर चर्चा

रांची। मोरहाबादी स्थित आक्सीजन पार्क में रविवार को आदिवासी लोहरा समाज की बैठक आयोजित हुई. लोहरा समाज से जुडे.सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की. लोहरा समाज 11अप्रैल को सरहुल शोभायात्रा में मोराहबादी मैदान से अलबर्ट एक्का चौक होते हुए सिरम टोली सरना स्थल के लिए प्रस्थान करेगी. बैठक में केंद्रीय अध्यक्ष ठुमा तिर्की, संरक्षक वीरेंद्र लोहरा, मीडिया प्रभारी संजय लोहरा, प्रखंड अध्यक्ष अनूप लोहरा, राहुल लोहरा, विक्की लोहरा, रंजीत लोहरा, सूरज लोहरा, सारो लोहरा, कृतिका लोहरा,समेत अन्य शामिल थे.

दोनों पैर खो चुके किशोर चौधरी को आर्टिफिशियल पैर लगवाया

संवाददाता। रांची

इनरव्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रांची जिला के तत्वाधान में प्रेसिडेंट माला श्रीवास्तव एवं सेक्रेटरी सोमा भादुड़ी के नेतृत्व में क्लब की पूरी टीम ने एक दिव्यांग की मदद की है. दरअसल, रांची के बरियातू इलाके में रहनेवाले किशोर चौधरी एक दुर्घटना में अपने दोनों पैर खो चुके हैं. पूरे परिवार पर पड़ी इस मुसीबत की घड़ी में इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा की टीम ने मदद का हाथ बढ़ाया. ऑर्थो रेमेडी प्राइवेट लिमिटेड, हरमू केंद्र के द्वारा राजीव रंजन के सहयोग से किशोर चौधरी का आर्टिफिशियल पैर लगवाया गया एवं उनकी पत्नी को रोजगार देने की कोशिश की गई. इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा रांची की पूरी टीम ने इंसानियत के बचे होने का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया.

कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष बने डब्लू मुंडा महासचिव राजेश लकड़ा

रांची। कांके रोड स्थित रॉक गार्डेन सरना स्थल पर रविवार को सरना समिति की बैठक हुई. सरना धर्मावलंबियों की सहमति से डबलू मुंडा को कांके रोड सरना समिति का अध्यक्ष बनाया गया. बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष शशि मुण्डा, महासचिव राजेश लकड़ा, सचिव रंजीत पहान, उपसचिव लखन मुण्डा, उपाध्यक्ष सतीश खलखो, कोषाध्यक्ष प्रदीप मुण्डा, उपकोषाध्यक्ष विकास तिर्की को चुना गया. मौके पर अनिल उरांव, मंगा उरांव, जगरनाथ उरांव, सुरेश टोप्पो, भेले पहान, चिल्गू उरांव, विनय नायक समेत अन्य मौजूद थे.

110 गजलों के संकलन 'धड़कते दिल की खामोशी' का लोकार्पण

संवाददाता। रांची

हिंदी साहित्य भारती, झारखंड की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक में रविवार को डॉ. संगीता नाथ के गजल संग्रह ''धड़कते दिल की खामोशी'' का लोकार्पण हुआ. इस पुस्तक में 110 वैसी गजलों का संकलन है, जो केवल प्रेम पर आधारित ही नहीं, बल्कि समसामयिक विषयों को गहराई से महसूस कराती हैं. बैठक में झारखंड जानेमाने साहित्यकार मौजूद थे. उनमें जमशेदपुर से झारखंड प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अरुण सज्जन, धनबाद से झारखंड प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. संगीता नाथ ''संगीत'', धनबाद महामंत्री डॉ. स्नेहलता, पलामू से प्रांतीय महामंत्री राकेश कुमार, पलामू अध्यक्ष अनुज कुमार पाठक, राम सुंदर दसौंधि, कुमार मनीष अरविंद, डॉ. आकांक्षा चौधरी व संध्या चौधरी उर्वशी रांची से शामिल थे.बैठक में हिन्दी साहित्य भारती के सांगठनिक विस्तार एवं भविष्य के कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की गई. इसमें मार्गदर्शक कुमार मनीष अरविंद ने संगठन के लिए व्यवस्थित रूप से सहायता की. जिसमें विधिवत् तौर पर डॉ. आकांक्षा चौधरी (राँची अध्यक्ष), दिवाकर झा (कोषाध्यक्ष, रांची), डॉ. साकेत पाठक (हज़ारीबाग़ अध्यक्ष), डॉ. अरुण मिश्रा (कोडरमा अध्यक्ष), विजय कुमार ''द्विज'' (गढवा अध्यक्ष), ज्योति चौधरी (लातेहार अध्यक्ष), अनिल कुमार झा (देवघर), जयप्रकाश रजक (चतरा अध्यक्ष), उदयशंकर उपाध्याय (गिरीडीह अध्यक्ष), अनुज पाठक (पलामू अध्यक्ष) के तौर पर नामित और स्वीकृत किए गए. धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. संगीता नाथ 'संगीत' ने किया.

परंपरा झंडा बदली कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में सरना आदिवासियों ने लिया हिस्सा

पहाड़ी मंदिर फांसी टुंगरी में लगा 40 फुट का सरना झंडा

संवाददाता। रांची

पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर फांसी टुंगरी में सरना झंडा बदली कार्यक्रम का आयोजन किया गया. रविवार को इस कार्यक्रम में भारी संख्या में सरना धर्मावालंबियों ने हिस्सा लिया. केंद्रीय सरना समिति के बैनर तले आयोजित इस कार्यक्रम में ढोल-मांदर के साथ सरना धर्मावलंबी शामिल हुए. पहाड़ी टोला अखरा स्थल से एक पैदल मार्च निकाला गया, जो हरमू रोड होते हुए पहाड़ी मंदिर पहुंचा. वहां पर पुराने सरना झंडे को हटाकर पारंपरिक रीति-रिवाज और पूजा-पाठ के साथ नया सरना झंडा लगाया गया.

पहाड़ी मंदिर पुरखों की देन है : बीना एक्का

बीना एक्का ने बताया कि पहाड़ी मंदिर पुरखों के देन है. यह पाहड़ आदिवासीयो की आस्था से जुड़ा है. प्रत्येक मंगलवार को आदिवासी समाज पूजा अर्चना करने आता था, लेकिन आज इस पर कब्जा कर लिया गया है. शांति उरांव ने बताया कि नाग बाबा के स्थान पर मुंडन संस्कार किया जाता था. आस्था के साथ पूजा पाठ होता था. बेटा बेटी चाह रखने वाले पहाड़ी मंदिर में मन्नत मांगने आते थे. उनकी मांग भी पूरी होती थी. नाग देवता को दूध, लावा मिट्टी के घड़ा जल पोरसा जाता था.

नामकुम के मंडल ने भजन-कीर्तन का आयोजन किया

पहाड़ी टोला के पीटर पाहन ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना करायी. नामकुम के मंडल ने भजन-कीर्त्तन का आयोजन किया. जल अर्पित करके नाग देवता से राज्य की खुशहाली की कामना की गयी. इस कार्यक्रम में पहाड़ी टोला, मधुकम, इरगू टोला, पुरानी रांची, महुआ टोली, गंगु टोली, टोनका टोली, हरमू सहित आस-पास के कई टोलों के सरना धर्मी, स्त्री-पुरुष, युवाओं ने हिस्सा लिया. मौके पर केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि पहाड़ी मंदिर से आदिवासियों की गहरी आस्था है. सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक स्थानों को संरक्षित रखना जरूरी है.

राष्ट्र की समृद्धि के लिए हर एक को सुसंस्कृत होना जरूरी : सुखी उरांव

संवाददाता। रांची

'चलो जलाएं दीप वहां, जहां आज भी अंधेरा है' ही हमारा संकल्प हो. इस आशय का विचार जनजातीय शिक्षा समिति के प्रदेश मंत्री सुखी उराव ने व्यक्त किया. वे श्री कृष्ण चंद्र गांधी शैक्षिक नगर कुदलुम, रांची में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र में जनजातीय क्षेत्र के आचार्य बंधु भगिनी को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि राष्ट्र की समृद्धि के लिए समाज की हरेक व्यक्ति को सुसंस्कृत होना आवश्यक है. सुसंस्कृत समाज से ही हमारा राष्ट्र सबल एवं समृद्ध होगा. हम शिक्षकों

का काम समाज के हर एक व्यक्ति को चरित्रवान एवं संस्कृत बनाना है.

विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा कि विद्या भारती के लक्ष्य के अनुरूप हम समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षित कर उसे राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ें.

उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति शिक्षित होगा, तभी हमारा समाज कुरीतियों से मुक्त होगा. उन्होंने कहा कि शिक्षा अपने साथ संस्कार, साधना, भक्ति, आचरण एवं व्यवहार कुशलता लेकर आती है. काय शिक्षा क्षेत्र प्रमुख रथू उरांव , बहादुर टाना भगत प्रांत सह प्रमुख कोमल उरांव, गुरुवा मुण्डा, सुखदेव एक्का, राजेन मुण्डरी, सुसाना कुमारी सहित 200 से अधिक कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं.

बेड़ो के बारीडीह एवं कोनभीठा गांव में आंधी से भारी तबाही, बिजली गुल, ग्रामीण परेशान

घरों के ऊपर गिरे पेड़,कई बिजली के खंभे धराशायी

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड के बारीडीह एवं केनाभिट्ठा गांव में शनिवार की रात लगभग 11 बजे बारिश के बीच भीषण आंधी की चपेट में आकर कई पेड़ गिरे, बिजली का खंभा ध्वस्त हो गया. इससे लाखों का नुक़सान उठाना पड़ा है. बेड़ो थाना क्षेत्र के बारीडीह गांव में मेधा दुग्ध उत्पादन केंद्र में एक विशालकाय आम का पेड़ गिर जाने से दुग्ध उत्पादन मशीन, लैपटॉप, आलमारी, बाईक सहित दर्जनों प्रकार के सामान क्षतिग्रस्त हो गए. डेयरी के अंदर सो रहे डेयरी के संचालक संजय गोप के बाएं हाथ में चोट लगी है. पेड़ ऐसा गिरा कि घर की दिवार क्षतिग्रस्त हो गई और छप्पर उजड़ गया. वहीं दूसरी ओर इसी गांव में बिजली का एक खंभा टुटकर गिर गया. जिससे विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई. घटना की सूचना मिलने पर सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय, मुखिया सुशांति भगत तथा मेधा डेयरी की पर्यवेक्षिका विनिता कुमारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया. इस संबंध में सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय ने अंचलाधिकारी प्रताप मिंज को घटना की जानकारी देते हुए भुक्तभोगी संजय गोप को मुआवजा देने की मांग की. वहीं दूसरी ओर बेड़ो थाना क्षेत्र के केनाभिट्ठा गांव में एक साथ तीन बिजली के खंभे धराशायी हो गया और 11 हजार वोल्ट के तार भी टूटकर गिर गए . केनाभिट्ठा निवासी मुस्लिम अंसारी के घर पर एक पेड़ गिर गया जिससे मुस्लिम अंसारी को काफी नुकसान उठाना पड़ा है. बिजली के खंभों के गिरने से विद्युत आपूर्ति 12 तक लगातार ठप्प हो गई थी.

कथकुंवारी बरटोली में मुर्गी फार्म के छत पर पेड़ की डाली गिरी

लापुंग। लापुंग प्रखंड के कथकुंवारी बरटोली में बारिश के साथ आयी भीषण आंधी की चपेट में आकर रामलखन साहु पिता स्वर्गीय रोली साहु का मुर्गी फार्म का एस्बेस्टस उजड़ गया . तेज आंधी की चपेट में आने से घर के छत के ऊपर कोयनार के पेड़ की डाली गिरी . जिससे भारी नुकसान उठाना पड़ा . घर में रखे सामान सहित कई चीजें बर्बाद हो गई और दर्जनों मुर्गियों की मौत हो गई . घटना की सूचना मिलते ही हुलसू पंचायत के उप मुखिया सह समाजसेवी अरविंद सिंह रामलखन साहु के घर में पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया . रामलखन के भाई राजकुमार साहु ने बताया कि घटना में परिवार को हजारों का नुक़सान उठाना पड़ा है . बाद में स्थानीय मुखिया भी गांव पहुंचे और भुक्तभोगी परिवार से मिले . अरविंद सिंह ने लापुंग के अंचलाधिकारी से प्राकृतिक आपदा राहत कोष से मुआवजा की भुगतान करने की मांग की है . उल्लेखनीय है कि पिछले 25 मार्च को भी आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचायी थी . वहीं दूसरी ओर देवगांव पंचायत के सरसा जंगल में कमडारा बेडो.भाया लापुंग 33 हजार वोल्ट लाईन पर तेज आंधी से पेड़ की डाल गिरने से तार टूटकर गिर गया .

न्यूज अपडेट

मसीही विश्वासियों ने कब्र पर आस्था के फूल चढ़ाए

इटकी। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को मसीही धर्मावलंबियों के लिए प्रभु यीशु का पुनरुत्थान का पर्व ईस्टर पूरे विश्वास और आस्था के साथ मनाया गया. मौके पर कब्रिस्तानों में मृत परिजनों के कब्रों पर आस्था के फूल चढ़ाए गए व उनकी याद में मोमबत्तियां जलाई गई. मौके पर विशेष आराधना सभा भी किया गया. खोरखटोली स्थित कब्रिस्तान में आयोजित विशेष आराधना सभा में बिलसी कंडूलना ने मसीही विश्वासियों को संदेश देते हुए कहा की प्रभु यीशु का तीन दिन बाद जी उठने की घटना पूरे मानव जाति के लिए जीत है. यही जीत मसीही विश्वासियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है. इधर सीएनआई चर्च में आयोजित आराधना सभा में सहायक पादरी जे तिर्की ने प्रभु के पुनरुत्थान की चर्चा की. कार्यक्रम में सीएनआई के मुख्य पादरी एन कंडूलना, एनडब्ल्यूजीईएल के कंदीदात् अनमोल बेक, प्रीतम खलखो, आशा खलखो, जैतून तिर्की, बिनय कच्छप, मनोरंजन मिंज, सुनीता खलखो, आराधना तिग्गा, अर्चना सपना तिग्गा सहित सैकड़ों मसीही परिवार शामिल थे.

दुलमी में हरिनाम संकीर्तन में जुटी लोगों की भीड़

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र अंतर्गत दुलमी पंचायत के दुलमी गांव में तीन दिवसीय श्री श्री अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया गया. इस आयोजन में स्वर्ण रेखा नदी से पंडित के द्वारा पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करके कलश में जल भरा गया एवं कलश को श्री राधे राधे के जयकारे लगाते हुए बाजे गाजे के साथ मन्दिर लाया गया जहां पूरे विधि विधान के साथ कलश स्थापित किया गया एवं कलश स्थापना के साथ श्री श्री अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रारंभ हुआ. काफी संख्या में महिलाओं एवं पुरुषों ने कलश यात्रा में भाग लिया एवं पूरा दुलमी ग्राम हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण, राधे राधे के जयकारों से गुंजयमान हो गया.इधर बोंगादार गांव में पूरे हर्षोल्लास के साथ पंडित के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करके कलश स्थापना किया गया.

रामनवमी सह वीर बजरंग मेला को लेकर बैठक

ओरमांझी। रामनवमी सह वीरबजरंग मेला समिति बारीडीह का बैठक रविवार को पुर्व मुखिया मानकी राजेन्द्र साही की अध्यक्षता मे रामजानकी मंदिर प्रांगण में हुई. बैठक में रामनवमी को शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ सम्पन्न कराने फर विचार विमर्श किया गया. बैठक में नयी समिति का गठन और शिवरात्रि पुजा का आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया. बैठक में रामनवमी के अवसर पर ओरमांझी मे लगने वाले झंडा मिलन सह अस्त्रशस्त्र चालन प्रतियोगिता मे आकर्षक और भव्य जुलूस के साथ राम भक्त जाएंगे. नयी समिति में संरक्षक ग्राम प्रधान मानकी जयनारायण सिंह, तिरतु महतो, रामाकांत महतो, विशेश्वर महतो का चयन किया गया है. अध्यक्ष मानकी राजेन्द्र साही, उपाध्यक्ष सोहराई महतो, शिवचरण नायक, विन्देश्वर महतो, विजय महतो, सालिक हेम्ब्रोम आदि थे.

अखंड कीर्तन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ

सोनाहातू। तेंतला गांव के राधेग्राम में आयोजित नवकुंज अखंड हरिनाम कीर्तन के जागरण की रात श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही. दूरदराज के लोग राधेग्राम पहुंच कर स्थापित राधाकृष्ण के प्रतिमा पर श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर रहे है. 60 कीर्तन मंडली के द्वारा नो हरि मंदिर में एक साथ कीर्तन किया जा रहा है. जागरण की रात विधायक सुदेश महतो उपस्थित होकर राधा कृष्ण के प्रतिमा पर आस्था के शीश नवाये. मंदिर के पुजारी के द्वारा विधायक को पूजा कराये गये.आयोजन समिति के अध्यक्ष विदेशी महतो,महादेव महतो,भूपेन भगत,भजोहरी महतो ,रामदास राय, शुभम सिंह मानकी, मनोज मुंडा,आदि विधि व्यवस्था में लगे है.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का लोगों ने उठाया आनंद

सोनाहातू। प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के तिलाईपिड़ी गांव में रविवार को झूमर गीत, पाता नाच,मुर्गा लड़ाई एवं रात्रि में छऊ नृत्य का आयोजन किया गया है.कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी अमीयरतन मुखर्जी, कामेश्वर महतो, अरुण मांझी,अवधेश महतो,ने विधिवत फीता काटकर किया. झूमर शिल्पी जुनून रशिका ग्रुप के झूमर सम्राट रंजीत महतो, सुरेश कुमार और झूमर शिल्पी एजे लीपनी, सुनीता राना मनोहरपुर के कलाकार अपने कला का प्रदर्शन किया. छऊ नृत्य उस्ताद सनत महतो ओर रासबिहारी की टीम ने कला का प्रदर्शन किया .

रामटहल के आने से इंडिया गठबंधन मजबूत हुआ : साकिर

ओरमांझी। झामुमो पार्टी के प्रखण्ड युवा मोर्चा के अध्यक्ष सह समाजसेवी साकिर अंसारी ने दड़दाग स्थित आवास पहुंचकर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर बुके व माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया. प्रखंड अध्यक्ष साकिर अंसारी ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को जबरदस्त मजबूती मिली है. लोकसभा सीट पर अब कांग्रेस पार्टी सह इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार की जीत का रास्ता भी तय हो गया है. उन्होंने कहा कि झारखंड के माटी के सपूत और आने वाले समय में पूरे राज्य स्तर पर इंडिया गठबंधन को इसका लाभ मिलेगा. इनके कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं इंडिया गठबंधन में उत्साह का माहौल है. बधाई देने वालों में सज्जाद अंसारी साबिर अंसारी आदिल रशीद, सत्तार अंसारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

इटकी में दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

इटकी। इटकी गुलजार रोड स्थित दर्सगाह इस्लामी में जमात-ए-हिंद की ओर से रविवार को दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया. इफ्तार पार्टी में सैकड़ों रोजेदारों ने भाग लिया. इफ्तार के बाद मगरिब की नमाज अदा की और देश की एकता अखंडता, भाईचारे व खुशहाली की सामूहिक दुआ मांगी. दावत-ए- इफ्तार में हाजी मुर्शीद आलम, नुरुल हक, हाजी मुस्ताक अहमद, अंजुम जमाल, कौसर आलम, मो इरफान, नदीम सहित सैकड़ों रोजेदार शामिल हुए थे.

सरहुल मिलन समारोह के आयोजन को लेकर हुई बैठक

सिल्ली/मुरी। 21 अप्रैल को सरहुल मिलन समारोह मनाने को लेकर रविवार को कुसुम टीकरा स्कूल मैदान में बैठक हुई. बैठक में सर्व समिति से मिलन समारोह को सफल बनाने हेतु कमेटी का गठन भी किया गया. जिसमें संरक्षक जितेंद्र बडाईक, पूर्व मुखिया धनेश्वर बेदिया, आजसू के प्रखंड अध्यक्ष अनिल कुमार मांझी, गुरुपद माझी, भोला मांझी, सीताराम मांझी, अध्यक्ष गोपाल सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष हरिपद मांझी, सचिव सोमरा मांझी, उपसचिव रुपेश सिंह मुंडा, कोषाध्यक्ष गुहीराम मांझी,को सर्व समिति से चयन किया गया. मौके पर दर्जनों ग्रामवासी मौजूद रहे.

श्री श्री महावीर मंडल उरुगुट्टू की हुई बैठक

बुढ़मू। श्री श्री महावीर मंडल उरुगुट्टू की बैठक रविवार को रामकिशोर गिरि की अध्यक्षता में हुई. बैठक में रामनवमी के अवसर पर आगामी 21 अप्रैल को उरुगुट्टू बाजारटांड़ में अस्त्र शस्त्र प्रतियोगिता सह मेला आयोजित करने का निर्णय लिया गया. कार्यक्रम की सफलता को लेकर एक कमेटी का भी गठन किया गया. जिसमें अध्यक्ष लाल अमन शाहदेव,सचिव कृष्णा महतो, कोषाध्यक्ष प्रेमप्रकाश सिंह बनाये गये. कमेटी में संरक्षक रामप्रसाद महतो, चंद्र कांत गिरि, लाल मृतुन्जय नाथ शाहदेव, जलेश्वर महतो, मनोज महतो चुने गये.

कोचिंग सेंटर में बच्चों को मिलेगा बेहतर शिक्षा : भुवनेश्वर महतो

राहे। झारखंड सामाजिक कल्याण संस्थान के द्वारा चुतरूडीह, राहे में कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए स्वामी विवेकानंद कोचिंग सेंटर का उद्घाटन संस्था के सचिव भुवनेश्वर महतो के द्वारा विधिवत रुप से किया. इस अवसर पर लोगो को संबोधित करते हुए भुवनेश्वर महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में इस सेंटर के माध्यम से चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व का विकास, सामाजिक कर्तव्यों का पालन, कौशल की उन्नति के अवसर पर जोर दिया जायेगा. मौके पर भृगुराम लोहरा, सुशील कुमार महतो, दिनेश महतो, जगत महतो समेत काफी संख्या में बच्चो के अभिभावक मौजूद थे.

इटकी में 14 घंटे बाद बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से बहाल

इटकी। प्रखंड क्षेत्र में 14 घंटे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल की गई. शनिवार को रात लगभग 11 बजे बिजली जाने के बाद रविवार को लगभग एक बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गई. बिजली जाने से क्षेत्र में पानी की समस्या साथ अन्य समस्या उत्पन्न हो गई विशेष कर महिलाओं को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा. मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात अचानक तेज हवा और तूफान चलने और गर्जन होने की वजह से 33 हजार लाइन में खराबी आने के बाद बिजली चली गई थी . रविवार को लाइन में आई खराबी को दूर करके 1 बजे बिजली आपूर्ति बहाल की गई.

पिठौरिया में पीएलएफआई का उग्रवादी सूरज महतो गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

राजधानी की पिठौरिया थाना पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य सूरज महतो उर्फ सूरज गोप को गिरफ्तार किया है. इसके पास से एक पिस्टल, दो लोडेड मैगजीन, 10 गोली, दो मोबाइल फोन, 10 उग्रवादी पर्चा, एक बैग, वाहन रजिस्ट्रेशन कार्ड, पैन कार्ड और आधार कार्ड बरामद हुआ है. इसके अन्य तीन सहयोगी रात तथा जंगली क्षेत्र होने का लाभ उठाकर भाग गये. एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रंगदारी के लिए क्रशर में आगजनी मामले का खुलासा करते हुए एक पीएलएफआई उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने बताया कि पिठौरिया थाना क्षेत्र में पीएलएफआई उग्रवादियों के जरिये घटना को अंजाम दिये जाने की सूचना प्राप्त हुई. ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में क्यूआरटी टीम को शामिल करते हुए पिठौरिया थाना के मुरैठा से उग्रवादी सूरज महतो उर्फ सूरज गोप को गिरफ्तार किया गया. वह रातू थाना चिलदाग का रहने वाला है.

गिरफ्तार उग्रवादी ने पूछताछ में मुरैठा में आपराधिक सहयोगियों में कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान, रंजन महतो उर्फ रंजन गोप, बब्लु गंझू के उपस्थित रहने की बात बतायी. उसने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वह प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य है. वह एरिया कमांडर कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के नेतृत्व में उग्रवादी घटनाओं में शामिल रहा है.

10 लाख की रंगदारी मांगी थी : गिरफ्तार उग्रवादी ने बताया कि एक मार्च की रात को सांगा गांव स्थित हकीम अंसारी के स्टोन क्रशर प्लांट में आगजनी की घटना कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के नेतृत्व में किया गया था. इस घटना में वह भी शामिल था. क्रशर मालिक से कृष्णा यादव के जरिये दस लाख रुपये लेवी की मांग की गई थी, जिसे नहीं देने पर आगजनी की घटना में क्रशर प्लांट में खड़े हाइवा वाहन, लोडर एवं जेनरेटर में आग लगा दिया गया था. एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं.

मैथन में 36.4 किलो चांदी के साथ तीन लोग धराये

धनबाद। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड-पश्चिम बंगाल बॉर्डर पर मैथन पुलिस द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. इस दौरान रविवार की शाम बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने एक स्विफ्ट कार (डब्ल्यू बी 12बीएम 5390) से 36.4 किलोग्राम चांदी जब्त किया है. कार में सवार प्रदीप मंडल, संजू नासकर एवं विक्रमजीत राय तीन लोगों को पकड़कर पुलिस थाने लाई है. जहां उनसे चांदी के संबंध में पूछताछ कर रही है. हिरासत में लिये गये लोगों ने पूछताछ में बताया कि चांदी कोलकाता से हजारीबाग ले जाया जा रहा था. पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिये गये लोगों से पूछताछ करने और जांच-पड़ताल करने के बाद कार्रवाई की जाएगी. मालूम हो कि मैथन पुलिस ने पिछले दिनों चेकपोस्ट पर वाहनों से 14.19 लाख रुपये और भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त किया है.

पुलिस टीम में ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, डीएसपी अमर कुमार पांडेय, गौतम कुमार राय, सत्यदेव प्रसाद, मो मोबिन और एसएसपी की क्यूआरटी टीम शामिल थी.

डीएवी स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन

पिपरवार। डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में कक्षा तृतीय से लेकर एकादशी तक के छात्र-छात्राओं द्वारा वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जाने पर विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया . इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन झा ने किया . समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राओ के द्वारा वार्षिक परीक्षा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किए जाने का कार्यक्रम प्रतिवर्ष किया जाता है जिस विद्यालय के छात्रअनेक क्षेत्रों मेंमेहनत और लगन से शिक्षा ग्रहण कर मुकाम हासिल कर सके .

डीएवी बचरा में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा के प्राचार्य राजीव रंजन झा की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को किया गया . इस विदाई सह सम्मान समारोह के दौरान नवनियुक्त प्राचार्य आर बी प्रसाद को पूर्व प्राचार्य राजीव रंजन झा के द्वारा पदभार सौपा गया.विदाई सह सम्मान समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षको के द्वारा से सेवानिवृत होने वाले प्राचार्य राजीव रंजन झा को विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा माला पहनाकर अंगवस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया . इस समारोह में मुख्य रूप से नवनियुक्त प्राचार्य आर बी प्रसाद ,एके घोष,प्रेम सागर, आर आर दत्ता, ओ पी यादव, केएन पाण्डेय, आमा खन्ना, सुदीप्ता डे, निरमा पाठक, अनिता सोनी, एस भट्टाचार्य, पी के मिश्रा,सौरभ सिंह, सुरेश कुमार आदि शिक्षक शिक्षिका सहित अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं काफी संख्या में उपस्थित थे.

विक्रम हाजरा की गायकी में गोता लगाते रहे श्रद्धालु

संवाददाता। रांची

गुरुनानक स्कूल, पीपी कंपाउंड का सभागार रविवार को सद्गुरु प्रसिद्ध संत श्रीश्रीरविशंकर और ईश्वर की भक्ति से सराबोर रहा. यहां आर्ट ऑफ़ लिविंग झारखंड चैप्टर की ओर से भजन संध्या सॉग फार द सोल का खास आयोजन किया गया. इसमें एओएल के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त कलाकार विक्रम हाजरा ने ईश्वर और गुरु भक्ति में एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर सब को झुमाया. शाम छह से रात साढ़े आठ बजे तक सभी भक्ति के महासागर में गोता लगाते रहे. इस बीच विक्रम हाजरा लोक संगीत, पारंपरिक मंत्रों और प्राचीन दर्शन को इलेक्ट्रिक गिटार के साथ अपने मधुर स्वर से संगीत में पिरोते रहे. सुरता को करनो है व्याह ... भजन पेश कर विक्रम ने कबीर के परम शिष्य की भावना को संगीत के माध्यम से जीवंत कर दिया. कौन कहते हैं भगवान आते नहीं ... और नारायण नारायण ... जैसे भजन प्रस्तुत कर समा बांध दिया. एओएल के वरिष्ठ प्रशिक्षक प्रवीण कुमार, सर्मिष्ठा, राकेश भ्रमर, प्रो डेविड, प्रो जुथिका, सविता, पीएन सिंह, संगीता, निखिल, सोनाराम, सुमिता, ऋषि, बेबी, रामचंद्र बरनवाल, सहेंद्र सिन्हा, रविंद्र, रोशनी खलको, निधि गर्ग, टुलू सरकार आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

सिल्ली में विविध प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रविवार के दिन शहीद दिलीप बेदिया अकादमी के द्वारा पुरुष वर्ग के लिए 5 किमी का मैराथन दौड़ एवं महिला वर्ग के लिए तीन किमी का मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया . पुरुष वर्ग में प्रथम रसिक चंद्र हेसा (चाईबासा) द्वितीय विनोद करमाली (गोला) तृतीय बालेश्वर बेदिया एवं महिला वर्ग में प्रथम लक्ष्मी कुमारी (हडाबेरा) द्वितीय खुशी कुमारी (गोला) तृतीय शंकशी कुमारी ने सफलता प्राप्त किया. इसी क्रम में लड़कियों के लिए 100 मीटर का दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम सोनका कुमारी (बनुआडीह) द्वितीय मंदाभी कुमारी (रामपुर) तृतीय रीया कुमारी (चारलू), 200 मीटर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सरस्वती कुमारी (मेदिनी), द्वितीय अंजली कुमारी (रांची), तृतीय रीता कुमारी ने सफलता प्राप्त की. 400 मीटर की प्रतियोगिता में खुशी कुमारी (गोला), द्वितीय लक्ष्मी कुमारी एवं तृतीय सोनिका कुमारी ने सफलता प्राप्त की.

खास बातें

- पांच किमी का मैराथन दौड़ रसिक चंद्र हेसा ने जीता
- तीन किमी महिला मैराथन में लक्ष्मी कुमारी ने बाजी मारी

800 मीटर की दौड़ में प्रथम संकरी कुमारी, द्वितीय सुचिता कुमारी, तृतीय रीता कुमारी ने सफलता प्राप्त की. लड़कों के लिए 100 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीरबल बेदिया (कुसुमटीकरा), द्वितीय आयन बेदिया, तृतीय वासुदेव वेदिया (दुमका हरीडीह) 200 मीटर की दौड़ में प्रथम राणा कुमार (बुंडू), द्वितीय मनीष कालिंदी (हलमाद), तृतीय संजय बेदिया (गोराडीह), 400 मीटर की दौड़ में रोहित कुमार (रांची), द्वितीय दिनेश बेदिया (रांची), तृतीय निर्मल कुमार (रांची), 800 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम राम महली (बुंडू), द्वितीय सिदाम बेदिया (महुआ टुगड़ी), तृतीय देवराज पटेल (रामगढ़), ने सफलता हासिल किया. अकादमी की ओर से बताया गया कि सभी सफल प्रतिभागियों को 4 अप्रैल को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा. आज के कार्यक्रम में समीर आयुबी, सुनील बेदिया का सराहनीय योगदान रहा.

तैयारी | महादानी मंदिर परिसर में श्री रामनवमी पूजा महासमिति की हुई बैठक

रामनवमी शोभायात्रा में सामाजिक समरसता की झलक दिखेगी : मनोज

संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड में इस वर्ष रामनवमी पूजा एवं रामनवमी के मौके पर भव्य एवं विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी. यह निर्णय रविवार को मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक महादानी मंदिर परिसर में आयोजित श्री रामनवमी पूजा महासमिति की बैठक के दौरान श्री रामनवमी पूजा महासमिति की नई कमेटी ने लिया है. बैठक के दौरान पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया जिसमे सर्व सम्मति से बेड़ो रामनवमी पूजा महासमिति का अध्यक्ष राकेश भगत को बनाया गया. वहीं कार्यकारी अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी कृष्णा गोप यादव को दी गई. समिति में उपाध्यक्ष के रूप में सुरेंद्र महतो, शशि गोप अशोक महतो, कैलाश महतो, चरवा उरांव, लक्ष्मी गुप्ता, आशीष महतो को बनाया गया. वहीं सचिव के रुप में विश्वनाथ गोप, सह सचिव के रुप में हरिचरण महतो, कोषाध्यक्ष के रूप में मुकेश कुमार राय तथा सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी मनोज बड़ाईक को दी गई. संगठन सचिव सुरजीत भगत तथा सह संगठन सचिव का दायित्व अंकित कुमार सोनी को दी गई. मिडिया प्रभारी की जिम्मेवारी रवि सिंह*व एवं विकास कुमार बंटी को दी गई. कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में अशोक गोप, विकास सोनी, परशुराम साहु, मुकेश गोप, प्रेम महतो, शिवेंद्र सौरभ तथा कमेटी में संरक्षक के रूप में डॉ. प्रवीण चंद्रा, महावीर गोप, डॉ. एस.पी.साहू, वाणी कुमार राय, राजेंद्र साहू रौनियार, रवींद्र वर्मा, मुन्ना बड़ाईक, धनंजय कुमार राय, जगन्नाथ भगत, नकुल राम महथा, मनोज लकड़ा, मनोज भगत, नवदीप महतो, सुरेंद्र यादव, उमेश महतो, परना महतो, राम बड़ाईक, राजेश प्रसाद, रंजीत खत्री, सोमा नायक, डॉ रमेश गुप्ता, मुकेश कुमार एवं रवि केशरी को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी गई. इस मौके पर रामनवमी पूजा आयोजन समिति के संरक्षक मनोज लकड़ा ने कहा कि रामनवमी और सरहुल पर्व का आयोजन सरना एवं सनातन एक साथ करें ताकि समाज में अभूतपूर्व एकता अखंडता एवं सामाजिक समरसता दिखाई दे. वहीं

खास बातें

- श्री रामनवमी पूजा आयोजन महासमिति का पुनर्गठन ,राकेश भगत बने अध्यक्ष
- कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेवारी कृष्णा गोप को सौंपी गई

नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश भगत ने कहा कि सरहुल पूर्व संध्या के दिन कार्यक्रम के दौरान सरना एव सनातन की समन्वय तथा सामूहिकता की झलक दिखाई देनी चाहिए. समिति के लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जिस तरह रामनवमी पूजा की बड़ी जिम्मेवारी दिवंगत मुन्ना उर्फ मुन्नु भगत निभाते आए थे उसी परंपरा को आगे भी बढाया जाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाग्य का साथ मिलेगा. कार्य के प्रभाव से धन प्राप्ति सुगम होगी. वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है. परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा.

वृषभ मानसिक तनाव हो सकता है. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक है. पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है. विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगा. इतर दान करें.

मिथुन लाभ के अवसर मिलेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है. आर्थिक उन्नति होगी. सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे. अन्न का दान करें.

कर्क पेट मे कोई कष्ट हो सकता है. लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें. संतान की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी. कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है. वाद-विवाद से दूर रहें.

सिंह यात्रा से मन में प्रसन्नता रहेगी. कर्म के प्रभाव से धनार्जन होगा. सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा. पुरुषार्थ सफल होगा. वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए. व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे.

कन्या शिक्षा में सुधार होगा, पर वाणी पर नियंत्रण रखें. आत्मसम्मान बना रहेगा. सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे. पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी. जोखिम के कार्यों से दूर रहें. अनार का दान करें.

तुला किसी से विवाद हो सकता है. मान-सम्मान में कमी होगी. पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. किसी से बहस न करें. काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं.

वृश्चिक किसी परिचित का कोई दुःखद समाचार मिल सकता है. दौड़धूप अधिक होगी. वाणी पर संयम रखें. विरोधियों से सावधान रहें. परिवार की परेशानी का हल संभव है. भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी. शिव मंदिर में पूजा अर्चना करें.

धनु बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. कार्य होने से मन में प्रसन्नता रहेगी. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं. नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे. धन का संग्रह होगा. सब्जी का दान करें.

मकर उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. संतान की प्रगति होगी. व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा. पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी. मन प्रफुल्लित रहेगा.

कुंभ खर्च में वृद्धि होगी. दूर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. इसके प्रभाव से प्रसन्नता रहेगी. संतान के संबंध में संतोष रहेगा. व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा. शनि को बल दें.

मीन संतान से लाभ मिलेगा. आय के लिए दिन अच्छा है. पर जोखिम व जमानत के कार्य टालें. खर्च का बोझ बढ़ेगा. किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें. व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है.

न्युवोको को मजबूत बनाने में जोजोबेड़ा सीमेंट प्लांट की भूमिका महत्वपूर्णः प्रबंध निदेशक

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

देश के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह और पूर्वी भारत की प्रमुख कंपनी न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड रविवार को अपने जोजोबेड़ा सीमेंट प्लांट (जेसीपी) की 30वीं वर्षगांठ मनायी. 1994 में अपनी स्थापना के बाद से जेसीपी का उत्पादन तेजी से बढ़ा है और यह कंपनी न्युवोको की सफलता की कहानी में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखती है. इस अवसर पर न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जयकुमार कृष्णास्वामी ने कहा कि जोजोबेड़ा सीमेंट प्लांट की 30वीं वर्षगांठ का जश्न एक्सीलेंस और इनोवेशन के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है. पूर्वी भारत में एक अग्रणी निर्माण सामग्री कंपनी के रूप में जेसीपी प्रमुख पूर्वी राज्यों में न्युवोको की स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण है. प्लांट विविध बाजारों में सेवा प्रदान करते हुए कॉन्क्रीटो, कॉन्क्रीटो यूएनओ, ड्यूरागार्ड और डबल बुल जैसे प्रीमियम और हाई क्वालिटी ब्रांडों का एक विस्तृत स्पेक्ट्रम भी बनाता है.

जेसीपी और इसके कर्मचारियों की क्षमता उत्साहित करती है : इस अवसर पर ईस्ट क्लस्टर मैन्युफैक्चरिंग के हेड उमा सूर्यम बोला ने कहा कि हम आज एक्सीलेंस के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, लेकिन हमारा ध्यान दृढ़ता से भविष्य पर केंद्रित है. हमारे कार्यक्रम का मंत्र '30 का जश्न" और 'आगामी 30 की महत्वाकांक्षा' प्रगति और उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों की ओर हमारी दृढ़ संकल्पना को प्रतिबिंबित करता है. जेसीपी और इसके कर्मचारियों की क्षमता वास्तव में मुझे उत्साहित करती है. हम सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे और आने वाले वर्षों में इस प्लांट को इंडस्ट्री में अग्रणी बनाएंगे. जैसा कि न्युवोको विस्टास इस महत्वपूर्ण मील के पत्थर का जश्न मना रहा है.

शुभम संदेश और लगातार.इन की पहल : क्या कहते हैं फर्स्ट टाइम वोटर...

देश का विकास व युवाओं का भविष्य उज्जवल हो

पियूष गौतम। रांची

लोकसभा 2024 चुनाव का बिगुल बज चुका है. झारखंड में 22,33,738 युवा लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट करेंगे, जिनमें 10,93,718 पुरुष, 11,39,960 महिला और 60 ट्रांस जेंडर शामिल हैं. आम चुनाव को लेकर राज्य के फर्स्ट टाइम वोटरों में जबरदस्त उत्साह है. एक-तरफ अलग-अलग राजनीतिक

पार्टियां युवा मतदाताओं को रिझाने की कवायद में जुट गई हैं, तो वहीं दूसरी तरफ 18 या इससे अधिक वर्ष के युवा मतदाता देश व राज्य के विकास और अपने उज्जवल भविष्य को लेकर 2024 के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की सोच रहे हैं. युवा वोटरों की क्या है राय. फर्स्ट टाइम वोटर के तौर किस मुद्दे पर करेंगे अपना पहला मतदान. आइए जानते हैं.

पेपर लीक बंद हो, ईमानदारी पूर्वक परीक्षा ली जाए : अशोक राम

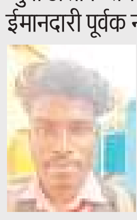

युवा अशोक राम ने बताया कि राज्य में कोई भी परीक्षा ईमानदारी पूर्वक नहीं हो रही है. कभी जेएसएससी परीक्षा का पेपर लीक हो जात है, तो कभी जेपीएससी परीक्षा का. यह सब बंद होना चाहिए. ईमानदारी पूर्वक परीक्षा ली जानी चाहिए. परीक्षा के परिणाम उसी के पक्ष में आने चाहिए, जो इसके हकदार हैं. प्रतियोगिता परीक्षा में किसी तरह की बगलिंग नहीं होनी चाहिए. कोशिश हो कि मेदा को प्राथमिकता मिले.

शिक्षा में गुणवत्ता की कमी व्यवस्था में सुधार जरूरी : पंकज

शिक्षा में गुणवत्ता की कमी के कारण छात्रों में जरूरी दक्षता का विकास नहीं हो पाता है. नतीजतन यहां के छात्र खुद को प्रतियोगिता परीक्षा की स्पर्धा के लिए ढाल नहीं पाते हैं. परिणाम यह होता है कि वे परीक्षा में पिछड़ जाते हैं और बेरोजगारी का दंश झेलते हैं. छात्रों को कठिनाइयां आती हैं, इसलिए राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार जरूरी है. बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के यहां के युवा प्रतिस्पर्धा के दौर में कहीं टिक नहीं पाएंगे.

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी के कारण छात्रों का हो रहा पलायन : हर्ष

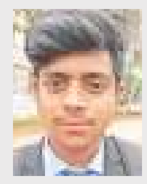

झारखंड में शिक्षा व्यवस्था काफी खराब है, जिसके कारण बड़ी संख्या में राज्य के छात्र उच्च शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करते हैं. बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की चाह में छात्रों को मजबूरन अपने घर से दूर होना पड़ता है. इस दौरान खान-पान की वजह से छात्रों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है. राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना काफी जरूरी है.

दूसरे राज्यों की तुलना में झारखंड काफी पीछे,तेजी से विकास की जरूरत : अंशु

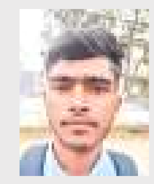

जिस रफ्तार से राज्य का विकास होना चाहिए था, उस रफ्तार से विकास नहीं हुआ है. यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है. दूसरे राज्यों की तुलना में हमारा राज्य काफी पिछड़ गया है. हमें ऐसी सरकार चाहिए, जो राज्य को तेज रफ्तार से विकास के पथ पर आगे ले जा सके. ऐसी सरकार हो, जो शिक्षा-स्वास्थ्य, रोजगार पर फोकस करे. ज्यादा से ज्यादा युवाओं को राजगार दे.

चुनाव में नये चेहरों को मौका मिलना चाहिए : अंशिका

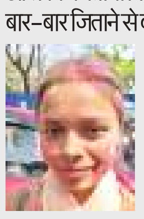

अंशिका ने बताया कि कभी किसी एक व्यक्ति को चुनाव में बार-बार जिताने से वह इंसान निरंकुश हो जाता है. इसलिए हमेशा चुनाव में नये चेहरों को मौका मिलना चाहिए. विकास के लिए मैं अपने क्षेत्र में इस बार किसी नये प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करूंगी. मतदान से पहले यह भी परखूंगी कि उसके चुनावी एजेंडे में शिक्षा व रोजगार है या नहीं.

छात्राओं की शिक्षा पर विशेष जोर देना की जरूरत : फिलिस मुर्मू

फिलिस मुर्मू ने बताया कि छात्राओं की शिक्षा पर विशेष डोर दिया जाना चाहिए. इसके साथ ही शिक्षा में लिंग के अंतर में कमी लाने के लिए सरकार को जरूरी कदम उठाने चाहिए. ज्यादा से ज्यादा लड़कियों को शिक्षित कर रोजगार से जोड़ना चाहिए. सरकार ऐसी होनी चाहिए, जो महिला सशक्तीकरण पर फोकस कर सके.

सरकार को शिक्षा के व्यवसायीकरण पर रोक लगनी चाहिए : इशिका

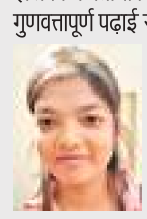

इशिका ने बताया कि मिडिल क्लास परिवार के बच्चे गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा का व्यवसायीकरण होना है.शिक्षा के व्यवसायीकरण की वजह से शिक्षा महंगी होती जा रही है, जिसके कारण गरीब व मध्यम परिवार के बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जा रहे हैं. सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है.

परीक्षा में होने वाली नकल पर रोक लगनी चाहिए : अविनाश

अविनाश ने बताया कि परीक्षा में नकल रोकने की जरूरत है. नकल की वजह से योग्य विद्यार्थी पीछे रह जाते हैं. वहीं जो छात्र योग्य नहीं हैं, वह आगे निकल जाते हैं. सरकार को चाहिए कि फ्री एंड फेयर परीक्षा का आयोजन करे, ताकि मेधावी छात्र अपनी योग्यता के बल कपर ही प्रतियोगिता परीक्षा में भी आगे निकल सकें.

आर्थिक मजबूती से दूर होगी गरीबी : प्रेम प्रकाश

प्रेम प्रकाश ने बताया कि वे भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते देखना चाहते हैं. जब हम आर्थिक तौर पर मजबूत होंगे, तो इससे देश व राज्य से गरीबी दूर करने में मदद मिलेगी. जब गरीबी दूर होगी तो समाज में खुशहाली आएगी. सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ानी चाहिए. कोशिश करनी चाहिए कि महंगाई पर रोक लगे, बेरोजगारी व गरीबी दूर हो.

सिर्फ बातें ही नहीं, काम करने वाली सरकार चाहिए : चांदनी

चांदनी ने बताया कि आज भी कई गांवों में बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है. मेरी प्राथमिकता ऐसी सरकार चुनने में है, जो बातें नहीं काम ज्यादा करे. चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियां एक से बढ़कर एक लोक लुभावन चुनावी वादे करती हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद सबकुछ भूल जाती हैं. इसलिए वादे नहीं काम करनेवाले प्रत्याशी को वोट करना चाहिए.

रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देनेवाली सरकार चाहिए : निखिल

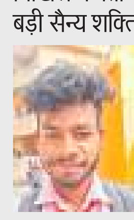

निखिल ने बताया कि मैं भारत को दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य शक्ति बनते देखना चाहता हूं, ताकि कोई भी मुल्क हमें टेढ़ी आंखें न दिखा सके. रक्षा क्षेत्र को प्राथमिकता देने वाली पार्टी को ही मैं फर्स्ट टाइम वोटर के तौर पर मतदान करूंगा. आज देश की सीमा की सुरक्षा करने को प्राथमिकता देनी होगी. इसके अलावा ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने पर सोचना होगा.

युवाओं के लिए सोचनेवाली पार्टी को प्राथमिकता देने की जरूरत : ममता

ममता बाला ने बताया कि राजनीतिक पार्टियां युवाओं के लिए वादें करती हैं, बड़ी-बड़ी बातें भी करती हैं, लेकिन सत्ता में आते ही उसे पूरा नहीं करतीं. युवाओं के मुद्दों पर प्राथमिकता से काम करने वाली पार्टी को ही मैं अपने जीवन का पहला मतदान करूंगी. खासकर युवाओं की शिक्षा और रोजगार के लिए सोचनेवाली पार्टी को प्राथमिकता देने की जरूरत है.

स्कूली या प्रतिस्पधी किताबों के मूल्यों पर लगे लगाम : संचित

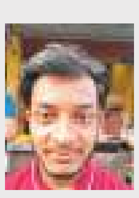

संचित सिंह ने बताया कि स्कूली या प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी से जुड़ी किताबों की कीमत में साल दर साल बेतहशा बढ़ोतरी हो रही है. इस पर लगाम लगेगी, तो मध्यम वर्ग परिवार से आने वाले छात्र भी बेहतर संसाधन का उपयोग कर शिक्षा हासिल कर सकेंगे और प्रतियोगिता परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे.

सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सुधार करने की जरूरत : अभय शर्मा

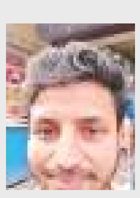

अभय शर्मा ने बताया कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता व व्यवस्था में सुधार होनी चाहिए. हायर एजुकेशन के सरकारी संस्थान में एडमिशन के लिए छात्रों के बीच कठिन प्रतिस्पर्धा होती है, लेकिन सरकारी स्कूल में कोई अभिभावक अपने बच्चों को नहीं पढ़ना चाहता है. यदि सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्ता में ध्यान दी जाए, तो बच्चों का भविष्य संवर सकता है.

प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ोतरी पर नियंत्रण जरूरी : विश्वजीत

विश्वजीत ने बताया कि प्राइवेट स्कूलों में मनमाने तरीके से फीस बढ़ोतरी पर सरकार का नियंत्रण जरूरी है. मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी से मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों को आर्थिक बोझ का दंश झेलना पड़ता है. सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि मध्यम वर्ग का स्टूडेंट भी बेहतर पढ़ाई कर प्रतियोगिता परीक्षा में सफल हो सके.

सोशल मीडिया के लिए कड़े नियम बनाने की जरूरत : लक्ष्मण मुंडा

लक्ष्मण मुंडा ने बताया कि सोशल मीडिया के लिए और अधिक कड़े नियम बनाने की जरूरत है, ताकि हम जैसे स्कूल या कॉलेज में पढ़नेवाले छात्रों-युवाओं और आने वाली भावी पीढ़ी को इसके गलत प्रभाव से बचाया जा सके. साथ ही युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए पहल करने के साथ ही साथ उनकी शिक्षा पर फोकस करना जरूरी है.

आईटीआई करने के बाद नौकरी नहीं मिली तो बन गया अपराधी

रोहित कुमार। जमशेदपुर

खास बातें

- छिनतई की मोबाइल के साथ संदीप दास को किया गया गिरफ्तार
- संदीप व उसके साथी के पास से बरामद किए गए सात फोन

जमशेदपुर के टेल्को स्थित जेम्को निवासी संदीप दास को जब आईटीआई की डिग्री हासिल करने के बाद नौकरी नहीं मिली तो वह अपराधी बन गया. वह लोगों से छिनतई करने लगा. इस काम में उसका साथ अभि सिंह उर्फ यशदीप सिंह देता था. पुलिस ने दोनों को छिनतई की मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है. रविवार को पुलिस ने मामले का खुलासा किया. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि बर्मामाइंस पोस्ट ऑफिस के पास शनिवार शाम रवि कुमार शर्मा के मोबाइल की छिनतई की गई थी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गश्ती दल और टैंगो की मदद से छिनतई करने वाले संदीप दास और अभि सिंह को पकड़ लिया. तलाशी के क्रम में दोनों के पास से कुल 7 मोबाइल फोन बरामद किए. एसएसपी ने बताया कि घटना से कुछ देर पहले भी दोनों ने गोलमुरी में मोबाइल छिनतई की थी वहीं इसके पूर्व भी दोनों ने कई घटनाओं को अंजाम दिया है. छीने हुए मोबाइल को दोनों गिरवी रख देते थे और जो रुपये मिलते उसे आपस में बांट लेते थे. संदीप दास ने आईटीआई की पढ़ाई की है. नौकरी नहीं मिलने पर दोनों छिनतई करने लगे.

गुमलाः महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला। गुमला के बड़ाइक मुहल्ला निवासी धीरेंद्र कुमार की पत्नी सोनल देवी ने रविवार को अपने घर में दुपट्टा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों ने महिला को फांसी के फंदा से उतारकर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच कर मृत घोषित कर दिया. मृत महिला के पति धीरेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार को वह दुंदुरिया में बन रहे मकान को देखने गया था. जब घर लौटा तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था. खोलने के लिए पत्नी सोनल देवी को आवाज दिया. दरवाजा नहीं खोली तब अनहोनी की आशंका होने पर दरवाजा तोड़ कर अंदर आया तो देखा की पंखा में दुपट्टा के सहारे झूल रही है. आस पास के लोगों के सहयोग से उसे उतार कर सदर अस्पताल लाया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया. मृत महिला का फूफा शिक्षक सुनील कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे. उन्होंने मृतक के पति धीरेंद्र कुमार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया.

चंपाई सोरेन को भी जाना पड़ सकता है होटवार : बाबूलाल

संवाददाता। रांची

खास बातें

- इंडी गठबंधन की रैली में चंपाई ने साधा था भाजपा पर निशाना
- भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल ने इसपर पलटवार किया

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की रैली में झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन ने भाजपा पर जमकर जुबानी तीर चलाए. भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंडी ठगबंधन की रैली लोकतंत्र बचाने की नहीं बल्कि परिवारवाद, भ्रष्ट तंत्र और भ्रष्टाचारियों को बचाने की मुहिम है. अफसोस है कि सोरेन परिवार की अनुकंपा पर मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाये जाने के बाद चंपाई सोरेन भी उस परिवार के हाथों की कठपुतली बने हुए हैं. दिल्ली में स्वांग रचने से बेहतर होता कि चंपाई झारखंड के छात्रों की समस्या का निदान करते. जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली करने वाले लोगों के साथ सख्ती बरतते. उन्हें जेल भेजते. राज्य के मरणासन्न कानून-व्यवस्था की समीक्षा कर उसे सुदृढ़ करते, लेकिन उन्होंने भी हेमंत सोरेन के नक्शेकदम पर चलने की कसम खा रखी है. बाबूलाल ने कहा कि अगर चंपई सोरेन ने अपने क्रियाकलापों में सुधार नहीं किया तो और उसी राह पर चलते रहे तो वो दिन दूर नहीं जब उन्हें भी होटवार जाना पड़ सकता है.

रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ईस्ट जोन रेफरी परीक्षा संपन्न

रांची। रांची के होटल रासो में रविवार को रोलर स्केटिंग महासंघ के तत्वावधान में आयोजित ईस्ट जोन रेफरी परीक्षा 2024 में 5 राज्यों झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के 12 रेफरियों ने स्पीड स्केटिंग और 9 रेफरियों ने रोलर हॉकी, इन लाइन फ्रीस्टाइल जैसे अन्य रोलर स्पोर्ट्स के सेमिनार और परीक्षाओं में भाग लिया. इस परीक्षा का संचालक और निरीक्षक अंतरराष्ट्रीय रेफरी डॉपी के सिंह और भारतीय रोलर स्केटिंग महासंघ के उपाध्यक्ष किशोर की उपस्थिति में हुआ. उन्होंने सभी रेफरियों के परीक्षा पत्र का विश्लेषण कर सर्टिफिकेट प्रदान किया. परीक्षा के बाद झारखंड रोलर स्केटिंग संघ के संरक्षक अभिषेक राठोर, अध्यक्ष विकास कुमार सिंह, उपाध्यक्ष अमित एकलव्य , सचिव सुमित शर्मा ने सर्टिफिकेट वितरण समारोह पर पास हुए सभी रेफरियों को शुभकामनाएं दी. राजेश कुमार राम, सुषमा टोप्पों,सोमनाथ मिंज, पिंटू कुमार सिंह, शिव कुमार महतो समेत अन्य लोगों ने परीक्षा में भाग लिया

हमला बोला रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने बोला हमला

दिल्ली में परिवार बचाओ, भ्रष्टाचार छुपाओ रैली : प्रतुल शाहदेव

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

झारखंड भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली को परिवार बचाओ-भ्रष्टाचार छुपाओ रैली करार दिया है. पार्टी के जिला कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कई ऐतिहासिक घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जो रामलीला मैदान जय प्रकाश नारायण एवं अन्ना आंदोलन में कांग्रेस के भ्रष्टाचार, परिवारवाद एवं तानाशाही के विरुद्ध आंदोलन का साक्षी रहा है, उसी ऐतिहासिक मैदान में भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाने वाले एक मुख्यमंत्री और एक पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थन में कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों द्वारा रैली घोर विडंबना और जनता का अपमान है.

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते प्रतुल शाहदेव सहित अन्य नेता.

उन्होंने कहा कि झारखंड की सरकार घोर भ्रष्टाचार में लिप्त है और इस सरकार पर 70 हजार करोड़ के घपले-घोटाले का आरोप है. कमीशन वाली सरकार की चर्चा जोर-शोर से है.प्रतुल शाहदेव ने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के यहां करीब साढ़े तीन सौ करोड़ जब्त होने पर भी इन सभी भ्रष्टाचार के आरोपियों ने भी खूब हल्ला मचाया था, लेकिन प्रवर्तन निर्देशालय ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया.

पीएम की भ्रष्टाचार विरोधी नीति के कारण एक साथ हुए सारे भ्रष्टाचारी

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति का परिणाम है कि सारे भ्रष्टाचारी व परिवारवादी पार्टी मिलकर अपनी काली कमाई और परिवार को बचाने के लिए एक डूबती हुई नाव पर एक साथ सवार हो गए हैं. जिस जमीन को गबन करने के आरोप में हेमंत सोरेन जेल गए हैं, उस पर उनका नाम ही नहीं है संबंधी सवाल को प्रतुल शाह देव ने इसे हास्यास्पद बताया. उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि बेनामी संपत्तियों पर आरोपियों के नाम नहीं होते. वह दूसरे के नाम पर जमीन और संपति को हड़पते हैं. जिस तरीके से हेमंत सोरेन के पहले समन के तुरंत बाद उस जमीन के तथाकथित मलिक ने जमीन वापसी का मुकदमा दर्ज किया और 29 जनवरी को ईडी के रेड के दिन सरकार ने जमीन वापसी भी कर दी. इससे यह स्पष्ट है कि झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार हेमंत सोरेन को बचाने के लिए कवर-अप ऑपरेशन चला रही है.

गिरिडीह पुलिस ने मवेशी लदे तीन पिकअप वैन जब्त किये

संवाददाता। गिरिडीह

हजारीबाग जिले के चौपारण, गोरहर, बरही और बरकट्ठा थाना क्षेत्रों को पार कर मवेशियों को धनबाद ले जाने की तैयारी थी. लेकिन गिरिडीह पुलिस ने पशु तस्करों के मंसूबे पर पानी फेर दिया. एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर रविवार सुबह बगोदर थाना की पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने औरा में मवेशी लदे तीन पिकअप वैन को जब्त किया है. साथ ही पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है. जब्त पिकअप वैन में करीब 16 मवेशी थे, जिन्हें पशु तस्कर धनबाद ले जा रहे थे. यहां से फिर सभी मवेशियों को दूसरे जगह भेजने की तैयारी थी.

खास बातें

- गिरिडीह पुलिस ने मवेशी लदे तीन पिकअप वैन जब्त किये
- हजारीबाग के चार थाना पार कर धनबाद ले जाने की थी तैयारी

मवेशियों को धनबाद भेजने की थी तैयारी

गिरिडीह एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बिहार से कुछ मवेशियों को अलग-अलग पिकअप वैन से जीटी रोड पर बगोदर के रास्ते तस्करी के लिए धनबाद भेजा जा रहा है.

दखल या सरोकार

ऐसा मालूम होता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आम चुनाव से पहले मोदी सरकार के कार्यकलापों को लेकर चिंता व्यक्त किए जाने पर नई दिल्ली और वाशिंगटन आमने-सामने आ गए हैं. जर्मनी और यूएनओ ने भी इसी तरह की टिप्पणी की है. अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता द्वारा पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करने के बाद, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के कार्यवाहक उप प्रमुख को तलब किया और अमेरिका को भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने से बचने की सख्त हिदायत दी. जर्मनी द्वारा इसी किस्म के बयान के लिए एक जर्मन राजनयिक को भी फटकार लगाई गई थी. हालांकि जहां जर्मन सरकार ने बाद में अपनी टिप्पणियों को नरम कर दिया, वहीं अमेरिकी प्रशासन ने अपने तेवर दोगुना तीखे कर लिए हैं. "निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं" की जरूरत संबंधी बयान को दोहराते हुए, उसने अपनी चिंताओं में चुनाव अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी के खातों को 'फ्रीज' करने की बात को जोड़कर एक और फटकार को न्योता दिया. सरकार की निंदा करने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका के बयान नए नहीं हैं और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, किसानों के विरोध, गैर सरकारी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई तथा विपक्षी राजनेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को लेकर उसकी चिंताएं बढ़ रही हैं.

> निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं" की जरूरत संबंधी बयान को दोहराते हुए, उसने अपनी चिंताओं में चुनाव अभियान के दौरान कांग्रेस पार्टी के खातों को 'फ्रीज' करने की बात को जोड़कर एक और फटकार को न्योता दिया.

मोदी सरकार चाहे तो इस बारे में आत्मनिरीक्षण कर सकती है कि इनमें से कोई भी हस्तक्षेप वैध चिंताएं हैं या नहीं, और यह जांच करना भी महत्वपूर्ण हो सकता है कि कहीं इस किस्म की तकरार भारत-अमेरिका रिश्तों में एक बड़ी समस्या का लक्षण तो नहीं है. जबसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने खालिस्तानी अलगाववादी और भारत के आलोचक, गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ एक कथित हत्या की साजिश की घोषणा की है, सार्वजनिक जुड़ाव की गुणवत्ता को झटका लगा है. भले ही द्विपक्षीय व्यापार, प्रौद्योगिकी साझाकरण और सैन्य एवं रणनीतिक सहयोग मजबूत बना हुआ है. इस कथित साजिश से एक शीर्ष भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी का संबंध होने का दावा किया गया है. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में और क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत के निमंत्रण को अस्वीकार करने का फैसला और वाशिंगटन में भारतीय राजदूत का पद खाली रहने के बीच अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन की भारत यात्रा को रद्द किए जाने के कदम का बारीकी से विश्लेषण करने की जरूरत है. केजरीवाल की गिरफ्तारी पर तकरार के मद्देनजर नई दिल्ली के पास कुछ सीमित विकल्प हैं. वह शोर-शराबे वाले इस सार्वजनिक एवं अनुचित झगड़े को जारी रख सकता है या वह अमेरिका के आंतरिक घटनाक्रमों पर टिप्पणी करके उसे उसी की भाषा में जवाब दे सकता है या फिर वह उकसावे में आने से बच सकता है.

सुभाषित

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति, ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
आस्वाद्यतोयाः प्रभवन्ति नद्यः, समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः।।

गुणियों की संगति में गुण ही गुण रहते हैं, किन्तु गुणहीन व्यक्ति की संगति में वे ही दोष बन जाते हैं. नदियों का जल मीठा होता है, किन्तु वही समुद्र में मिल जाने पर पीने योग्य नहीं रह जाता.

कथनी-करनी का भेद खोलता इलेक्टोरल बॉण्ड

अभी पूरा देश इस मामले में उलझ गया है कि यह इलेक्टोरल बॉण्ड है क्या? यदि यह काले धन को बंद करने का कोई नायाब तरीका है या था, तो ऐसे राजनीतिज्ञों और ऐसे विचार को लाने वाले कितने बुद्धिमान थे. लेकिन, धन्यवाद सुप्रीम कोर्ट का कि उसने वही किया, जो एक जनतांत्रिक देश के सर्वोच्च न्यायालय को करना चाहिए. देश के संवैधानिक पीठ ने इस तथाकथित इलेक्टोरल बॉण्ड को असंवैधानिक करार दिया.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

कहते हैं, यह सारी दुनिया में सदा से ऐसा होता रहा है. राजनीतिज्ञों को सिर्फ सत्ता का मोह होता है. न व्यवस्था से मतलब है, न अव्यवस्था से. हां, जब वे व्यवस्था का मालिक नहीं होते, जब खुद के हाथ में ताकत नहीं होती, तब वे कहते हैं कि सब गलत है, इसलिए क्रांति जरूरी है. लेकिन, सत्ता में लौटते ही उन्हें क्रांति की जरूरत बिल्कुल नहीं पड़ती, क्योंकि क्रांति का काम पूरा हो गया. अब जो भी क्रांति की बात करे, वह दुश्मन है. साथ ही जो क्रांति की बात कर रहा है, उसे भी क्रांति से कुछ लेना-देना नहीं है. यह बड़ी अदभुत घटना है, जो दुनिया में रोज घटती है, फिर भी आदमी संभालता नहीं. राजनीतिज्ञ के सत्ता में आते ही सभी क्रांतिकारी उसके धुरविरोधी हो जाते हैं, जबकि सत्ता से हटते ही राजनीतिज्ञ क्रांतिकारी हो जाते हैं. सत्ता में बड़ा जादू है. यह तो एक बात हुई. दूसरी बात यह हुई कि जब राजा अयोग्य होता है और वह शासन व्यवस्था कायम करने में असमर्थ होता है, तो उसे अपने पिछले शासक पर आरोप लगाकर, उसके ऊपर सारा ठीकरा फोड़कर अपनी अयोग्यता को छुपा लिया जाना चाहिए. सच में, वर्षो से ऐसा ही तो हो रहा है. केवल पिछली सरकार को कोसने, उसे नाकारा साबित करने में आज लगभग दस वर्ष हो गए. पिछले कुछ दिनों से जो घमासान देशभर में मचा है, उसके लिए कुछ लोगों का कहना है कि यह देश को फिर से आपातकाल की घोषणा को याद दिला रहा है. लेकिन, वह तो घोषित आपातकाल था, पर आज जिस तरह से विपक्षियों को उठा—उठाकर जेल में डाला जा रहा है, उसमें कोई फर्क नजर नहीं आ रहा है. उस घोषित आपातकाल में तो यह हुआ था कि सारे विपक्षी रातोंरात उठाकर जेल में बंद कर दिए गए, जबकि आज तो जो हो रहा है, वह सबको मालूम है कि चुन—चुन कर विपक्षियों पर पहले आरोप लगाया जाता है, फिर ईडी का समन भेजकर हाजिर होने का फरमान जारी किया जाता है. जब विपक्षी बेचैन हो उठता है, तो उन्हें पूछताछ के नाम पर जेल में बंद कर दिया जाता है. चले मुकदमा, कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन तब तक वे नेता इतने टूट जाते हैं, उनका भविष्य इतना अंधकारमय लगने लगता है कि वे डरकर सरकारी गवाह बनकर दूसरे को फंसाने में लग जाते हैं. अभी हाल के दिनों में अपने राज्य में कार्यरत दो मुख्यमंत्रियों को अवैध तरीके से धन उगाही करने के जुर्म में जेल में ठूंस दिया गया है. अब आप अपने को निरपराध होने के लिए तर्क देते रहिए, कानूनी तौर—तरीकों में उलझकर अपनी जिंदगी को नर्क में बदल डालिए. हो सकता है, साल दो साल में अदालत आपको बेगुनाह मान ले, लेकिन जितनी आपकी बदनामी समाज के अंदर हो चुकी है, उसमें अपने को निरपराध साबित करने में पूरा समय जाया कर दीजिए. हो सकता है कि तब समाज समझ पाएगा कि आप निर्दोष हैं. अभी पूरा देश इस मामले में उलझ गया है कि यह इलेक्टोरल बॉण्ड है क्या? यदि यह काले धन को बंद करने का कोई नायाब तरीका है या था, तो ऐसे राजनीतिज्ञों और ऐसे विचार को लाने वाले कितने बुद्धिमान थे. लेकिन, धन्यवाद सुप्रीम कोर्ट का कि उसने वही किया, जो एक जनतांत्रिक देश के सर्वोच्च न्यायालय को करना चाहिए. देश के संवैधानिक पीठ ने इस तथाकथित इलेक्टोरल बॉण्ड को असंवैधानिक करार दिया. आज देश में इसी को लेकर हड़कंप मचा है कि आखिर इस चोरी को सर्वोच्च न्यायालय ने जग-उजागर क्यों किया? इसे असंवैधानिक क्यों माना? अब इस मामले में सत्तारूढ़ द्वारा केवल कुतर्क ही गढ़ा जा रहा है और इस धन को वैध माना जा रहा है, रिश्वत नहीं. बेशर्मी तो तब दिखती है, जब सत्तारूढ़ दल के नेता यह कहते हैं कि इस काले धन को वैध करने के लिए यह बॉण्ड लाया गया था.

जनता को मूर्ख बनाने के इस तरीके को क्या कहा जाए. इस असंवैधानिक बॉण्ड का हल क्या निकलेगा, यह तो सांप के मुंह से निवाला निकलने जैसा है, लेकिन जिस तरह से प्रभावशाली कदम सुप्रीम कोर्ट ने निकाला है, इस मुद्दे पर फिर से एक कठिन निर्णय उसे देना पड़ेगा. इसी भारत्तवर्ष में वह दिन सदैव याद किया जाएगा, जब पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक झटका दिया था. आज भी देश की जनता सुप्रीम कोर्ट से इसी तरह के आदेश की अपेक्षा करती है, क्योंकि अब वर्तमान सरकार से पंगा लेना आम आदमी के बस की बात नहीं रही है. जनता लगभग हार गई है और उसका विश्वास केवल संविधान की रक्षा के लिए गठित संवैधानिक प्रमुख सर्वोच्च न्यायालय से है. ऐसा इसलिए, क्योंकि जिस तरह से साफ कहा जा रहा है कि काले धन को सफेद करने के लिए इस बॉण्ड को लाया गया है, यह तो हद हो गई. कहां सरकार बनने से पहले उसी सत्तारूढ़ दल द्वारा कहा जा रहा था कि जो काला धन भारतीयों ने विदेशों में छुपा रखा गया है, उसे देश में लाकर प्रत्येक व्यक्ति के खाते में जमा कराया जाएगा, उसके लिए अब वही काला धन लाकर उससे चुनाव लडा जा रहा है. क्या हमारे देश की जनता इतनी मूर्ख है कि उसे अपने हिसाब से जब चाहो मूर्ख या गुणी बना डालो? यह सारी बातें यहीं आकर रुक जाती हैं कि हमारे देश में शिक्षा का प्रतिशत जबतक सौ फीसदी नहीं हो जाएगा? राजनीतिज्ञों द्वारा इसी तरह हम ठगी के शिकार होते रहेंगे. शिक्षा का यह कोरम कब तक पूरा होगा, यह तो नहीं मालूम, लेकिन जिस दिन देश पूरी तरह शिक्षित हो जाएगा, उसी दिन से ये राजनीतिज्ञ ठगी करना भूल जाएंगे और उसी दिन से देश का विकास होने लगेगा.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

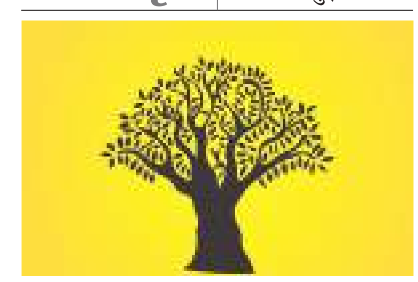

सत्य का भ्रम

एक सरल स्वभाव के ग्रामीण ने बाजार से एक बकरी खरीदी. उसने सोचा था कि इस पर खर्च तो कुछ होगा नहीं; पर मेरे छोटे बच्चों को पीने के लिए दूध मिलने लगेगा. इसी सोच में खुशी-खुशी वह बकरी को कंधे पर लिये घर जा रहा था. रास्ते में उसे तीन ठग मिल गये. उन्होंने उसे मूर्ख बनाकर बकरी हड़पने की योजना बनायी और उसके गांव के रास्ते में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर खड़े हो गये. जब पहले ठग को वह ग्रामीण मिला तो ठग बोला - ₹भैया, इस कुतिया को क्यों पीठ पर उठाये ले जा रहे हो?₹ ग्रामीण ने उसकी ओर उपेक्षा से देखकर कहा - ₹अपनी आंखों का इलाज करा लो. यह कुतिया नहीं, बकरी है. इसे मैंने आज ही बाजार से खरीदा है.₹ ठग हंसा और बोला- ₹मेरी आंखें तो ठीक हैं, पर गड़बड़ तुम्हारी आंखों में लगती है. खैर, मुझे क्या फर्क पड़ता है. तुम जानो और तुम्हारी कुतिया.₹ ग्रामीण थोड़ी दूर और चला कि दूसरा ठग मिल गया. उसने भी यही बात कही - ₹क्यों भाई, कुतिया को कंधों पर लादकर क्यों अपनी हंसी करा रहे हो. इसे फेंक क्यों नहीं देते?₹ अब ग्रामीण के मन में संदेह पैदा हो गया. उसने बकरी को कंधों से उतारा और उलट-पलटकर देखा. पर वह थी तो बकरी ही. इसलिए वह फिर अपने रास्ते पर चल पड़ा. थोड़ी दूरी पर तीसरा ठग भी मिल गया. उसने बड़ी नम्रता से कहा - ₹भाई, आप शक्ल-सूरत और कपड़ों से तो भले आदमी लगते हैं; फिर कंधों पर कुतिया क्यों लिये जा रहे हैं ?₹ ग्रामीण को गुस्सा आ गया. वह बोला - ₹तुम्हारा दिमाग तो ठीक है, जो इस बकरी को कुतिया बता रहे हो ?₹ ठग बोला - ₹तुम मुझे चाहे जो कहो; पर गांव में जाने पर लोग जब हंसेंगे और तुम्हारा दिमाग खराब बतायेंगे, तो मुझे दोष मत देना.₹ जब एक के बाद एक तीन लोगों ने लगातार एक जैसी ही बात कही, तो ग्रामीण को भरोसा हो गया कि उसे किसी ने मूर्ख बनाकर यह कुतिया दे दी है. उसने बकरी को वहीं फेंक दिया. ठग तो इसी प्रतीक्षा में थे. उन्होंने बकरी को उठाया और चलते बने. यह कथा बताती है कि गलत तथ्यों को बार-बार व बढ़ा चढ़ाकर सुनने में आने से भल-भले विद्वान भी भ्रम में पड़ जाते है. निसंदेह अपनी कमियों का अवलोकन करना और उन्हें दूर करने के प्रयास करना विकास में सहायक है. किन्तु बार बार उन्ही कमियों की स्मृति में ही डूबे रहना, उन्हें विकराल स्वरूप में पेश करना,समझना और उसी में शोक संतप्त रहना, आशाविहीन अवसाद में जांना है.

लद्दाख की अस्मिता और अधिकार के लिए संघर्ष

• देशांतर

अरुण नैथानी

पिछले दिनों बर्फ के फाहों के बीच अनशन पर बैठे 'बर्फ के इंजीनियर' सोनम वांगचुक की वायरल तसवीरें लोगों को हैरत में डालती रही हैं, लेकिन विडंबना यह है कि जितनी प्रसिद्धि आमिर खान को एक फिल्म में उनके किरदार निभाने से मिली, उतना प्रतिसाद देश में उनके वास्तविक अनशन को नहीं मिला. हालांकि, पर्यावरण व लद्दाख की अस्मिता बचाने के लिए संघर्षरत वांगचुक को स्थानीय लोगों का भरपूर समर्थन मिला. लोग बर्फबारी के बीच उनके जलवायु उपवास के साथ-साथ चले. यद्यपि 21 दिन के बाद उन्होंने अपना उपवास खत्म कर दिया, लेकिन कहा कि अभी आंदोलन खत्म नहीं हुआ है. दरअसल, कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने और एक जनजातीय क्षेत्र के रूप में लद्दाखियों को मिले कवच के खत्म होने से उन्हें कई तरह की आशंकाओं ने घेर लिया है. लद्दाख के लोग केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा मिलने से खुश नहीं हैं. वे लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने तथा संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग कर रहे हैं, ताकि लद्दाख की अस्मिता संरक्षित रहे. दरअसल, केंद्र सरकार के साथ वार्ता विफल हो जाने के बाद सोनम वांगचुक ने छह मार्च को अपना अनशन आरंभ किया था. रक्त जमाते शून्य से कम तापमान के बीच उनके अनशन स्थल पर समर्थकों की भीड़ कम नहीं हुई. इससे पहले भी छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर कड़ाके की ठंड में भी एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था. जिसमें हजारों लोगों की भागीदारी ने जनाकांक्षाओं को उभारा था. तब अपेक्स बॉडी लेह यानी एबीएल और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस यानी केडीए ने बंद व प्रदर्शन का आह्वान किया था. दरअसल, ये लद्दाख में सक्रिय सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक संगठन हैं. इन संगठनों की चार मुख्य मांगों में संविधान की छठी अनुसूची लागू करने, केंद्रशासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा देने, एक संसदीय सीट बढ़ाने तथा क्षेत्र के लोगों को अधिक सरकारी नौकरियां देने के लिए लद्दाख का पब्लिक सर्विस कमीशन स्थापित करने की बात शामिल हैं. भाजपा ने 2019 के घोषणा पत्र में लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और क्षेत्र को छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया था, लेकिन पिछले पांच सालों में यह वादा हकीकत नहीं बन पाया. आंदोलन को देखते हुए जब केंद्र सरकार से बातचीत का क्रम शुरू हुआ तो 19 फरवरी को एक उच्चस्तरीय कमेटी भी गठित की गई थी, जिसके अंतर्गत 23 फरवरी तक बातचीत के कई दौर भी चले. फिर जब चार मार्च को हुई बातचीत से कुछ सार्थक सामने नहीं आया तो सोनम वांगचुक लद्दाखियों की मांग को लेकर छह मार्च को

> दरअसल, केंद्र सरकार के साथ वार्ता विफल हो जाने के बाद सोनम वांगचुक ने छह मार्च को अपना अनशन आरंभ किया था. रक्त जमाते शून्य से कम तापमान के बीच उनके अनशन स्थल पर समर्थकों की भीड़ कम नहीं हुई. इससे पहले भी छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर कड़ाके की ठंड में भी एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था.

अनशन पर बैठ गये. ग्लोबल वार्मिंग की मार झेल रहे लद्दाख के हितों की रक्षा के लिए सोनम ने इस जलवायु उपवास का नाम दिया. हजारों लोग उनके समर्थन में बर्फबारी के बीच बैठे रहे. देश के अन्य जनजातीय इलाकों की तरह लद्दाख के लोगों को यह भय सता रहा है कि केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद क्षेत्र में विकास के नाम पर पर्यावरण से खिलवाड़ होगा. वैसे भी पर्वतीय इलाकों में लोगों की आय सीमित होती है. ऐसे में धनबल के बूते बाहरी लोग प्राकृतिक संसाधनों पर अनाप-शनाप वर्चस्व बना लेते हैं. लद्दाखियों को चिंता है कि पर्यटन अपसंस्कृति से उनकी सदियों से संरक्षित संस्कृति को खतरा पैदा हो जाएगा. उत्तराखंड व अन्य पर्वतीय राज्यों में खनन व वन संपदा पर जिस तरह अंधाधुंध दोहन माफिया ने किया, वैसी स्थिति को लेकर लद्दाख के लोग आशंकित हैं. दूसरे देश के अन्य राज्यों की तरह इस केंद्रशासित प्रदेश में भी बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है. केंद्रशासित प्रदेश बनने से पहले लद्दाख के लोग जम्मू-कश्मीर सर्विस कमीशन के जरिये राजपत्रित पदों के लिए आवेदन करते थे. लेकिन अलग केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद यह सुविधा खत्म हो गई. अब ये नियुक्तियां केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग के जरिये होती हैं. जिसकी स्पर्धा में लद्दाखी युवा खुद को कमतर पाते हैं. स्थानीय लोग गैर-राजपत्रित पदों में भर्ती के लिए अभियान चलाने की मांग करते रहे हैं. ऐसे में क्षेत्र के लिए अपना विधानमंडल बनाने तथा छठी अनुसूची की मांग के साथ रोजगार भी बड़ा मुद्दा बन गया. दरअसल, सोनम वांगचुक ने लद्दाख की जनता को अपने अनशन के जरिये आवाज दी है. संविधान के अनुच्छेद 244 के तहत छठी अनुसूची प्रशासन में स्वायत्त जिला परिषदों के गठन का प्रावधान है. जिसके अंतर्गत जिला परिषदों में तीस सदस्य होते हैं, जिनमें चार राज्यपाल द्वारा नामित होते हैं. परिषद के पास कुछ प्रशासनिक, विधायी और न्यायिक स्वतंत्रता होती है. जिला परिषद ही क्षेत्र में उद्योग लगाने की अनुमति देती है. ताकि इससे पर्वतीय संस्कृति व संसाधनों को सुरक्षा कवच मिल सके.

सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है

• सियासत

विश्वनाथ सचदेव

दिल्ली के मुख्यमंत्री और 'आप' पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार होंगे, यह सब जानते थे. सवाल सिर्फ कब गिरफ्तार होंगे का था. अब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया. यह शब्द लिखे जाने तक उन्हें ज़मानत नहीं मिली है और इसी तरह की पहली गिरफ्तारियों को देखते हुए यही लग रहा है कि ज़मानत आसान नहीं है. ईडी सरकार के इशारों पर काम करती है, इस आशय के आरोप लगाने वाले यह भी कह रहे हैं कि आम-चुनाव से ठीक पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करके केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने विपक्ष के एक कद्दावर नेता को चुप करने का काम किया है. पिछले एक अर्से से जिस तरह विपक्ष के नेताओं को कमज़ोर बनाने की कोशिश हो रही है, उसे देखते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी पर न तो आश्चर्य व्यक्त किया जा सकता है, और न ही यह कहा जा सकता है कि यह गिरफ्तारी अप्रत्याशित थी. यह अनुमान लगाना भी मुश्किल नहीं है कि इस समय ही यह गिरफ्तारी क्यों हुई- चुनाव से ठीक पहले हुई इस गिरफ्तारी से मतदाता को एक संदेश तो मिलता ही है कि गिरफ्तार होने वाले ने कुछ तो ग़लत किया ही है. वहीं शायद केजरीवाल भी गिरफ्तारी का राजनीतिक लाभ उठाने की उम्मीद में बैठे थे- वह स्वयं को पीड़ित दिखाकर मतदाता की सहानुभूति की उम्मीद कर ही सकते हैं. मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए किसी को इस तरह गिरफ्तार किए जाने की भले ही यह पहली घटना हो, पर झारखंड के मुख्यमंत्री को भी लगभग इसी तरह कमज़ोर बनाया गया था. यह सही है कि गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र देकर अपने उत्तराधिकारी की राह आसान बना दी थी, पर मामला यहीं तक सीमित नहीं था. सवाल मुख्यमंत्री की इस तरह की गई गिरफ्तारी के राजनीतिक संकेतों का है. किसी केजरीवाल अथवा किसी सोरेन ने कोई अपराध किया है तो उसे सज़ा मिलनी ही चाहिए, लेकिन ऐसी किसी कार्रवाई के मंतव्य को समझने की भी आवश्यकता होती है. जिन स्थितियों में और जिस तरीके से ऐसी कार्रवाई हुई है, या हो रही है, उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि इस सबके पीछे विपक्ष को कमज़ोर बनाने और राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश हो रही है. सरकार यह कह कर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि ईडी, सीबीआई , इनकमटैक्स जैसी संस्थाओं को सांविधानिक संरक्षण प्राप्त है और उनके कामकाज में सरकार दखलंदाजी नहीं करती. यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के ही एक माननीय न्यायाधीश ने कभी सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' कहा था ! सत्ता की राजनीति में तब और आज कोई बड़ा परिवर्तन नहीं दिखाई देता. देखा यह जा रहा है

> चुनावों का सही तरीके से होना, चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है. आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे दुर्भाग्य से इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं. किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता.

कि जन-समर्थन राजनीतिक नेतृत्व को एकाधिकारवादी बना देता है– बना रहा है ! जनतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव का होना या चुनाव में जीतना ही पर्याप्त नहीं होता. चुनावों का सही तरीके से होना चुनाव में भाग लेने के लिए सबको समान और उचित अवसर मिलना जनतंत्र के औचित्य की एक महत्वपूर्ण शर्त है. आज जो स्थितियां देश में बनती जा रही हैं, वे दुर्भाग्य से इस आशय का कोई आश्वासन नहीं दे रही हैं. किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री का गिरफ्तार होना एक कथित आरोपी मात्र का गिरफ्तार होना नहीं होता. यदि किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे अपने किए की सज़ा मिलनी ही चाहिए. लेकिन यदि सज़ा देने के नाम पर किसी प्रकार का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जाती है तो उसे उचित नहीं माना जा सकता. इसीलिए यह सवाल उठता है कि किसी केजरीवाल या किसी सोरेन को चुनाव से ठीक पहले ही गिरफ्तार करना क्यों ज़रूरी समझा गया? यहां सवाल जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों का भी है. यह कहना तो ग़लत होगा कि देश में जनतांत्रिक मूल्यों का पराभव हो चुका है, लेकिन जनतंत्र को नये अर्थ देने की कोशिशों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता. समय पर चुनाव होने अथवा किसी नेता की लोकप्रियता के आधार पर जनतंत्र की सफलता अथवा औचित्य को नहीं नापा-परखा जा सकता. जनतंत्र का अर्थ होता है नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों का भी संरक्षण. दस साल पहले जब भाजपा सत्ता में आयी थी तो उसने कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा दिया था. इस नारे में कहीं कुछ ग़लत नहीं था. लेकिन जब किसी एक राजनीतिक दल से मुक्ति के बजाय समूचे विपक्ष से मुक्त जनतंत्र की बात कही जाती है अथवा इसके प्रयास होते दिखते हैं तो सत्तारूढ़ पक्ष की मंशा पर शक होना स्वाभाविक है. मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी, राज्यपालों द्वारा विपक्षी सरकारों के काम में अड़ंगा डालना, दल- बदल के लिए लालच देना, विपक्ष को काम न करने देना जैसे उदाहरण यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि जनतंत्र की मूल भावना पर आघात हो रहे हैं. यह आने वाले खतरों का संकेत है.

मीडिया में अन्यत्र

गाजा में शांति के आसार

उम्मीद की जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पारित प्रस्ताव के बाद इजराइल गाजा पर निरंतर जारी हमलों पर रोक लगाएगा. उल्लेखनीय है कि सोमवार को पारित प्रस्ताव में सुरक्षा परिषद ने रमजान के महीने के दौरान गाजा में तुरंत युद्धविराम लागू करने, बंधकों की बिना शर्त रिहाई तथा युद्धग्रस्त इलाकों में मानवीय सहायता सुनिश्चित करने को कहा है. सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मतदान से दूरी बनाकर अमेरिका ने संकेत दिया है कि वह गाजा में शांति प्रयासों को साकार होता देखता चाहता है. वहीं अमेरिका के प्रस्ताव को वीटो न करना यूएसए व इजराइल संबंधों में खटास आने का भी संकेत है, जिसको लेकर इजराइल के नेता अमेरिका पर हमलावर हैं. इजराइल ने अपने सदाबहार दोस्त अमेरिका पर संकट के समय साथ न देने का आरोप लगाया है. यहां तक कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक इजराइली प्रतिनिधिमंडल की अमेरिका यात्रा रद्द करके अपनी नाराजगी जाहिर की है. हालांकि, कहना कठिन है कि इजराइल और हमास सुरक्षा परिषद के पारित प्रस्ताव का किस हद तक पालन करते हैं, लेकिन एक बात तो तय है कि फिलहाल अमेरिका व इजराइल के रिश्तों में खटास आ चुकी है. हालांकि, अब तक बाइडेन प्रशासन इजराइल को पर्याप्त सैन्य मदद देता रहा है और हमास को समाप्त करने के उसके लक्ष्य का समर्थन भी करता आया है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका चाहता रहा है कि संघर्ष में आम लोगों की मौत कम से कम हो. उल्लेखनीय है कि 7 अक्तूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमास के क्रूर आतंकवादी हमले के बाद इजराइल के जवाबी हमले में बत्तीस हजार से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं. जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे व महिलाएं भी शामिल हैं. हमले से गाजा का एक बड़ा हिस्सा खंडहर में तब्दील हो गया है. लाखों लोगों ने पलायन किया है और एक बड़ी आबादी भुखमरी के कगार पर पहुंच गई है. इस अभूतपूर्व मानवीय संकट के बावजूद इजराइली हमले जारी हैं.विडंबना यह है कि तमाम अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद दोनों ही युद्धरत पक्षों के रुख में नरमी नहीं आ रही है. जहां इजराइल के हमले जारी हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा पेश युद्धविराम व बंधकों की रिहाई के लिए मध्यस्थता के नये प्रस्ताव को हमास ने खारिज कर दिया है. (दैनिक ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मलिका/मल्लिका

मल्लिकादि सुगंधिनी मालत्यादिनी वै प्रभो, मया नीतानि पूजार्थं पुष्पोऽयं प्रतिगृह्यताम. यह सनातन धर्म में देवी-देवताओं के पूजन का मंत्र है. इसका पहला शब्द मल्लिका है. पूजा करनेवाला देवी या देवता का ध्यान करते हुए कहता है मल्लिका, मालती आदि सुगंधित पुष्प आपकी पूजा के लिए लाये गये हैं, इन्हें ग्रहण करें. पूजन सामग्री में फूल का अनिवार्य माना जाता है. भविष्य-पुराण के अनुसार, पूजा में मल्लिका आदि फूलों का उपयोग करने के परिणाम उपासक को सभी सुख प्रदान करते हैं. इस मंत्र से यह तो स्पष्ट है कि मल्लिका एक फूल का नाम है, जो सुगंधित है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार मल्लिका संस्कृत तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका अर्थ है चमेली, मोतिया, एक प्रकार का फूल, बेला. इसका श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द है मलिका. यह फारसी मूल का शब्द है और अरबी शब्द मलका का पर्यायवाची है. मलिका या मलका का मतलब संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में महारानी, रानी, रूपवती स्त्री और संज्ञा पुल्लिंग के रूप में है प्रतिभा, बुद्धि की विलक्षणता, अभ्यास से प्राप्त निपुणता, दक्षता है. वह स्त्री जो सत्ता के सिंहासन पर विराजमान हो, शासन करने वाली महिला, महारानी, रानी, राज्ञी, राजमाता, सुलताना, अधीश्वरी, बादशाह या महाराज की पटरानी, राजा की पुत्री, राजकुमारी, लाक्षणिक, किसी गुण या कौशल में सबसे श्रेष्ठ और लोकप्रिय औरत, शहद के छत्ते की सबसे बड़ी मक्खी, जिसके साथ सारी मक्खियां सेविका रहती हैं, शहद के मक्खियों की रानी. विशेष जानकारी के लिए हिंदी शब्द सागर से संपर्क स्थापित किया तो मल्लिका के संबंध में विशेष जानकारी मिली. उस शब्दकोश के अनुसार वैद्यक में मल्लिका एक ऐसा पुष्प है, जिसका स्वाद कड़वा और चरपरा होता है. काव्य शास्त्र के अनुसार मल्लिका आठ अक्षरों का एक वर्णिक छंद है, जिसके प्रत्येक चरण में रगण, जगण और अंत में एक गुरु और एक लघु होता है. जैसे-एक काल रामदेव. सोधु बंधु करत सेव. शोभिजै सबै सो और. मंत्रि मित्र ठौर ठौर.

मूर्खों से ही भरी पड़ी है पूरी दुनिया

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

दुनिया मूर्खों से भरी पड़ी है. एक ढूंढो हज़ार मिलते हैं. कुछ अक्लमंद लोग मूर्खों से इतना परहेज़ करते हैं कि वे उनकी शक्ल तक नहीं देखना चाहते. ऐसे लोगों को एक महामूर्ख ने कहा है कि उन्हें अपने को किसी अकेली अंधी कोठरी में बंद कर लेना चाहिए. बल्कि उन्हें तो अपना आईना तक फोड़ देना चाहिए. ऐसा नहीं है कि बुद्धिमान लोग मूर्खता नहीं करते, लेकिन वे बस, शुरू शुरू में ही मूर्खता करते हैं. बाद में संभल जाते हैं. किन्तु बाद में जब वे मूर्खता करते हैं तो वह छोटी-मोटी मूर्खता नहीं होती. वह हिमालयी- मूर्खता होती है. किसी बड़े पद पर यदि कोई मूर्ख बैठा दिया जाता है तो एक पहाड़ पर बैठे इंसान की तरह उसे नीचे सब लोग बौने दिखाई देने लगते हैं. और मज़ा यह है कि नीचे के लोगों को वह भी बौना ही दीखता है ! हमारा प्रजातंत्र जनता का राज है. ज़ाहिर है, जनता में बुद्धिमानों की बजाय अधिकतर लोग मूर्ख ही होते हैं. और बुद्धिमान भी मूर्खता करने से बाज़ नहीं आते. हम मूर्खों में से ही अपना नेता चुनते हैं और बाद में खुद ही रोते हैं कि हम बड़े मूर्ख हैं, जो ऐसा नेता चुन लिया. ऐसी गलती न करने की हम कसम खाते हैं, लेकिन बार बार यही गलती कर बैठते हैं, क्या किया जाए, मूर्ख जो ठहरे. जो वास्तव में मूर्ख है वह सच्चा मूर्ख होता है, धूर्त नहीं होता. वह कभी धूर्त बनने की कोशिश करे तो भी मूर्ख ही बन जाता है. मुश्किल तब आती है कि जब एक धूर्त अपनी धूर्तता कारगर करने के लिए एक मूर्ख का सफल अभिनय करने लगता है और लोग, जो कि अधिकतर मूर्ख ही होते हैं, उसके जाल में फंस जाते हैं. धूर्तों की सफलता मूर्खों पर ही आश्रित है. मुझे हमेशा मूर्खों से डर बना रहता है, क्योंकि मैं कभी स्वयं को आश्वस्त नहीं कर पाता कि सामनेवाला मूर्ख है या धूर्त. मूर्खों का भी एक प्रारूप-शास्त्र (टाइपोलाजी) है. सभी मूर्ख एक ही कोटि के नहीं होते. मूर्खता में वे भी कम और अधिक होते हैं. मूर्खता की मात्रा में अंतर रहता है. हर मूर्ख को अपनी प्रशंसा के लिए कोई न कोई उससे थोड़ा अधिक मूर्ख मिल ही जाता है. शायद शेक्सपियर ने ही महानता के बारे में कहा था कि कुछ लोग जन्म से महान होते हैं, कुछ महान बना दिए जाते हैं, और कुछों पर महानता थोप दी जाती है. वस्तुतः वह महानता के बारे में नहीं, मूर्खता के बारे में यह बयान देना चाह रहा था. लोक-लाज से बेचारा कह नहीं पाया. वरना लोग उसे ही मूर्खों की किसी न किसी कोटि में डाल ही देते. स्वयं को हमेशा सही समझना सबसे बड़ी मूर्खता है. लेकिन स्वयं को हमेशा बेवकूफ समझना भी कम मूर्खता नहीं है.

मोटिवेशन

12वीं फेल फिल्म से प्रेरणा लें लेकिन....

उम्मीद है आपने 12वीं फेल देखी होगी. लाजवाब फिल्म है, नहीं ? उतनी ही प्रेरणादायक. इस फिल्म ने छात्रों में जान फूंक दी है. उनके हौसले मजबूत हुए हैं. उन्हें अपने सपने साकार होते नजर आ रहे हैं. लेकिन यह फिल्म एक गंभीर समस्या को जन्म देने जा रही है. मैं किस समस्या की ओर इशारा कर रहा हूं, उसे समझने के लिए पहले इन बातों को समझना जरूरी है. हमारे देश में ऐसे कई एग्जाम्स हैं जहां सिर्फ मेहनत काम नहीं आती जैसे कि आईआईटी, आईआईएम, यूपीएससी, सीए, नीट और भी कुछ. इन परीक्षाओं का लेवल कुछ और ही होता है. इन परीक्षाओं की तैयारी करने वालों में ऐसे कई छात्र होते हैं जो 15 से 20 घंटे पढ़ाई करते हैं, बेस्ट कोचिंग इंस्टिट्यूट ज्वाइन करते हैं. फिर भी इन परीक्षाओं में वे सफल नहीं होते. क्यों नहीं होते ? क्योंकि इन परीक्षाओं में सिर्फ पढ़ाई काम नहीं आती. पढ़ाई के साथ-साथ कुछ फैक्टर और काम करते हैं. उन फैक्टर्स के बिना इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना नामुमकिन है. ये फैक्टर्स हैं क्या, आइए इस पर गौर करें -

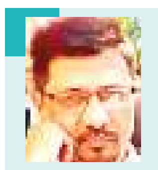

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. **रिटेनिंग पावर अर्थात दिमाग में रखने की क्षमता :** आप भले 20 घंटे पढ़ लें, इससे अंतर नहीं पड़ता. आप कितना प्रतिशत अपने दिमाग में रख पाते हैं, यह बहुत मायने रखता है. कुछ का रिटेनिंग पावर बहुत मजबूत होता है, कुछ का औसत और कुछ का कमजोर. कुछ लोग एक बार पढ़कर ही सारी बातें समझ जाते हैं और उनके दिमाग में सारी बातें छप जाती हैं. बहुत लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें काफी देर से कोई बात समझ में आती है और पढ़ाई लंबे समय तक दिमाग में नहीं टिकती. वे उसे भूल जाते हैं. इस वज़ह से परीक्षा में कुछ प्रश्नों को छोड़ देते हैं या संतोषजनक जवाब नहीं लिख पाते.

2. **रिफ्लेक्शन अर्थात तुरंत सोच पाना, सही निर्णय ले पाना :** सारी प्रतियोगिता परीक्षाओं में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रिफ्लेक्शन की होती है. पढ़ते तो सभी हैं लेकिन ऑन द स्पॉट रिफ्लेक्ट बहुत कम लोग कर पाते हैं. आप कितनी जल्दी प्रश्न समझते हैं, और उसे कैसे, किस मेथड से सॉल्व करना है, इस निर्णय पर पहुंचते हैं यह बहुत ज्यादा मायने रखता है. अगेन, सभी का रिफ्लेक्शन पावर समान नहीं होता. कुछ लोग प्रश्नों को तुरंत समझ जाते हैं और उसे तुरंत सॉल्व करने की क्षमता रखते हैं, वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें प्रश्न तुरंत समझ में नहीं आता. प्रश्न समझ में आता है, तो उसे कैसे सॉल्व करना है, इसका निर्णय तुरंत नहीं ले पाते.

3. **रेगुलैरिटी अर्थात नियमितता :** ज्यादातर स्टूडेंट पढ़ाई में नियमित नहीं रह पाते. कुछ दिन जमकर पढ़ाई करते हैं, और कुछ दिन बिल्कुल पढ़ाई नहीं करते. अनियमितता से पढ़ने का, समझने का, जवाब देने का रिदम ब्रेक होता है. ये सारे ऐसे एग्जाम हैं, जिसमें एक दिन की ढिलाई भारी पड़ सकती है. इन तीनों 'आर' अर्थात रिटेनिंग पावर, रिफ्लेक्शन और रेगुलैरिटी को मिला दिया जाए तो एक टर्म सामने आता है - पोटेंशियल्टी चेक अर्थात खुद की क्षमता का टेस्ट.

12वीं फेल से प्रेरणा लेकर पढ़ने वालों से अनुरोध है कि पहले अपनी पोटेंशियल्टी चेक जरूर कर लें, अपना आत्म विश्लेषण जरूर कर लें.

- ✓ आप जो पढ़ते हैं, क्या वह तुरंत समझ में आता है और लंबे समय तक दिमाग में रहता है?
- ✓ क्या आप ऑन द स्पॉट सोच पाते हैं और कौन सा मेथड अप्लाई करना है, दिमाग में तुरंत आता है?
- ✓ क्या आप बिना नागा 365 डेज उसी समर्पण से पढ़ने का जुनून रखते हैं?

अगर तीनों का जवाब हां है तो आप पूरे जुनून के साथ लग जाइए, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कीजिए. इन तीनों में से एक की भी कमी है, तो पुनः विचार करें. आपका समय, मेहनत और पैसा बचेगा. यह फिल्म लोगों को गलत ढंग से मोटिवेट करने वाली है. लोग बिना सेल्फ एसेसमेंट के, बिना पोटेंशियल्टी चेक के परीक्षा की तैयारी में कूद पड़ेंगे, जो उनके हित में नहीं होगा.

मूल मंत्र : स्टीव वेंटवोर्थ ने बहुत सही बात कही है – गलत दिशा में आप हजारों कदम क्यों न ले लें, परिणाम सकारात्मक नहीं हो सकता. गलत दिशा में बड़े कदम बढ़ाने से बेहतर है, सही दिशा में छोटे कदम बढ़ाना. सही दिशा में छोटे कदम आपको बेहतरीन परिणाम देंगे, मन की शांति भी. सही दिशा में, सही मेहनत सही परिणाम लाता है. बेजोड़ मेहनत अगर क्षमता और इंटरेस्ट के अपोजिट हो तो परिणाम निराशाजनक होता है.

याद आता है साहित्यकार और सांसद महुआ माजी का वर्षों पहले सुनाया गया एक प्रसंग. उन्होंने बताया कि एक बार एक ऐसे परिचित के यहां से बेटे की शादी का कार्ड आया जो रहते तो उसी शहर में रहते थे, पर पति-पत्नी के अलावा परिवार में किसी और से महुआ जी की मुलाकात नहीं हुई थी. अच्छा सा उपहार लेकर वे अपनी जेठानी के साथ अच्छी तरह श्रृंगार कर कार्यक्रम स्थल (कम्यूनिटी हॉल) में पहुंचीं. मंच पर वर-वधू बैठे थे, जिन्हें उन्होंने उपहार दिया. परिचित मेजबान नजर नहीं आने पर वर से पूछा कि आपके मम्मी पापा कहां हैं? उन्होंने जिन लोगों की तरफ इशारा किया, वहां भी उन्हें कोई परिचित नहीं दिखा. ऐसे में बिना खाए पिए वे उस जगह से निकल गए. पर मन का खटका बरकरार था, लिहाजा उनके घर गईं. वहां पूरा अंधेरा सा था. पास में किसी से पूछा तो पता चला कि आज दूसरे शहर में उनके बेटे की शादी है जिसके लिए बीती शाम ही वे सपरिवार निकल गए थे. दो दिन बाद कम्यूनिटी हॉल (जी हां, उसी कम्यूनिटी हॉल में) उनके बेटे बहू का स्वागत समारोह है. अब महुआ जी को माजरा समझ आया कि शादी की डेट तो देख ली पर शादी की जगह नहीं देखी और न स्वागत समारोह का विवरण सही तरीके से पढ़ा. बहरहाल बिना खाए पीए खुद पर हंसते हुए वे लोग घर पहुंचे तो किचन में भी कुंडी लग चुकी थी. अब महुआ जी शायद शादी के कार्ड को सबसे अधिक गंभीरता से पढ़ती होंगी.

रांची रंगमंच के कलाकार करीब दो वर्षों से हर महीने अंतिम रविवार को ठहाका मिलन का आयोजन करते हैं. कला-संस्कृति पर विमर्श के साथ जम कर साथ में ठहाके लगाना इनका खास मकसद है. डॉ सुशील अंकन की पहल से शुरू इस कार्यक्रम के डॉ कमल बोस, राकेश रमण, रीना सहाय, कुमकुम गौड़, खुकुरानी दास, ऋषिकेश कांस्यकार, कैलाश मानव, फ़जल इमाम, मधुरेश चन्द्रा, राजीव सिन्हा आदि आयोजक रहे हैं.

हंसिए और खुद पर हंसिए

पहली अप्रैल को मूर्ख दिवस के तौर पर मनाया जाता है. बेशक इसके पीछे कई कहानियां, घटनाएं और कई तर्क हैं. पर सच पूछिए तो मूर्खता के लिए कोई दिन मुकर्रर करना बेमानी है. यह दिन, काल, देश, प्रांत, भाषा, संस्कृति आदि से ही नहीं, बल्कि शिक्षा और डिग्रियों से भी परे है. कौन है जो जिंदगी में कभी मूर्ख नहीं बना! हां, बुद्धिमानी इसमें है कि हम अपनी मूर्खता को लेते कैसे हैं. खुद पर हंसते हैं या औरों को रूलाते हैं. बेशक हमेशा ऐसी परिस्थिति में खुद पर हंसना आसान नहीं होता. पर खुद की मूर्खता कई बार जिंदगी का सबक भी दे जाती हैं. हंसने के और भी कई शारीरिक-मानिसक फायदे हैं. सोच सकारात्मक रखें तो यह संबंधों में भी खाद पानी दे जाता. भले थोड़े व्यंग्यात्मक अर्थ में पर किसी कवि ने क्या खूब लिखा है, बन चुके बहुत तुम ज्ञानचंद, बुद्धिप्रकाश, विद्यासागर/ पर अब कुछ दिन को कहा मान तुम लाला मूसलचंद बनो/ अब मूर्ख बनो, मति मंद बनो/ यदि मूर्ख बनोगे तो प्यारे/ दुनिया में आदर पाओगे...

यहीं जानवरों से जुदा

शायद उस रात महुआ जी को अपनी जेठानी के साथ ब्रेड बटर जैसी चीजों से पेट भरना पड़ा होगा, पर घटना के कारण खुद पर हंसना तन मन को यकीनन तरोताजा कर गया होगा. हंसना लाभप्रद है, यह तो हम सभी जानते हैं. इसीलिए तो अब लोग लाफ्टर क्लब के सदस्य बनने लगे हैं. पर प्रश्न है कि क्या हमारी हंसी इतनी दुर्लभ हो गई है कि हम इसके लिए बनावटी तरीका अख्तियार करें. कवि सम्मेलनों में कुमार विश्वास अक्सर कहते नजर आते हैं कि आदमी और जानवर में सबसे बड़ा अंतर यही है कि आदमी हंस सकता है पर जानवर नहीं. यदि कोई जानवर आपको हंसता दिखे तो समझिए कि उसके इंसान बनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. वहीं यदि को आदमी नहीं हंसे तो समझिए कि .....बहरहाल यह तो बात हुई मजाक की. पर जिंदगी की गंभीरता यही है कि ढूढिए दिन प्रतिदिन की घटनाओं में हंसने का बहाना. दूसरों पर नहीं खुद पर, तभी सकारात्मक सोच भी होगी.

पिछली बार कब लोटपोट हुए आप?

हंसना-हंसाना बहुत बड़ा काम हो गया है. हास्य कवियों का फीस आपको चौंका सकती है. यह और बात है कि ऊंचा पेमेंट लेकर भी कई बार वे घिसे-पीटे चुटकुलों को ही परोस देते हैं. बहरहाल, हंसाने के लिए टीवी पर कई लाफ्टर शोज और हास्य धारावाहिक आते हैं और बेशक उनकी टीआरपी भी अच्छी खासी रहती है. दरअसल ये सारी मशक्कत इसलिए कि हम हंसना अब भूल से गए हैं. बड़ी सी बड़ी बात पर महज मुस्कुरा देना हमारी आदत सी बन गई है. यकीन न हो तो खुद ही याद कर बताएं कि पिछली बार आप कब लोटपोट होकर हंसे थे? कभी हंसते भी हैं तो औरों की बेवकूफी पर. यह बहुत आसान काम है. एकबार कोशिश करके देखिए अपनी बेवकूफी पर हंस कर. ज्यादा मजा आएगा, हालांकि यह थोड़ा कठीन काम है. आप बड़े तभी हैं जब आप खुद पर हंसने की कला जानते हैं. आंटी-अंकल कहे जाने की उम्र में भी भैया-दीदी का संबोधन चाहते हैं तो किसी साबुन या क्रीम से ज्यादा अपनी हंसी पर भरोसा कीजिए. जी हां, इसमें दो राय नहीं कि हंसने से चेहरे की मांसपेशियों का बेहतर एक्सरसाइज होता. इससे झुर्रिंया जल्दी नहीं पड़ती. हंसने के दौरान हम गहरी सांस लेते और छोड़ते हैं. इस कारण शरीर में ऑक्सीजन का संचार बेहतर होता है. यही कारण है कि हंसने-हंसाने वाला इंसान न केवल अधिक जवां दिखता है, बल्कि ऊर्जावान भी रहता है.

यह है मूर्ख दिवस

एक अप्रैल को अप्रैल फूल मनाए जाने के पीछे कई कारण, घटनाओं और तर्क की बात की जाती है. 1698 में एक अप्रैल को ही शेर की धुलाई देखने के लिए कई लोगों को धोखे से टावर ऑफ लंदन ले जाया गया था. कहानी नन्स प्रीस्टस टेल के मुताबिक इंग्लैंड के शासक रिचर्ड सेकेंड और बाहेमिया की रसनी एनी की सगाई की तारीख 32 मार्च घोषित कर दी गई थी जिसे जनता ने सच मान लिया था. तब से 32 मार्च यानि एक अप्रैल को मूर्ख दिवस के तौर पर मनाया जाता है. एक अन्य कहानी के मुताबिक 1539 में फ्लेमिश कवि डे डेने ने एक अमीर आदमी के बारे में उल्लेख किया जिने एक अप्रैल को ही अपने नौकरों को मूर्खतापूर्ण कामों को अंजाम देने के लिए बाहर भेजा.

ये हैं खुद पर हंसने वाले जांबाज

वह भूख और सामने रसगुल्ले

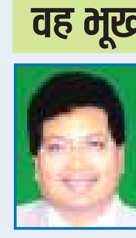

सुशील अंकन

बात नब्बे दशक के शुरुआत की है. दूरदर्शन के लिए एक टेली-नाटक 'धंगरिन' की शूटिंग रांची की फिल्म सिटी कहे जाने वाले बोड़या ग्राम मे चल रही थी. इसके निर्देशक भूपेन्द्र नारायण सिंह और लेखक एमएस बेक थे. मैं एक बी.डी.ओ. की भूमिका में था जो अपने ब्लॉक में निरीक्षण के लिए पहुंचता है. वहां उसे प्रसन्न करने के लिए लोग कई तरह के नजराना लेकर आते हैं. इन्हीं में से एक परिवार रसगुल्ला लेकर वहां उपस्थित हुआ. स्क्रिप्ट के अनुसार मेरे किरदार को रसगुल्ला अस्वीकार करना था. शूटिंग सुबह से चालू थी और दोपहर के दो बज गए थे. पेट में चूहे दौड़ रहे थे और सामने रसगुल्ला रखा था. कैमरामैन ने जैसे ही एक्शन कहा मैंने रसगुल्ला गटक लिया. कैमरा मैन ने कट कहा, फिर से टेक लिया गया. इस बार भी एक्शन बोलने के साथ सामने प्लेट मे रखा रसगुल्ला उठाया और फिर गटक लिया. ऐसा करते करते करीब आठ रसगुल्ले मैंने गटक लिए. उधर पूरी टीम हैरान थी कि एक बार में सीन ओके करने वाले अंकन जी को क्यों इतने टेक देने पड़ रहे हैं, क्यों सीन ओके करने में वक्त लग रहा है ? सारी बातें गंभीरता के साथ हो रही थीं और प्रोड्यूसर, लाइटमैन, साउन्ड रेकॉरडिस्ट, मेकअप-मैन सीन ठीक से हो जाए इसलिए सभी अपने अपने कामों के प्रति गंभीर थे, लेकिन जब बात कैमरामैन के समझ में आई तो पूरी टीम शूटिंग छोड़ रसगुल्ले की हांडी पर यह कहते हुए टूट पड़े कि सब के लिए दो-दो के हिसाब से रसगुल्ले मंगाए गए थे अंकन जी ने अकेले आठ खा लिए. तब पूरी टीम हंसगुल्ले और ठहाकों के साथ हो लिए और लंच ब्रेक हुआ. आज भी जब यह घटना याद आती है तो होंठो पर मुस्कान फैल जाती है.

और गैराज में बंद रह गई थी मैं

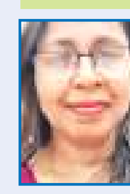

जयमाला

तब मैं सुदंरवती महिला महाविद्यालय भागलपुर की छात्रा थी. छात्रावास की सीटें फुल होने की वजह से महाविद्यालय ने एक वैकल्पिक छात्रावास की व्यवस्था की थी जो काफी दूर था. हमें वहां तक आने-जाने के लिए बस की व्यवस्था की गई थी. हमारी क्लासें चाहे जितनी भी हो या जब भी हो, हमें सुबह नौ बजे निकलना होता और शाम के तीन बजकर बीस मिनट में ही वापस आना होता था. तीन बीस की बस किसी कारण से छूट जाए तो, पांच बजे तक का इंतजार करना पड़ता था. हमारी क्लासें खत्म होने के बाद हम सब महाविद्यालय के गैराज के इर्द-गिर्द इकट्ठा होकर बस ड्राईवर टीप्पू जी का इंतजार करते थे. एक रोज किसी कारण से हमारी क्लास कैंसिल हो गई. अब हम वापस कैसे जाएं? हम वहीं गैराज के आसपास अपना टाइमपास कर रहे थे. तभी हमें टीप्पू जी आते दिखाई दिए. उनके पीछे-पीछे हम भी गैराज में घुस गए. उन्होंने कहा कि वे अभी बस नहीं निकाल रहे, इसलिए आप लोग सब बाहर ही रहें. पर मेरी कुछ सहपाठियों ने कहा कि ठीक है हमें अपना बस्ता रख लेने दीजीए. सबने अपने बस्ते रख कर उतर गई. मैं जब तक उतरती तब तक टीप्पू जी ने गैराज लॉक कर दिया. उन्होंने मुझे देखा ही नहीं. पहले तो मैं घबराई. मैं चाहती तो आवाज लगा कर बुला सकती थी लेकिन उस समय मेरे गले से आवाज ही नहीं निकली. फिर मुझे लगा कि घंटे डेढ़ घंटे बाद जाना ही है तो क्यों न बस में ही आराम से बैठा जाए वैसे भी बाहर बहुत तेज धूप थी. अभी कुछ ही मिनट बीते थे कि, टीप्पू जी फिर से आए. ठीक तभी मैं बस से बाहर निकल आई. मुझे देखते ही उनके चेहरे का रंग उड़ गया जैसे कोई भूत देख लिया हो. उस दिन की अपनी बेवकूफी पर आज भी मुझे बहुत हंसी आती है.

उस बेवकूफी पर आज भी हंसता हूं

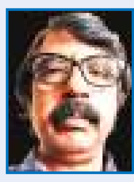

अनुराग अन्वेषी

बात 1993 की है. आकाशवाणी रांची में मैं आकस्मिक उद्घोषक था और रंगमंच पर सक्रिय था. उसी समय मैंने संजीव की कहानी 'अपराध' पढ़ी थी और यह मुझे नाटक के लिहाज से मुफीद लगी. मैंने इस कहानी का नाट्य रूपांतर करना चाहा. उस दौर में संजीव आकाशवाणी रांची के हिंदी सेक्शन में आया करते थे. हिंदी सेक्शन के प्रोग्राम एग्जिक्यूटिव निवास चंद्र ठाकुर थे. मैं निवास जी के कमरे में गया. वे किसी से बात कर रहे थे. मैंने उनसे कहा कि भइया, संजीव का पता दीजिए न. उनकी कहानी 'अपराध' का नाट्य रूपांतर करना है तो इसके लिए उनसे परमिशन लेनी है. उन्होंने कहा कि जाओ कर लो, मैंने उनकी तरफ से दे दी परमिशन. मैं जब तक कुछ कहता उस कमरे में बैठे सज्जन ने कहा कि 'अपराध' ही क्यों, उनकी दर्जनों कहानियां इससे बेहतर हैं. मैंने उन सज्जन को उपेक्षित करते हुए कहा 'आपकी नजर में होगी, मेरी नजर में 'अपराध' उनकी तमाम कहानियों पर भारी है.' लेकिन उन सज्जन ने मेरे से 'अपराध' पर बहस करना शुरू कर दिया. मैंने भी उन्हें तड़ातड़ जवाब देना शुरू किया. मेरी आवाज में लड़कपन का जोश और रोष था और वो सज्जन बस अपनी बात रखते और मुस्कुरा देते. इससे मेरा पारा और चढ़ रहा था. तब निवास जी ने हस्तक्षेप करते हुए उन सज्जन से कहा 'ये विद्याभूषण जी का बेटा है'. तब मैंने सख्ती से कहा 'विद्याभूषण जी का बेटा होने के नाते यह बहस नहीं कर रहा, अनुराग अन्वेषी हूं इस नाते सारी बात कह रहा.' तब निवास जी ने हंसते हुए कहा 'अरे रुको अनुराग, ये हैं संजीव.' मेरा मुंह खुला का खुला रह गया. संजीव के चेहरे पर स्नेहिल मुस्कान थी और मेरे चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं. झेंपा सा मैं झटके से मुड़ा और वहां से मैं फरार हो गया. अब अपने लड़कपन को याद करता हूं तो हंसी आती है.

मुंह में आया पानी

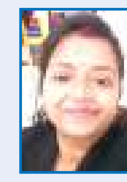

सत्या सिन्हा

दिनचर्या से थककर व जरा पूछ बढ़ाने के लिए एक दिन मैंने पेटदर्द का बहाना किया और सोने का नाटक करने लगी. पतिदेव मजाकिया अंदाज़ में बोले कि आज चाहोगी तो भी बिस्तर से उठने न दूंगा. इतना कहते हुए उन्होंने ऑनलाइन खाना ऑर्डर कर दिया. सारा खाना मेरी पसंद का था. फिर उन्होंने कामवाली बाई को मेरे लिए खिचड़ी बनाने को कहा, जिससे पेटदर्द में भी मैं खा लूं. मैं तो अपने बिछाये नाटक के जाल में फंस गई. थोड़ी देर बाद जब खाने के लिए डाइनिंग टेबल पर बुलाया गया तो मैंने देखा कि खिचड़ी तो थी ही नहीं. टेबल पर रखी बिरयानी देख मुंह में पानी आ रहा था, तभी सभी ठहाके मारकर हंस पड़े. तभी विक्की जी ठहाका मारकर हंस पड़े और बोले मुझे पता था कि सब नाटक है और हमने पूरी प्लानिंग कर दी. तब लगा कि मैं जबरदस्त बेवकूफ बनी और मन ही मन हंसती रही.

इन दिनों मेरी किताब

थोड़े में बहुत कुछ कहती कविताएं

हिंदी साहित्य सृजन में लगातार सक्रिय प्रवीण परिमल की नवीन काव्य कृति 'धुंध में पहाड़' स्वतंत्र प्रकाशन, दिल्ली से आई है. भूमिका देवेंद्र आर्य ने लिखी है. कवि ने किताब में हृदय के उदात्त भाव व जनपक्षधरता के स्वर को अभिव्यक्त किया है. संकलित कुल 54 कविताएं जीवन के कई पक्षों से परिचय कराती हैं. कवि ने अपने कवित्व विवेक का सुंदर परिचय अपनी पहली ही कविता 'धुंध में पहाड़' में दे दिया है. पहाड़ के बहाने कवि ने एक पिता के विराट अस्तित्व को रेखांकित किया है. संतान जब परिपक्वता प्राप्त कर लेती है तब उसे पिता के बलिदान का एहसास होता है. कविता की ये पंक्तियां कितनी सहजता से पिता होने की ज़िम्मेदारी का बोध संतान को कराती हैं -

उज्ज्वल पांडेय

"उसके सामर्थ्य और सहनशीलता से
अनभिज्ञ हम
अंत तक
अपनी ज़रूरतों के 'डायनामाइट' लगाते रहे
और पहाड़ को
क्रमशः जर्जर बनाते रहे."

कवि की ख़ासियत यह है कि अपने इर्द-गिर्द से विषयों का चुनाव कर गहरी बात कह जाते हैं. 'डरता है राजा' कविता में कवि ने गोरख पांडेय सा लहज़ा पकड़ लिया है. किसी भी दौर में राजा के ख़िलाफ़ बोलना एक अपार साहस का कार्य रहा है. हिम्मतगर प्रवीण परिमल ने स्पष्ट बता दिया है कि तमाम ताक़तों से लैश एक शासक आख़िर डरता किससे है! कुछ पंक्तियां देखिए -

"दरसल डरता है राजा/लोहे के बने हथियारों से कहीं अधिक/ हिम्मत और हौसलों के औज़ारों से/ हवा में तनी हुई मुट्ठियों/ धमनियों में खौलते लहू के ताप और संघर्षों की आग से/ उतना ही डरता है राजा/ जितना कोई आदमखोर पशु!"

'हाथी' शीर्षक कविता में कवि ने जहां लूट-खसोट करनेवाले विध्वंसकारी वर्ग की पशुता को उजागर किया है, वहीं 'धान कूटती हुई औरतें' कविता में संघर्ष से जन्में सौंदर्य की खूबसूरत व्याख्या प्रस्तुत की है. 'रिक्शे पर सवार दो वृद्ध' शीर्षक कविता भी पाठकों के बीच एक वाजिब प्रश्न छोड़ जाती है. अपनी पूरी रचना यात्रा में कवि ने कहीं भी यथार्थ को स्वयं से बिसराया नहीं है, इसका प्रमाण उनकी छोटी-सी कविता 'वस्तुस्थिति' दे देती है. 'बेरोज़गारी' और 'ग़रीबी' शीर्षक कविताएं एक ईमानदार नागरिक के रूप में कवि की सजगता को दर्शाती हैं. कवि ने जहां-जहां भी सफ़र किया है, वहां-वहां की दृश्यावलियों को भी पाठकों के रसास्वादन के लिए अपने साथ बांधकर लाना नहीं भूला है. कवि उड़ीसा के पुरी तट पर आनंद और जीवन-यापन में जुटे बालकों के संघर्ष को एक साथ देखता है और फिर इन मार्मिक पंक्तियों को अपनी कविता 'पुरी समुद्र तट पर एक दिन' में दर्ज करता है -

"बालू पर बच्चों द्वारा घरौंदे बनाना/ और हठी लहरों का आकर उन्हें मिटा जाना/ सचमुच कितना भला लगता है/बस अगर कुछ भला नहीं लगता/तो भूख से लड़ते नन्हे-नन्हे हाथ/नन्हे-नन्हे पांव/और नन्ही-नन्ही शक्लें!"

यह लाज़िम है कि एक विचारसंपन्न कवि किसी प्राकृतिक दृश्य को भी देखेगा तो उसका महज़ सतही वर्णन नहीं करेगा, वह उस दृश्य के भीतर गोते लगाएगा और निहितार्थ का विश्लेषण भी करेगा. प्रवीण परिमल ने ऐसा ही किया है, चाहे वह कविता 'सूर्यमंदिर देखते हुए' हो अथवा 'चांदनी रात में ताजमहल देखते हुए!'

इस पुस्तक के अंत में दो प्रेम कविताएं भी शामिल हैं. ये दोनों कविताएं थोड़ी लंबी ज़रूर हैं, लेकिन कहीं भी टूटती नहीं दिखतीं. इनमें कवि ने अपने जीवन की मधुर प्रेम-स्मृतियों को व्यक्त किया है जिसे पढ़ते हुए सहृदय पाठक भी अपने-अपने स्नेहिल अतीत में डूब अवश्य जाएंगे और एक स्वाभाविक मुस्कान अधरों पर आ जाएगी. काव्य पुस्तक 'धुंध में पहाड़' की कविताएं पाठक से सीधा संवाद करती हैं. इन्हें एक बार ज़रूर पढ़ा जाना चाहिए.

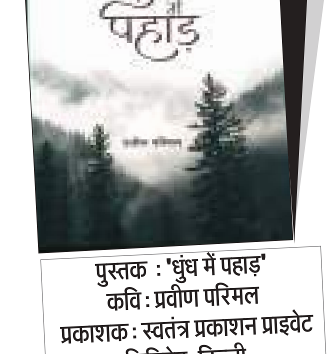

पुस्तक : 'धुंध में पहाड़'
कवि : प्रवीण परिमल
प्रकाशक : स्वतंत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
मूल्य : ₹ 199/ पृष्ठ संख्या : 104

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : मोहित शर्मा की शानदार गेंदबाजी, के डेविड मिलर ने गुजरात के लिए खेली आक्रामक पारी

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराया

भाषा . अहमदाबाद

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा (25 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद डेविड मिलर की 44 रन की आक्रामक पारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से शिकस्त दी. मोहित शर्मा ने डैथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया जबकि अफगानिस्तान के स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की जिसके दम पर गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट पर 162 रन पर रोक दिया. टाइटंस ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 168 रन बनाकर मैच अपने नाम किया. मिलर ने मांसपेशियों में खिंचाव के बावजूद 27 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये. उन्होंने बी साई सुदर्शन (36 गेंद में 45 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी और फिर विजय शंकर (11 गेंद में नाबाद 14 रन) के साथ 18 गेंद में 30 रन जोड़कर टीम को लक्ष्य के पार पहुंचाया. सलामी बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (13 गेंद में 25 रन) और शुभमन गिल (28 गेंद में 36 रन) ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिया. सनराइजर्स के लिए पैट कमिंस, मयंक मार्कंडेय और शाहबाज अहमद ने एक-एक विकेट लिये. लक्ष्य का पीछा करते हुए साहा ने शाहबाज और जयदेव उनादकट के खिलाफ छक्के जड़े. शाहबाज ने हालांकि पारी के पांचवें ओवर में कमिंस के हाथों साहा की पारी को खत्म किया. गिल ने इसी ओवर में छक्का जड़ा तो वह इंपैक्ट सब्सीट्यूट सुदर्शन ने भुवनेश्वर के खिलाफ चौका लगाकर टीम के स्कोर को पावर प्ले में एक विकेट पर 52 रन कर दिया. सनराइजर्स के गेंदबाजों ने इसके बाद गुजरात टाइटंस को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया. टीम को इसका फायदा 10वें ओवर में गिल के विकेट के तौर पर मिला. वह मार्कंडेय का शिकार बने. साई सुदर्शन और डेविड मिलर अगले कुछ ओवरों में दौड़ कर रन लेने पर जोर दिया. अब तक रक्षात्मक खेल रहे सुदर्शन ने कमिंस और वाशिंगटन के खिलाफ 13वें और 14वें ओवर में चौका जड़ दबाव कम किया.

गुजरात ने पारी के 16वें ओवर में मैच का रुख पलट दिया. मार्कंडेय के इस ओवर में 26 रन बने जिसमें मिलर ने एक छक्का और दो चौके लगाये. इस ओवर में सुदर्शन ने भी एक छक्का जड़ा लेकिन अगले ओवर में कप्तान कमिंस की गेंद पर अभिषेक को कैच दे बैठे. इसका मिलर की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने अंतिम ओवर में उनादकट की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी.

नूर के सामने खुलकर नहीं खेल सके हैदराबाद के बल्लेबाज : इससे पहले पिछले मैच में 277 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सनराइजर्स ने पावरप्ले के भीतर एक विकेट खोकर 56 रन बनाये लेकिन उसके बाद अफगानिस्तान के स्पिनरों ने बीच के ओवरों में खुलकर खेलने नहीं दिया . नूर ने 32 रन देकर और राशिद ने 33 रन देकर एक एक विकेट लिया . नूर ने फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (19) को सस्ते में आउट किया जबकि राशिद ने हेनरिच क्लासेन (24) को पवेलियन भेजा . राशिद ने डाइव करके एडेन मार्कराम का कैच भी लपका . उन्होंने आखिरी पांच ओवर में पांच विकेट सिर्फ 40 रन के भीतर गंवा दिये .

स्कोर कार्ड

सरनराइजर्स हैदराबाद

बल्लेबाजी	रन	बॉल	4	6
हेड बोल्ड नूर अहमद	19	14	3	0
मयंक कै नालकंडे बो उमरजई 16	17	2	0	
अभिषेक कै गिल बो शर्मा	29	20	2	2
मार्करम कै राशिद बो यादव	17	19	0	0
क्लासेन बो राशिद	24	13	1	2
शाहबाज कै तेवतिया बो शर्मा	22	20	1	1
समद रन आउट (नूर अहमद/साहा) 29	14	3	1	
सुंदर कै राशिद बो शर्मा	0	1	0	0
कमिंस नॉट आउट	2	2	0	0

अतिरिक्त :4, कुल : 162/8 (20 ओवर), **विकेट पतन :** 1-34 (मयंक अग्रवाल, 4.2 ओवर), 2-58 (ट्रैविस हेड, 6.4 ओवर), 3-74 (अभिषेक शर्मा, 9.6 ओवर), 4-108 (हेनरिक क्लासेन, 13.4 ओवर), 5- 114 (एडेन मार्कराम, 14.4 ओवर), 6-159 (शाहबाज़ अहमद, 19.2 ओवर), 7-159 (वाशिंगटन सुंदर, 19.3 ओवर), 8-162 (अब्दुल समद, 19.6 ओवर), **गेंदबाजी :** अजमतुल्लाह उमरजई : 3-0-24-1, उमेश यादव : 3-0-28-1, राशिद खान : 4-0-33-1, नूर अहमद : 4-0-32-1, मोहित शर्मा : 4-0-25-3, दर्शन नालकंडे : 2-0-18-0

44 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली मिलर ने

गुजरात टाइटंस

बल्लेबाजी	रन	बॉल	4	6
साहा कै कमिंस बो शाहबाज	25	13	1	2
गिल कै समद बो मारकंडे	36	28	2	1
सुदर्शन कै अभिषेक बो कमिंस	45	36	4	1
मिलर नॉटआउट	44	27	4	2
शंकर नॉटआउट	14	11	2	0

अतिरिक्त : 4, **कुल :** 168/3 (19.1 ओवर), **विकेट पतन :** 1-36 (ऋद्धिमान साहा, 4.1 ओवर), 2-74 (शुभमन गिल, 9.1 ओवर), 3-138 (साई सुदर्शन, 16.1 ओवर), **गेंदबाजी :** भुवनेश्वर कुमार : 4-0-27-0, शाहबाज अहमद : 2-0-20-1, जयदेव उनादकट : 3.1-0-33-0, वॉशिंगटन सुंदर : 3-0-27-0, मयंक मारकंडे : 3-0-33-1, पैट कमिंस : 4-0-28-1

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सिलसिला खत्म करना चाहेगा मुंबई

समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

- दोनों टीमों के बीच पिछले पांच मैचों में मुंबई ने चार जीते हैं
- मुंबई को पिछले दो मैच में करना पड़ा है हार का सामना
- राजस्थान में अपने पिछले दोनों मुकाबले जीते है

भाषा . मुंबई

हार्दिक पंड्या की अगुवाई में शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम लय में चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी तो हार के सिलसिले को खत्म करना चाहेगी. मुंबई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी धीमी शुरुआत के लिए जाना जाता है और पंड्या के कप्तान बनने के बाद भी इस में कोई बदलाव नहीं आया है. मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तान बनाये जाने का फैसला प्रशंसकों को नागवार गुजरा और इस हरफनमौला खिलाड़ी को शुरुआती मैचों में दर्शकों की हूटिंग का भी सामना करना पड़ा. मुंबई इंडियंस को पंड्या की पूर्व टीम गुजरात टाइटंस ने सत्र के पहले मैच में छह रन से हराया जबकि हैदराबाद में बड़े स्कोर के रिकॉर्ड वाले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे 32 रन से शिकस्त दी. इन दो हार के बाद टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें पायदान पर है. यह हालांकि आईपीएल के 17 वें सत्र का शुरुआती चरण है लेकिन मुंबई की टीम हार के सिलसिले को खत्म करने के साथ अपने नेट रन रेट (-0.925) को भी सुधारना चाहेगी. मुंबई को अपने अनुभवी खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की कमी खल रही है जो चोट से उबर रहे है. दोनों टीमों के बीच पिछले पांच मैचों में मुंबई की टीम चार जीत दर्ज करने में सफल रही है.

राजस्थान का इस सत्र में प्रदर्शन शानदार : संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स ने इस सत्र में अब तक कमाल का प्रदर्शन किया है. टीम ने अपने दोनों मैच जीते है और इस दौरान उसके ज्यादातर खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है. सैमसन आईपीएल के शुरुआती चरण में बेहतरीन लय में है बेहद प्रतिभाशाली यशस्वी जयसवाल इस सत्र अपना पहला बड़ा स्कोर बनाने के लिए उत्सुक होंगे. जायसवाल अपने घरेलू मैदान पर लौट रहे हैं, जहां उन्होंने दोनों टीमों के बीच खेले गये पिछले मैच में 62 गेंदों में 124 रनों की तूफानी पारी खेली थी. इस मैच में हालांकि उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा था. मध्यक्रम में रियान पराग पर भरोसा दिखाना राजस्थान के लिए अच्छा साबित हो रहा है.

टीमें

- **मुंबई इंडियंस :** हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएत्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी , नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड, सूर्यकुमार यादव .
- **राजस्थान रॉयल्स :** संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान .

धोनी की तूफानी पारी भी चेन्नई सुपर किंग्स को नहीं दिला पाई जीत

दिल्ली कैपिटल्स का खाता खुला

एजेंसी। विशाखापत्तनम

आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का खाता खुल गया है. डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम पर खेलते गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 20 रन से हराया. दिल्ली की पहली जीत के साथ ही चेन्नई की यह सीजन में पहली हार है. टॉस जीतने के बाद पहले खेलते हुए दिल्ली ने 5 विकेट पर 191 रन बनाए. चेन्नई की शुरुआत खराब रही और पूरी कोशिश के बाद भी टीम 6 विकेट पर 171 रन ही बना सकी. सीजन में पहली बार बैटिंग करने उतरे धोनी ने 16 गेंद पर 37 रन बनाए. दिल्ली ने 2021 सीजन के बाद चेन्नई को हराया है.

ओपनर्स के साथ पंत चमके : दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वॉर्नर (52 रन) और पृथ्वी शॉ (43 रन) के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी के बाद कप्तान ऋषभ पंत (51 रन) के अर्धशतक की मदद से बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही. पंत की 32 गेंद की अर्धशतकीय पारी आकर्षण का केंद्र रही जिसमें चार चौके और तीन छक्के जड़े थे. फॉर्म में चल रहे वॉर्नर ने 35 गेंद की पारी के दौरान पांच चौके और तीन छक्के जमाये. सीरीज का पहला मैच खेल रहे पृथ्वी ने एक बार फिर सभी को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की याद दिला दी. उन्होंने 27 गेंद में 43 रन की पारी में दो छक्के और चार चौके लगाये. इससे पहले तुषार देशपांडे ने अपनी 'वैरिएशन'का अच्छा इस्तेमाल करते हुए अपने पहले दो ओवर में सिर्फ आठ रन दिये जबकि पावरप्ले में अपने तीन ओवर डालने वाले दीपक चाहर पर दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों ने खूब रन बटोरे. वॉर्नर ने दो बार उन पर लेग साइड पर दो चौके जमाये. पांचवें ओवर में दूसरे छक्के के बाद उन्होंने दो चौके जड़े जिससे दिल्ली की टीम ने इस ओवर में 18 रन बनाये.

पीसीबी ने बाबर को फिर सौंपी सीमित ओवर प्रारूप की कप्तानी

भाषा . लाहौर

- टी-20 में शाहीन की जहग कप्तानी करेंगे बाबर
- पिछले साल विश्व कप के बाद बाबर में छोड़ी थी कप्तानी

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को टी-20 विश्व कप से दो महीने पहले रविवार को फिर से सफेद गेंद प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया है. बाबर टी-20 कप्तान के रूप में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 4-1 की हार में पाकिस्तान का नेतृत्व किया था. यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद लिया गया. पीसीबी ने कहा कि चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के सफेद गेंद प्रारूप (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) कप्तान नियुक्त किया है. पीसीबी प्रमुख नकवी के साथ लाहौर में हाल ही में एक बैठक के दौरान, बाबर ने कथित तौर पर अपने कार्यकाल को लेकर आश्वासन के साथ टेस्ट टीम का कप्तान भी नियुक्त करने की मांग की थी. पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने हालांकि खुलासा किया कि नकवी ने बोर्ड के रुख को स्पष्ट करते हुए संकेत दिया कि बाबर को सफेद गेंद के प्रारूप में पर्याप्त मौका दिया जाएगा, लेकिन टेस्ट कप्तानी पर फैसला बाद में किया जाएगा. मौजूदा समय में शान मसूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान है. सूत्र ने कहा कि नकवी ने बाबर को स्पष्ट कर दिया कि पीसीबी लाल गेंद के विदेशी कोच की नियुक्ति के बाद टेस्ट कप्तानी पर फैसला करेगा. टी-20 विश्व कप तक पाकिस्तान को कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है. बाबर ने पिछले साल नवंबर में भारत में वनडे विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों से कप्तानी छोड़ दी थी.

मियामी ओपन : रोहन बोपन्ना ने अपने ही रिकॉर्ड में किया सुधार

बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी बनी चैंपियन

टेनिस टूर्नामेंट

- बोपन्ना व एबडेन ने डोडिग व क्राजिसेक की जोड़ी को हराया
- 6-7, 6-3, 10-6 से जीती बोपन्ना व एबडेन की जोड़ी
- युगल रैंकिंग में बोपन्ना ने हासिल किया शीर्ष स्थान

भाषा . मियामी गार्डन्स

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन ने मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता. बोपन्ना में इसी के साथ सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया. इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7(3), 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की. इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया. उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था. उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया. यह बोपन्ना का 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था.

इस अनुभवी भारतीय खिलाड़ी का यह 63वां एटीपी टूर स्तर का फाइनल और 26वां युगल खिताब था. बोपन्ना ने इस दौरान एक और उपलब्धि हासिल की. वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए.

> *यह आश्चर्यजनक है. हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं.*
> – **रोहन बोपन्ना**

महिला एकल

रायबकिना को हराकर कोलिन्स बनीं चैंपियन

डेनिएल कोलिन्स ने मियामी ओपन टेनिस में विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ऐलेना रायबकिना को 7-5, 6-3 से हराकर अपने घरेलू मैदान पर महिला एकल खिताब पर कब्जा किया. तीस साल की कोलिन्स आखिरी बार इस टूर्नामेंट में खेल रही थी. उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी सत्र होगा क्योंकि वह एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं. यह एक दर्दनाक बीमारी है जो गर्भाशय को प्रभावित करती है. स्टेडियम में आंद्रे अगासी और मार्टिना नवरातिलोवा की मौजूदगी के बीच विश्व रैंकिंग में 59वें स्थान पर काबिज कोलिन्स अपने बैकहैंड से क्रॉसकोर्ट विनर लगाने के बाद 10 सेकंड तक कोर्ट पर लेटी रही. कोलिन्स ने इस यादगार जीत के बाद कहा कि इस जीत के लिए मुझे पूरा जोर लगाना पड़ा और ऐलेना ने मैच के दौरान मेरी कड़ी परीक्षा ली. मैं आखिर में इस बात को लेकर शुक्रगुजार हूं कि उसे पछाड़ सकी. टूर्नामेंट की इस गैरवरीय खिलाड़ी ने कहा कि प्रशंसकों के लिए, मैंने बहुत टेनिस खेला है, कुछ फाइनल खेले हैं, लेकिन इसके करीब कुछ भी नहीं था. कोलिन्स के करियर का यह तीसरा जबकि मास्टर्स 1000 स्तर का पहला खिताब है. वह इससे पहले सैन जोस में 2021 में चैंपियन बनीं थी.

हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार : राज्य की दीपिका को मिला अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

राज्य की सलीमा व हार्दिक सिंह बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

संवाददाता . रांची

हॉकी इंडिया के छठे वार्षिक पुरस्कार का आयोजन रविवार को दिल्ली में किया गया, जिसमें झारखंड की सलीमा टेटे को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार से सम्मानित किया गया. सलीमा को हॉकी इंडिया की ओर से 25 लाख रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया. सलीमा के अलवा राज्य की दीपिका सोरेंग को अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (अंडर-21 महिला) के लिए असुंता लकाड़ा पुरस्कार से सम्मानिक किया गया. पुरुष वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को मिला. इस वर्ष कुल 32 खिलाड़ियों बीच कुल 7.56 करोड़ की राशि बांटी गई.

दीपिका सोरेंग

इन खिलाड़ियों ने जीता वार्षिक पुरस्कार

- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार – हार्दिक सिंह (25 लाख रुपये)
- वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार – सलीमा टेटे (25 लाख रुपये)
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए हॉकी इंडिया बलजीत सिंह पुरस्कार – पीआर श्रीजेश (पांच लाख रुपये)
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए हॉकी इंडिया परगट सिंह पुरस्कार – हरमनप्रीत सिंह (पांच लाख रुपये)
- वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह पुरस्कार – हार्दिक सिंह (पांच लाख रुपये)
- फॉरवर्ड ऑफ द ईयर के लिए हॉकी इंडिया धनराज पिल्लई पुरस्कार – अभिषेक (पांच लाख रुपये)
- पुरुष वर्ग में अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड – अरजीत सिंह हुंदल (10 लाख रुपये)
- मेजर ध्यानचंद के नाम पर लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान उनके बेटे अशोक कुमार को मिला

ब्रीफ खबरें

गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत

वैशाली। वैशाली जिले में गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई है। घटना सराय थाना क्षेत्र के पैरा मदन सिंह पंचायत का है। जहां जेसीबी से खोदे गए तब गड्ढे में स्नान करने के दौरान दो सगे भाई की डूबने से मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर में पैरा मदन सिंह पंचायत में जेसीबी से खोदे गए गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। वहीं मौके पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नाबालिग से गैंगरेप का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

नवादा। नवादा जिले के रूपौ थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप के दूसरे आरोपित को पुलिस ने रूपौ बाजार से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई की। दुष्कर्मी बस पर सवार होकर कहीं जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को देखकर वह भागने लगा, जिसे खदेड़ कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए दुष्कर्मी की पहचान रोह थाना क्षेत्र के रुक्खी गांव निवासी राजेंद्र यादव के बेटे कुंदन कुमार के रूप में हुई है। वह अपने मामा के गांव में रहता था। जहां मंगलवार होली के दिन शाम में खेत की तरफ शौच को गई नाबालिग छात्रा के साथ उसने एक और युवक के साथ मिलकर जबर्दस्ती किया था।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा का इस्तीफा

पटना। कांग्रेस को एक बार फिर झटका लगा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। शर्मा बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हैं। इन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल, बिहार में सीट शेयरिंग के बाद से ही वह पार्टी से नाराज चल रहे थे। सीट बंटवारे में कांग्रेस को अधिकतर परंपरागत सीटें ही मिली है। वहीं, औरंगाबाद और पूर्णिया की सीट ना मिलने से कांग्रेस कार्यकर्ता नाराज चल रहे हैं। जानकारी अनुसार अनिल शर्मा ने प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर भेज दिया है।

10वीं के परिणाम घोषित : रिजल्ट में लड़कों ने मारी बाजी

संवाददाता | पटना

बोर्ड कक्षा 10वीं के परिणाम जारी हो चुके हैं। इस परीक्षा में पूर्णिया के शिवांकर ने 489 अंक लाकर पूरे राज्य में टॉप किया है। बोर्ड अध्यक्ष आनंद किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टॉपर्स के नामों की घोषणा की है। लड़कियों की तुलना में इस बार टॉप 2 में लड़कों ने जगह बनाई है, लेकिन उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या को देखा जाए तो उसमें लड़कियों का नाम शामिल है। पिछले छह वर्षों की तुलना में इस साल का रिजल्ट सबसे बेहतर रहा है। परीक्षा में पहला और दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स में लड़कों का नाम शामिल है। बीएसईबी मैट्रिक परीक्षा 2024 में 8,22,587 छात्रों में से 6,80,293 पास हुए हैं, जबकि 8,72,194 में से 6,99,549 छात्राओं ने बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा पास की है। इस साल चार लाख 52 हजार 302 विद्यार्थियों ने फर्स्ट डिवीजन हासिल की है, जिनमें लड़के दो लाख 52 हजार 846 और लड़कियां एक लाख 99 हजार 456 हैं। इसी तरह, सेकेंड डिवीजन में पांच लाख 24 हजार 965 स्टूडेंट्स ने अपनी जगह बनाई है, जिनमें दो लाख 52 हजार 121 लड़के और दो लाख 72 हजार 844 लड़कियां हैं। कुल तीन लाख 80 हजार 732 छात्रों को थर्ड डिवीजन मिला है, जिनमें एक लाख 66 हजार 93 लड़के और दो लाख 14 हजार 639 लड़कियां हैं।

97.80% के साथ पूर्णिया के शिवांकर ने किया टॉप

कांग्रेस की मीटिंग में नहीं पहुंचे पप्पू यादव

पटना। पूर्णिया में लोकसभा चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस पार्टी में खींचतान एक बार फिर सामने आ गई। दफ्तर में पार्टी नेताओं की बैठक हुई जिसमें पप्पू यादव नजर नहीं आए। हालांकि इस मीटिंग में पूर्णिया से महागठबंधन की उम्मीदवार बीमा भारती जरूर नजर आईं। मीटिंग में कांग्रेस नेता बीमा भारती का स्वागत करते नजर आए और कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने पप्पू यादव को लेकर भी बड़ा बयान दिया। बता दें कि पप्पू यादव कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष छोटू सिंह ने कहा मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव महागठबंधन की प्रत्याशी बीमा भारती के खिलाफ पूर्णिया लोकसभा सीट से नॉमिनेशन करवाएंगे।

आरा में भीषण सड़क हादसा
वैन पलटी, तीन महिला समेत चार लोगों की मौत, 11 घायल

संवाददाता | आरा

आरा में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, वहीं 11 से अधिक लोग घायल हो गए, घटना जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के रानी सागर मोड़ की है। मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलट गई। तीन मजदूरों ने आरा सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं एक मजदूर की मौत पटना पीएमसीएच में हुई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मरने वालों में बक्सर जिला के सिकरौल थाना क्षेत्र के डफाडीह टोला गांव निवासी रघुन राम की 51 वर्षीया पत्नी सीता सुंदरी देवी, डफाडीह टोला के नागा राम की 45 वर्षीया पत्नी मंगरी देवी, बक्सर जिले के मुरार थाना क्षेत्र के चौगाई गांव निवासी शिव कुमार राम की 55 वर्षीया पत्नी राम दुलारी देवी, रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी खुर्द गांव निवासी चिजू राम की 35 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार शामिल है। जबकि घायलों में बक्सर जिला के सिकरौल थाना क्षेत्र के डफाडीह टोला गांव निवासी 46 वर्षीया लालमनी देवी, 14 वर्षीय महावीर कुमार, 40 वर्षीय अरविंद राम, 40 वर्षीय किसनात देवी, 54 वर्षिया मगली देवी, बशाव कला गांव निवासी 50 वर्षीया सोनाक्षी देवी, 42 वर्षीया मालकोनी देवी, 20 वर्षीय गुड़िया कुमारी, 45 वर्षीय रमेश राम, मुरार थाना क्षेत्र के चौगाई गांव निवासी 55 वर्षीय शिव कुमार राम और रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी खुर्द गांव निवासी 30 वर्षीय शिव बचन राम एवं अरविंद राम शामिल है।

सभी मजदूर मसूरी काटने गए हुए थे : घायलों ने बताया कि सभी मजदूर शाहपुर थाना क्षेत्र के कारनामेपुर ओपी अंतर्गत माधवपुर (पिपरी) गांव में मसूरी काटने के लिए गए। शनिवार की देर रात जब पिकअप पर सवार होकर सभी मजदूर वापस लौट रहे थे। उसी दौरान रानी सागर मोड़ स्थित डायवर्सन के समीप उनकी पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे सभी मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद शाहपुर थाना पुलिस द्वारा सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में लाया गया, जहां इलाज के दौरान सीता सुंदरी देवी, रामदुलारी देवी, सरोज कुमार इलाज के दौरान आरा सदर के इमरजेंसी वार्ड में और मंगरी देवी ने पटना के पीएमसीएच में दम तोड़ दिया।

एक मजदूर की मौत पटना पीएमसीएच में हुई

वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी जख्मी मजदूरों को पुलिस की मदद से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। साथ ही पुलिस के द्वारा तीन मजदूरों की मौत के बाद उनका पोस्टमार्टम भी आरा सदर अस्पताल में करवाया गया है। साथ ही एक मजदूर की मौत पटना पीएमसीएच में हुई है।

खास बातें

- मरनेवालों में बक्सर जिले के सभी लोग शामिल हैं
- शनिवार रात सभी मजदूर काम करके वापस लौट रहे थे

मोदी चार अप्रैल को चुनाव प्रचार का करेंगे शंखनाद

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार अप्रैल को जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत नरियाना पुल के समीप चुनावी सभा को संबोधित कर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में एनडीए के जीत का शंखनाद करेंगे। भाजपा के जिलाध्यक्ष कन्हैया कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी निर्धारित कार्यक्रम के तहत एनडीए उम्मीदवार अरुण कुमार भारती के समर्थन में जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत नरियाना पुल के समीप खाली भूखंड पर चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। चुनावी सभा के बाद वे अन्यत्र स्थान के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि एनडीए समर्थित उम्मीदवार अरुण भारती का चुनावी मुकाबला महागठबंधन के राजद प्रत्याशी अर्चना कुमारी से है।

सुरक्षा बलों ने दो करोड़ का चरस पकड़ा, तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता | बेतिया

जिले में भंगहा पुलिस और पचरौता एसएसबी के 44वीं बटालियन के संयुक्त कार्रवाई में बाइक में छुपा कर ले जा रहे चरस को जब्त किया गया है। साथ में चरस तस्कर को भी धर दबोचा गया है। धराया चरस तस्कर प्रखंड अंतर्गत टोला चपरिया पंचायत का उप मुखिया विनोद कुमार है। बाइक से चरस जब्ती की कार्रवाई शनिवार देर रात की है। इस संबंध में नरकटियागंज एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि पचरौता एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट अतुल तिवारी और भंगहा थानाध्यक्ष राहुल प्रसाद मांझी को सूचना मिली थी कि पिलर संख्या 429 के रास्ते संदिग्ध बाइक सवार नेपाल से मादक पदार्थ लेकर थाना क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। तुरंत पुलिस, एसएसबी और सीओ मैनाटाड़ की संयुक्त टीम द्वारा समन्वय टीम बनाकर नाका लगा दिया गया। इसी बीच पचरौता की तरफ से एक संदिग्ध बाइक सवार आता दिखाई दिया। जिसे पुलिस बल के द्वारा जब रोका गया तो वह बाइक सवार भागना चाहा। लेकिन उस बाइक सवार खदेड़ कर पकड़ लिया गया। जब उसकी बाइक की जांच की गयी तो बाइक में छुपा कर रखा हुआ एक वाटरप्रूफ पैकेट मिला।

मृतका की नवंबर में होनी थी शादी

झूला टूटने से युवती की मौत, एक घायल

मोतिहारी। मोतिहारी में चल रहे मेले में बड़ा हादसा हो गया। जहां झूला टूटने से एक युवती की मौत हो गई है। जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद झूला वाला झूला छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव की है। जानकारी के मुताबिक, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव में मेला लगा है। जहां लोगों के मनोरंजन के लिए झूला लगाया गया है। इसी बीच गणवंद्री गांव निवासी अजय सिंह की बेटी प्रिया कुमारी (19) अपनी सहेलियों के साथ मेला घूमने गई थी। जहां वह ट्रेन झूला झूलने गई। जैसे ही झूले ने अपनी रफ्तार पकड़ी कि उसकी एक बोगी टूट कर गिर गई। इस दौरान प्रिया के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ उसी बोगी में बैठी भोला सिंह की रूबी कुमारी (18) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद आनन-फानन में घायल युवती को इलाज के लिए निजी डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया है। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

प्रिया की नवंबर में होनी थी शादी : जानकारी के अनुसार, झूला हादसे में जान गंवाने वाली प्रिया की शादी तय हो गई थी। उसकी शादी नवंबर में होनी थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी।

कारोबार

पीएलआई योजना से 1.06 लाख करोड़ का निवेश प्रभावी

नयी दिल्ली। चौदह क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं से दिसंबर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये के निवेश आये हैं। कुल निवेश में औषधि और सौर मोड्यूल का योगदान करीब आधा रहा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले साल दिसंबर तक सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर, वाहन और वाहन कल-पुर्जे, कपड़ा और एसीसी बैटरी भंडारण जैसे क्षेत्रों में योजना को लेकर प्रतिक्रिया धीमी रही। आंकड़ों के मुताबिक औषधि क्षेत्र ने पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये आकर्षित किये।

तेलों की कम आपूर्ति से कीमतों में सुधार

नयी दिल्ली। देश में आयातित खाद्य तेलों की कम आपूर्ति रहने के बीच बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी तेल-तिलहनों में सुधार आया तथा सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल मजबूती के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान मंडियों में सरसों के नये फसल की आवक अपने पूर्व सप्ताह के लगभग 16 लाख बोरी से घटकर लगभग साढ़े छह लाख बोरी रह गई।

सेमीकंडक्टर चिप पर पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम के विचार अलग, बोले-
भारत को इस रेस में शामिल नहीं होना चाहिए

भाषा | नयी दिल्ली

1.26 लाख करोड़ रु. का निवेश

48 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी दी

चाहे सरकार हो या कारोबारी सभी की नजर उन उत्पादों पर होती है, जिसकी बाजार में मांग अधिक होती है। कारोबारी फैक्ट्री लगाकर उस उत्पाद का निर्माण करना चाहती है, वहीं सरकार निवेश के जरिये अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। इसी में केंद्र की मोदी सरकार है। मोदी सरकार पिछले कुछ समय से सेमीकंडक्टर चिप पर काम कर रही है। भारत सेमीकंडक्टर चिप्स की मैन्यूफैक्चरिंग में बड़ा दांव खेलने जा रहा है। देश में चार सेमीकंडक्टर यूनिट बनाने का काम शुरू हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री अश्विनी वैष्णव का दावा है कि अगले पांच साल में भारत सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले दुनिया के टॉप पांच देशों की लिस्ट में शामिल होगा। वहीं सरकार के इस कदम पर आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के विचार अलग हैं। रघुराम राजन का कहना है कि भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने के रेस में शामिल नहीं होना चाहिए। ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाने से भी जरूरी कई काम हैं। उसके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट पर फोकस करने के बजाय अपने एजुकेशन सिस्टम को दुरुस्त करना चाहिए। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के बुथ स्कूल ऑफ बिजनेस में फाइनेंस के प्रोफेसर रघुराम राजन ने एक नोट में कहा कि भारत सरकार हायर एजुकेशन के सालाना बजट से ज्यादा पैसा चिप मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सब्सिडी के रूप में दे रही है। यह अच्छी बात नहीं है। निश्चित रूप से यह विकसित देश बनने का रास्ता नहीं है। मोदी सरकार की नीतियों के धुर विरोधी रहे राजन ने साफ किया कि उनकी बात का यह मतलब नहीं है कि भारत को कभी भी सेमीकंडक्टर चिप नहीं बनाना चाहिए। लेकिन आज हर देश यही कर रहा है। इस रेस में पड़ने का मतलब खुद को बर्बाद करना है। भारत ने पिछले महीने तीन सेमीकंडक्टर प्लांट को मंजूरी दी थी। इन पर कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। जिसमें सरकार की तरफ से 48,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने कहा कि भारत के लिए चिप मैन्यूफैक्चरिंग से भी जरूरी कई काम हैं। जैसे कॉलेजों में स्पेक्ट्रोमीटर लगाना ताकि साइंस के बेहतर छात्र पैदा कर सकें। यह साफ नहीं है कि सरकार कैसे तय करती है कि किस इंडस्ट्री, सेक्टर या कंपनी को सब्सिडी चाहिए, चिप मैन्यूफैक्चरिंग में ज्यादा लेबर की जरूरत नहीं है जबकि इस समय रोजगार हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। राजन ने कहा कि यह कहना गलत है कि भारत को चिप सेगमेंट में भागीदारी के लिए पूरी सप्लाई चेन की जरूरत है। आईटी मिनिस्टर ने खुद यह बात स्वीकार की है कि भारत के पास 300,000 चिप डिजाइनर हैं जबकि भारत चिप नहीं बना रहा है। एनवीडिया और क्वालकॉम चिप नहीं बनाते हैं और न ही एपल ऐसा करती है। ये इसका डिजाइन बनाती हैं और इन्हें ताइवान में बनाया जाता है। हॉलैंड की कंपनी एएसएमएल चिप बनाने वाली मशीन बनाती है। इसलिए मुझे लगता है कि चिप सब्सिडी की नीति बनाने में सरकार ने ज्यादा सोच विचार नहीं किया।

देश में चार यूनिट बनाने का काम शुरू हो चुका है

वास्तव में चिप सब्सिडी कैपिटल सब्सिडी है : राजन

राजन ने अपने नोट में कहा कि वास्तव में चिप सब्सिडी कैपिटल सब्सिडी है। इसका मतलब यह है कि इसका फ्रंट से भुगतान किया जाएगा, यह प्रोडक्शन पर आधारित नहीं है। सरकार दावा कर रही है कि जल्दी ही चिप्स का प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। अगर यह दावा सही है तो कैपिटल सब्सिडी जल्दी हो देनी होगी। लेकिन कोई नौसिखिया ही इस पर यकीन करेगा कि सब्सिडी यहीं खत्म हो जाएगी। अगर सब सही रहा तो हमें 28 एनएम चिप्स मिलेगी। आज मॉडर्न सेल फोन पर तीन एनएम की चिप लगती है। अगर हमें फ्रंटियर में ग्लोबल चिप मैन्यूफैक्चरर बनना है तो हमें उस स्तर तक पहुंचने के लिए कुछ फैक्ट्रीज को सब्सिडी देनी होगी। इसकी वजह यह है कि आधुनिक चिप बनाने में ज्यादा मॉडर्न मैन्यूफैक्चरिंग टैक्नोलॉजी यूज होती है जो ज्यादा महंगी होगी।

हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर निकला अडाणी समूह

नयी दिल्ली। ऐसा जान पड़ता है कि विभिन्न कारोबार से जुड़ा अडाणी समूह अब पूरी तरह से हिंडनबर्ग प्रभाव से बाहर आ गया है। समूह ने एक सप्ताह के भीतर 1.2 अरब डॉलर का तांबा संयंत्र खोला, ओडिशा में बंदरगाह खरीदा और सीमेंट कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ायी। साथ ही प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाली मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ गठजोड़ भी किया है। समूह ने पिछले एक सप्ताह में शेयर बाजारों को दी सूचना और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से अपने मुख्य बंदरगाह कारोबार में विस्तार और निवेश, धातु रिफाइनिंग में विविधीकरण, दो साल पुराने सीमेंट क्षेत्र में पूंजी डाले जाने और अपनी वृहत सौर परियोजना के चालू होने के मामले में लगातार हो रही प्रगति की घोषणा की है। इसकी शुरुआत 26 मार्च को अडाणी पोर्ट्स के गोपालपुर पोर्ट में 3,350 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर 95 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की घोषणा के साथ हुई।

जोमैटो को 23.26 करोड़ का कर नोटिस मिला

नयी दिल्ली। ऑनलाइन ऑर्डर देकर खाना मंगाने की सुविधा देने वाले मंच जोमैटो को कर अधिकारियों से 23.26 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है जिसमें ब्याज और जुर्माना शामिल है। कंपनी ने कहा कि वह आदेश के खिलाफ उपयुक्त प्राधिकार के समक्ष चुनौती देगी। जोमैटो ने बीएसई को दी सूचना में कहा, कंपनी को वित्त वर्ष 2018-19 के लिए सहायक वाणिज्यिक कर आयुक्त (ऑडिट), कर्नाटक से 11,27,23,564 करोड़ रुपये की जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) मांग को लेकर नोटिस मिला है। इस पर ब्याज और जुर्माने के साथ यह 23,26,64,271 रुपये बैठता है। कंपनी ने कहा, हमारा मानना है कि गुण-दोष के आधार पर हमारा मामला मजबूत है और कंपनी उचित प्राधिकार के समक्ष आदेश के खिलाफ अपील करेगी।

लग्जरी कारों की बिक्री 50,000 ईकाई के पार

नयी दिल्ली। भारत में बढ़ती मांग के बीच लग्जरी कारों की बिक्री 2024 में पहली बार 50,000 इकाई के आंकड़े को पार कर सकती है। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने यह बात कही। पिछले साल घरेलू लग्जरी कार खंड में बिक्री सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर लगभग 48,500 इकाई रही थी। भारत में कुल यात्री वाहन बाजार में लग्जरी गाड़ियों की हिस्सेदारी दो प्रतिशत से भी कम है और यह पिछले एक दशक से कमोबेश इसी स्तर पर है। ढिल्लों ने कहा, बिक्री लगभग 10 प्रतिशत भी बढ़ जाए और हमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के स्तर पर व्यवधानों का सामना न करना पड़े, तो हम (वाहन उद्योग) 2024 में पहली बार सालाना आधार पर 50,000 इकाई का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

शेयर बाजार

वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय शेयर मार्केट में एक बड़ी घटना खुदरा निवेशकों की बड़ी भागीदारी रही. करोड़ों की संख्या में नए निवेशक मार्केट में आए

अभी भी भारतीय शेयर मार्केट प्रमुख वैश्विक शेयर मार्केट की तुलना में शैशव अवस्था में ही है

शशांक भारद्वाज
वीपी प्राइस ब्रोकिंग

वित्तीय वर्ष 23-24 का समापन निफ्टी ने अंतिम व्यापारिक दिन 203 अंकों के अच्छे उछाल के साथ किया. दिन के मध्य इसने 22516 का स्तर भी छुआ जो सर्वकालिक उच्चतम स्तर से 22526 से मात्र 10 अंक ही कम था. इस वित्त वर्ष में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर मार्केट में 2.08 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया. वित्त वर्ष 22-23 में इन्होंने 37632 करोड़ रुपये भारतीय शेयर मार्केट से निकले थे. यह भारतीय शेयर मार्केट तथा अर्थव्यवस्था के प्रति उनके मनोभाव में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन का परिचायक है. भारत में लोकसभा चुनावों में कोई उलटफेर नहीं होता है. वैश्विक भू राजनीतिक परिस्थितियों में कोई बड़ा नकारात्मक समाचार नहीं आता है तो उनके भारतीय शेयर मार्केट में बड़े निवेश का क्रम बना ही रहेगा. भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्रगति पर है.

2026 में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने की संभावना है. ऐसे में आने वाले वर्षों में शेयर मार्केट में इन स्तरों से भी बड़ी उछाल देखी जा सकती है. यद्यपि निफ्टी में मार्च माह में अच्छी बढ़त रही परंतु मध्यम तथा लघु शेयरों में अपेक्षित व्यापक पुनर्वापसी नहीं दिखी. अपने ऊंचे स्तरों से अभी भी अधिकांश शेयर बहुत नीचे ही है. हुआ यह था कि पिछले कुछ माह में लघु तथा मध्यम शेयरों में एक अतिरेक सा आ गया था. जिसके कारण बहुत से शेयरों का मूल्य कई गुणा हो अपनी आधारभूत आर्थिक कारकों की तुलना में बहुत अधिक हो गए थे. वो शेयर अब यथार्थ का सामना कर रहे हैं, परंतु बहुत से अच्छे शेयरों में भी गिरावट आ गई. उचित मूल्यांकन पर उपलब्ध अच्छे आर्थिक कारकों के शेयरों में तो अब बड़ा उछाल आने की संभावना है. जिन शेयरों का गिरे भावों पर अभी भी मूल्यांकन अधिक है, उनमें तेजी नहीं आयेगी. मार्केट के बहाव में ऐसे शेयर बढ़े भी तो उनसे निकल कर अच्छे आर्थिक कारकों के शेयर में निवेश करना चाहिए. वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय शेयर मार्केट में एक बड़ी घटना खुदरा निवेशकों की बड़ी भागीदारी रही. करोड़ों की संख्या में नए निवेशक मार्केट में आए. अब एफआईआई तथा डीआईआई के साथ वो भी बड़ी शक्ति हैं. यह भी देखा गया कि जिन शेयरों में उनकी रुचि दिखी, उनमें बड़ी तथा सतत सी तेजी देखी. अभी भी भारत की जनसंख्या के अनुपात में शेयर मार्केट में निवेशकों की संख्या कम है. जब शेयर मार्केट में उनका विश्वास अधिक बढ़ेगा तो और भी बड़ी संख्या में खुदरा निवेशक आयेंगे. यह भारतीय शेयर मार्केट की वृद्धि को बड़ा साथ देगा. अभी भी भारतीय शेयर मार्केट प्रमुख वैश्विक शेयर मार्केट की तुलना में शैशव अवस्था में ही है तथा इसमें निवेश बहुत अच्छा प्रतिफल दे सकता है. वित्त वर्ष 24-25 में भी लघु तथा मध्यम शेयरों में बहुत अच्छी तेजी देखी जा सकती है, क्योंकि एक तो इनके मूल्यों में पिछले कुछ दिनों में बड़ी कमी आने से यह आकर्षक हो गए हैं. दूसरा लोकसभा चुनावों के पश्चात आर्थिक गतिविधियां भी बड़ी तेजी से बढ़ेंगी. इससे भारतीय कॉर्पोरेट के लिए अवसर, लाभ, व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा. यह उनके शेयरों में भी अच्छा उछाल लायेगा. बड़े शेयरों में अर्थव्यवस्था के अनुरूप सी ही बढ़त की संभावना है. निफ्टी वित्त वर्ष 24-25 में 24500 से 25000 का स्तर छू सकता है. उच्च वृद्धि दर की अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेशकों का बढ़ता निवेश, घरेलू खुदरा निवेशकों की संख्या में बड़ी वृद्धि शेयर मार्केट में अच्छे दिनों का मनोभाव बना रख सकते हैं. लॉजिस्टिक्स, सीमेंट, औषधि, उपभोक्ता सामान, रेल, रक्षा, सरकारी उपक्रम के शेयरों में अच्छी तेजी देखी जा सकती है. लंबे समय तक वैश्विक ब्याज दरों में वृद्धि की समयावधि के बाद अब इनमें कमी का क्रम आरंभ होने को है. वृद्धि तो ठहर ही गई है. ब्याज दरों के कमी आरंभ होने से इक्विटी में बहुत बड़ा निवेश आने की संभावना है. भारत एक प्रमुख निवेश स्थल होगा. भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे समाचारों का क्रम जारी है. विश्व की प्रमुख आर्थिक संस्था मोर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है. ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी उछाल पर है, निजी निवेश भी बढ़ रहा है. विदेशी मुद्रा 624.63 अरब के कीर्तिमान स्तरों पर है. निजी खपत जीडीपी की 60 प्रतिशत है जो अच्छी घरेलू खपत का संकेत है. घरों की बिक्री बढ़ रही है. जीडीपी अच्छी रहने से जीविका की स्थिति भी अच्छी है. उपभोक्ता सामान क्षेत्र में 30 प्रतिशत जीविका बढ़ी है. खाद्यान का उत्पादन अच्छा है. अच्छे मानसून की भविष्यवाणी है. मार्च माह में दो पहिए वाहनों की बिक्री एक लाख से अधिक है. बड़ी बड़ी सरकारी परियोजनाएं चल रही हैं. भारत के नौ प्रतिशत वृद्धि दर प्राप्त करने की बात कही जा रही है. सरकार उद्योग व्यापार, आधारभूत परियोजनाओं, जीविका को बढ़ावा देने की अवधारणा पर दृढ़ है. विनिर्माण क्षेत्र में भी भारत बड़ी प्रगति करता जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

जीप दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत

मुरादाबाद (उप्र) । मुरादाबाद के कांठ क्षेत्र में रविवार सुबह जीप के खंबे से टकरा जाने से उस पर सवार एक परिवार की तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा दो लोग घायल हो गए. पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने बताया कि हादसा कांठ थाना क्षेत्र के रसूलपुर स्थित रेलवे फाटक के पास हरिद्वार राजमार्ग पर रविवार सुबह करीब चार बजे हुआ. उन्होंने बताया कि आशंका है कि चालक को झपकी आने के कारण जीप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंबे से जा टकराई.

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने 4 ट्रकों में लगाई आग

नारायणपुर । छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों ने लौह अयस्क की ढुलाई कर रहे चार ट्रक में आग लगा दी. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. उसने बताया कि शनिवार देर रात हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने एक निजी कंपनी को आवंटित आमदई घाटी खदान से लौह अयस्क की ढुलाई कर रहे चार ट्रक को ओरछा-नारायणपुर मार्ग पर छोटेडोंगर पुलिस थाने के पास रोक लिया.

केक खाने के बाद 10 वर्षीय बच्ची की मौत

पटियाला (पंजाब) । पंजाब के पटियाला में अपने जन्मदिन पर केक खाने के बाद संदिग्ध रूप से खाद्य विषाक्तता के कारण 10 वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई, जिसके बाद केक की दुकान के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बच्ची की मां द्वारा पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 24 मार्च को उसका जन्मदिन मनाने के लिए केक ऑनलाइन ऑर्डर किया गया था. शिकायत में कहा गया है कि केक खाने के तुरंत बाद बच्ची समेत परिवार के सभी सदस्यों को उल्टी होने लगी.

सेल्समैन ने 1.05 करोड़ रुपये के जेवरात चुराए

ठाणे (महाराष्ट्र) । महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक दुकान से 1.05 करोड़ रुपये की कीमत के जेवरात चोरी करने के आरोप में पुलिस ने 27 वर्षीय सेल्समैन को गिरफ्तार किया है. वरिष्ठ निरीक्षक अभय महाजन ने बताया कि आरोपी राहुल जयंतीलाल मेहता को 26 मार्च को मीरा रोड इलाके से गिरफ्तार किया गया था जब वह अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा. उन्होंने बताया कि वह ऐशोआराम की जिंदगी जीने के लिए चोरी करता था.

दम घुटने से चार लोगों की मौत

देवभूमि द्वारका । गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में रविवार को एक मकान में आग लगने के कारण एक शिशु सहित एक परिवार के चार सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई. पुलिस निरीक्षक टी सी पटेल ने बताया कि द्वारका शहर में आदित्य रोड पर स्थित मकान की पहली मंजिल पर जब सुबह करीब साढ़े तीन बजे आग लगी, उस समय परिवार के पांच सदस्य सो रहे थे. अधिकारियों ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि एयर कंडीशनर के अत्यधिक गर्म होने के बाद उसमें विस्फोट होने के कारण आग लगी.

रविवार को नयी दिल्ली के रामलीला मैदान में भारत ब्लॉक की लोकतंत्र बचाओ रैली में भाग लेने के लिए पहुंचने पर राहुल-प्रियंका ब्रिगेड के सदस्य तख्तियां प्रदर्शित करते हुए.

कांग्रेस से अब तक 3,567 करोड़ मांग चुकी है

कांग्रेस को 1,745 करोड़ की कर अदायगी का नया नोटिस मिला

भाषा । नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को आयकर विभाग से एक बार फिर नया नोटिस मिला, जिसके जरिये आकलन वर्ष 2014-15 से 2016-17 तक के लिए 1,745 करोड़ रुपये के कर की मांग की गई है. आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस से अब तक कुल 3,567 करोड़ रुपये के कर की मांग की जा चुकी है. सूत्रों के मुताबिक, ताजा नोटिस 2014-15 (663 करोड़ रुपये), 2015-16 (करीब 664 करोड़ रुपये) और 2016-17 (करीब 417 करोड़ रुपये) से संबंधित हैं. उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली कर छूट समाप्त कर दी है और पार्टी पर कर लगा दिया है. सूत्रों ने कहा कि जांच एजेंसियों द्वारा छापे के दौरान कांग्रेस के कुछ नेताओं से जब्त की गई डायरियों में की गई तीसरे पक्ष की प्रविष्टियों के लिए भी कांग्रेस पर कर लगाया गया है. मुख्य विपक्षी दल ने शुक्रवार को कहा था कि उसे आयकर विभाग से नोटिस मिला है, जिसमें करीब 1,823 करोड़ रुपये का भुगतान करने को कहा गया है. कर अधिकारियों ने पिछले वर्षों से संबंधित कर मांग के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ रुपये पहले ही निकाल लिये हैं.

कांग्रेस ने 135 करोड़ रुपये की कर मांग के खिलाफ अदालत का रुख किया है और इस मामले में सोमवार को उच्चतम न्यायालय में सुनवाई होने की संभावना है. पार्टी इस संबंध में आयकर अपीलीय अधिकरण और उच्च न्यायालय से कोई राहत पाने में विफल रही है.

नागपुर स्थित आवास पर साक्षात्कार में बोले नितिन गडकरी

दक्षिण भारत में भाजपा की लोकप्रियता सबसे ज्यादा

भाषा । नागपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 370 सीट जीतने के लक्ष्य को लेकर पूरा भरोसा जताते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की मौजूदा 288 सीट में अतिरिक्त सीट दक्षिण भारत से जुड़ेंगी. नागपुर स्थित अपने आवास पर समाचार एजेंसी भाषा के साथ साक्षात्कार में गडकरी ने कहा कि उनके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग 400 सीट के आंकड़े को पार करेगा.

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए ठोस कार्यों के कारण मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे. उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि मोदी सरकार विपक्ष को कमजोर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है.

उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिद्वंद्वियों को लोगों का विश्वास जीतकर विपरीत परिस्थितियों से उबरने का प्रयास करना चाहिए. गडकरी ने कहा कि क्या विपक्ष को कमजोर या मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी है? जब हमारे पास सिर्फ दो सांसद थे और हम कमजोर थे तो हमें सहानुभूति के तौर पर कभी कोई पैकेज नहीं मिला.

गडकरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण मजबूत होकर उभरी है और विपक्ष को भी लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए प्रयास करना होगा. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की प्रकृति ऐसी है कि यह बदलता रहता है. आप चाहे जो भी भूमिका निभाएं, आपको हमेशा प्रयास करते रहना होगा और विपरीत परिस्थितियों से उबरना होगा.

गडकरी बोले- मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं, व्यक्तिगत एजेंडा केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति, जहां के लोगों ने उन्हें चुना है

भाजपा को अकेले 370 सीटें मिलेंगी व राजग 400 सीट का आंकड़ा पार करेगा

राज्यवार विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है. इस बार हम दक्षिण भारत में सफलता हासिल करेंगे. हमने पिछले 10 वर्षों में दक्षिण और पूर्वोत्तर (भारत) में जो काम किया है, उसी का परिणाम हमें मिलना शुरू हो गया है. हमने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कड़ी मेहनत की है. इन राज्यों में हमारी मौजूदगी बहुत कम थी. इस बार हम तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करेंगे. हम उत्तर भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. इसलिए, मुझे लगता है कि भाजपा को अकेले 370 सीट मिलेंगी और राजग 400 सीट का आंकड़ा पार करेगा.

मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 2025 में होने वाले शताब्दी समारोह के लिए उनके व्यक्तिगत एजेंडे के बारे में सवाल किया गया तो गडकरी ने कहा कि उनका 'व्यक्तिगत एजेंडा' केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति है, जिसके लोगों ने उन्हें चुना है. उन्होंने कहा कि मेरा कोई निजी एजेंडा नहीं है. आरएसएस अपना एजेंडा बताएगा. उनकी अपेक्षाएं जो भी हों, उन्हें पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है.

कानून अपना काम कर रहा है : विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और कांग्रेस को 3,500 करोड़ रुपये का आयकर नोटिस भेजने के कारण क्या चुनाव में समान अवसर की कमी है? इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कानून अपना काम कर रहा है और भाजपा या सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है. हमने अपनी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की है. कानून के मुताबिक, मामले दर्ज किये गये हैं. इसका भाजपा या मोदी जी से कोई लेना-देना नहीं है.

राष्ट्रपति ने लालकृष्ण आडवाणी को आवास पर जाकर दिया भारत रत्न

भाषा । नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भाजपा नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को यहां उनके आवास पर देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया. राष्ट्रपति भवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य मौजूद थे. उसने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने आडवाणी को उनके आवास पर भारत रत्न दिया. राष्ट्रपति भवन के अनुसार, भारतीय राजनीति के पुरोधा आडवाणी ने सात से अधिक दशकों तक अटूट समर्पण और प्रतिष्ठा के साथ देश की सेवा की. कराची में 1927 में जन्मे आडवाणी का परिवार विभाजन के बाद 1947 में भारत आ गया था. राष्ट्रपति भवन ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अपने दृष्टिकोण के साथ, उन्होंने पूरे देश में दशकों तक कड़ी मेहनत की और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव लेकर आए.

केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के काफिले पर हुआ पथराव

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर जिले के खतौली क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा के दौरान कुछ युवकों ने पथराव कर कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया. अपर पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि शनिवार रात खतौली थाना क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान की चुनावी सभा आयोजित की जा रही थी. तभी कुछ अराजक तत्वों ने उनके काफिले में शामिल कई गाड़ियों पर पथराव कर दिया.

उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव

स्वामी प्रसाद मौर्य ने किया कुशीनगर से चुनाव लड़ने का ऐलान

भाषा । लखनऊ

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का झंडा थामने वाले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को कुशीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया. मौर्य ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर इसकी घोषणा करते हुए यह भी कहा कि अब देखना यह है कि विपक्ष का 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') उनका समर्थन करता है या नहीं. उन्होंने देवरिया सीट से भी प्रत्याशी का नाम घोषित करते हुए कहा कि जल्द ही कुछ अन्य सीट पर भी उम्मीदवारों का ऐलान किया जाएगा. मौर्य ने ''एक्स'' पर लिखे अपने संदेश में कहा कि वह 22 फरवरी को राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के गठन के बाद से ही 'इंडिया' गठबंधन को जिताने और मजबूत बनाने का प्रयास करते रहे हैं. उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के दोनों बड़े दलों के नेताओं से मेरी वार्ता भी हुई एवं उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप मैंने पांच नामों की सूची भी भेजी. मौर्य ने कहा, मैं प्रतीक्षा करता रहा कि उसपर निर्णय कर इन्हीं दोनों दलों की ओर से तय किये गये नामों की घोषणा भी हो, किंतु आज-तक घोषणा नहीं हुई.

सीरिया : कार बम विस्फोट दो बच्चों समेत 3 की मौत

बेरूत । उत्तरी सीरिया में तुर्किये स्थित सीरियाई विरोधी लड़ाकों के कब्जे वाले एक शहर के भीड़भाड़ वाले बाजार में शनिवार देर रात हुए कार बम विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी. बचावकर्मियों और युद्ध निगरानी संस्था ने यह जानकारी दी. अलेप्पो प्रांत के अजीज शहर में बम विस्फोट हुआ. सीरियन सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने बताया कि मध्यरात्रि के बाद हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गयी. उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले बाजार में हुए विस्फोट में पांच नागरिक घायल भी हो गए और इलाके में दुकानें तथा मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं.

पाकिस्तान : आर्थिक संकट से जूझ रहा है

प्रधानमंत्री ने रेड कारपेट के इस्तेमाल पर रोक लगाई

भाषा । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में आर्थिक संकट के चलते फिजूलखर्ची को कम करने के प्रयासों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में 'रेड कारपेट' के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और केवल राजनयिकों के स्वागत कार्यक्रम में ही इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा. शरीफ ने सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे के दौरान 'रेड कारपेट' के इस्तेमाल पर नाराजगी व्यक्त की. मंत्रिमंडल मामलों के प्रभाग के मुताबिक प्रधानमंत्री के निर्देश पर 'रेड कारपेट' के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है. प्रभाग की अधिसूचना के अनुसार प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया है कि भविष्य में सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और अधिकारियों के लिए 'रेड कारपेट' का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार हालांकि, इसका इस्तेमाल केवल विदेशी राजनयिकों के लिए एक प्रोटोकॉल के रूप में किया जा सकेगा.

डोनाल्ड ट्रंप खेमे ने जो बाइडन की आलोचना की

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को 31 मार्च को 'ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी' घोषित करने के कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम और धार्मिक रूढ़िवादियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इसी दिन 'ईस्टर संडे' भी है. डेमोक्रेटिक पार्टी से ताल्लुक रखने वाले राष्ट्रपति ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा, सभी अमेरिकियों को हमारे देश में ट्रांसजेंडर लोगों के जीवन को सुधारने, उनकी आवाज को उठाने और लैंगिंग पहचान के आधार पर हिंसा एवं भेदभाव को खत्म करने की दिशा में काम करना चाहिए.

नाम रखा : पीडीएम न्याय मोर्चा

असदुद्दीन ओवैसी व पल्लवी पटेल ने बनाया तीसरा मोर्चा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में पिछड़ा, दलित और मुसलमान (पीडीएम) का नारा देते हुए ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल, अपना दल कमेरावादी की नेता डॉ. पल्लवी पटेल, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी, राष्ट्र उदय पार्टी ने तीसरा गठबंधन पीडीएम न्याय मोर्चा की घोषणा की. अपना दल कमेरावादी की नेता डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि देश में जिसके सम्मान पर लगातार कुठाराघात किया जा रहा है, दलित मुसलमान और पिछड़ा. इसके लिए पीडीएम न्याय मोर्चा लेकर आए है. जब तक पीडीएम को न्याय नहीं मिलेगा, तभी तक न्याय के लिए लड़ेंगे. पीडीएम ही सरकार बनाता और बिगाड़ता रहा है. उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ए में कन्फ्यूजन था, इसके लिए एम हो गया है.

ईस्टर की प्रार्थना सभा में शामिल हुए पोप फ्रांसिस

रोम । पोप फ्रांसिस ने ईस्टर से एक दिन पहले शनिवार रात प्रार्थना सभा की अध्यक्षता करते हुए 10 मिनट का धर्मोपदेश दिया और आठ लोगों को चर्च की सदस्यता (बपतिस्मा) दिलायी. इससे एक दिन पहले वह स्वास्थ्य संबंधी एहतियात बरतते हुए रोम के एक बड़े कलागृह में निकाले गये गुड फ्राइडे के पारंपरिक जुलूस में शामिल नहीं हुए थे. सिस अपनी व्हीलचेयर से सेंट पीटर्स बासिल्का पहुंचे, एक कुर्सी पर अपना स्थान ग्रहण किया और प्रार्थना शुरू की. करीब एक घंटे बाद उन्होंने तेज आवाज में 10 मिनट का धर्मोपदेश दिया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

केंद्रीय विद्यालय में नामांकन के लिए आवेदन आज से, जानिए कैसे क्या करें

रजनीश प्रसाद । रांची । अगर आप केंद्रीय विद्यालयों में नामांकन करवाना चाहते हैं तो इसके लिए केंद्रीय विद्यालय के अधिकारिक साइट kvsonlineadmission.kvs.gov.in पर जा कर एडमिशन करवा सकते हैं. सत्र 2024-25 में नामांकन के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है. एक अप्रैल 2024 से 15 अप्रैल 2024 तक नामांकन के लिए आवेदन या रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं. केंद्रीय विद्यालय में क्लास 1 से लेकर 11वीं तक का नामांकन होता है.

एडमिशन के लिए दस्तावेज

- जन्म प्रमाण पत्र
- निवास प्रमाण पत्र
- बच्चे का पासपोर्ट साइज फोटो
- एससी/एसटी/ओबीसी सर्टिफिकेट (यदि आरक्षित श्रेणी में आते हैं)
- इडब्लूएस/बीपीएल सर्टिफिकेट (यदि लागू हो)
- सिंगल गर्ल चाइल्ड हो तो एफिडेविट
- एम्प्लाई सर्विस सर्टिफिकेट
- चाइल्ड पैरेंट्स और ग्रैंड पैरेंट्स का रिलेशनशिप सर्टिफिकेट

फीस

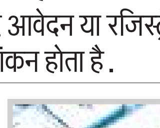

- एडमिशन फीस-25 रुपये
- री एडमिशन फीस-100 रुपये
- ट्यूशन फीस प्रति माह
- कक्षा नौ और 10 (बॉयज)-200 रुपये
- कक्षा 11, 12 (कॉमर्स और आर्ट्स) (बॉयज)-300 रुपये
- कक्षा 11, 12 (साइंस) (बॉयज)-400 रुपये
- 4-कंप्यूटर फंड 100 रुपये
- कक्षा 3 और इससे ऊपर-100 रुपये
- कक्षा 11, 12 में कंप्यूटर साइंस फीस-150 रुपये
- कक्षा एक से 12वीं तक विद्यालय विकास निधि प्रति माह-500 रुपये

न्यूनतम व अधिकतम उम्र

कक्षा	न्यून. आयु	अधिक. आयु
कक्षा 1	6 वर्ष	8 वर्ष
कक्षा 2	6 वर्ष	8 वर्ष
कक्षा 3	7 वर्ष	9 वर्ष
कक्षा 4	8 वर्ष	10 वर्ष
कक्षा 5	9 वर्ष	11 वर्ष
कक्षा 6	10 वर्ष	12 वर्ष
कक्षा 7	11 वर्ष	13 वर्ष
कक्षा 8	12 वर्ष	14 वर्ष
कक्षा 9	13 वर्ष	15 वर्ष
कक्षा 10	14 वर्ष	16 वर्ष

केवीएस एडमिशन का शेड्यूल

केवीएस फॉर्म, एडमिशन लिस्ट,केवी एडमिशन डेट, केवी क्लास- 1 ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, एक अप्रैल 2024, दिन के 10 बजे से, केवीएस क्लास- 1 फॉर्म लास्ट डेट 15 अप्रैल 2024, शाम 5 बजे तक, केवीएस एडमिशन लिस्ट- 1 (प्रोविजनल), 19 अप्रैल 2024

प्रोविजनल लिस्ट- 2 (सीट खाली रहने पर), 29 अप्रैल 2024, प्रोविजनल लिस्ट- 3 (सीट खाली होगी तो), 8 मई 2024, केवीएस आईईटी एडमिशन (एससी, एसटी, ओबीसी एनसीएल के लिए क्लास-1 एडमिशन का दूसरा नोटिफिकेशन), अगर पर्याप्त आवेदन न मिले तो (ऑफलाइन) सात मई को, रजिस्ट्रेशन आठ मई से 15 मई तक, लिस्ट और दाखिला 22 मई से 27 मई तक, केंद्रीय विद्यालय क्लास-2 और अन्य कक्षाओं में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन (ऑफलाइन) (वैकेंसी होने पर), एक अप्रैल से 10 अप्रैल तक, क्लास- 2 व अन्य के लिए एडमिशन लिस्ट जारी होगी, 15 अप्रैल, कक्षा- 2 और आगे के लिए प्रवेश, 16 अप्रैल से 29 अप्रैल तक, KV स्टूडेंट्स के लिए क्लास 11 में एडमिशन (रजिस्ट्रेशन), सीबीएसई क्लास 10 रिजल्ट घोषित होने के 10 दिन बाद, केवी स्टूडेंट्स के लिए 11वीं में प्रवेश की सूची और दाखिला 10वीं रिजल्ट के 20 दिन बाद, दूसरे स्कूलों के छात्रों के लिए केंद्रीय विद्यालय क्लास 11 में एडमिशन, केवी स्टूडेंट्स क्लास 11 एडमिशन के बाद, केवीएस क्लास 11 एडमिशन लास्ट डेट, सीबीएसई 10th रिजल्ट की घोषणा के 30 दिन तक.

केंद्रीय विद्यालय क्लास-वन में ऐसे ले सकते हैं प्रवेश

पहला लॉट : इस चरण में, 40 में से 10 सीटें आरटीई प्रावधान के अनुसार अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / ईडब्ल्यूएस / बीपीएल / ओबीसी / विकलांग बच्चों के सभी आवेदनों में से ड्रॉ द्वारा भरी जाती हैं.

दूसरा लॉट : अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसीएनसीएल/अनारक्षित वर्ग के दिव्यांग छात्रों के लिए प्राथमिकता श्रेणी प्रणाली के अनुसार लॉटरी.

तीसरा लॉट : केवी प्रवेश 2024-25 की शेष सीटें श्रेणी एक और दो की मौजूदा प्राथमिकता श्रेणी प्रणाली के अनुसार भरी जाएंगी.

चौथा लॉट : अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग-एनसीएल के लिए खाली आरक्षित सीटों को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी-एनसीएल छात्रों को प्रवेश की प्राथमिकताओं के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा भले ही उनके लिए स्वीकृत संख्या कुछ भी हो.

पांचवां लॉट : यदि सीट खाली हो, तो प्राथमिकता श्रेणी तीन से आगे kvsonlineadmission.kvs.gov.in 2024 प्रवेश के लिए लिया जाएगा.

केवीएस एडमिशन क्लास-दो से आठ में ऐसे ले नामांकन

कक्षा दो से आठ में केवी प्रवेश 2024-25 (केवी एडमिशन 2024-25) के लिए कोई प्रवेश परीक्षा नहीं होगी. छात्रों को वरीयता श्रेणी आवंटन प्रणाली के अनुसार सीटें दी जाती हैं.

आवेदनों की संख्या सीटों की संख्या से अधिक होने की स्थिति में प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी प्रणाली का पालन किया जाएगा.

कक्षा-9 में ऐसे लें नामांकन

कक्षा 9 केवी प्रवेश 2024-25 के लिए एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके बाद प्रत्येक श्रेणी के लिए अलग से एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी.

प्रवेश परीक्षा में गणित, हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान विषय शामिल होते हैं.

केंद्रीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की अवधि 3 घंटे होती है इसमें कुल 100 अंक होते हैं.

सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए न्यूनतम अर्हता अंक 33% और आरक्षित श्रेणियों के लिए यह 25% होता है.

कक्षा-11 में ऐसे ले प्रवेश

कक्षा 11 में विभिन्न स्ट्रीम में केवी प्रवेश छात्रों को कक्षा 10 की परीक्षा में उनके कुल अंकों के अनुसार दिया जाएगा. कक्षा 10 में वांछित न्यूनतम अर्हता अंक की जानकारी नीचे दी गई है.

कक्षा 11 केवी प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता अंक

स्ट्रीम	न्यूनतम कुल अंक
साइंस	60%
कॉमर्स	55%

ह्यूमैनिटीज केवी पास सभी छात्र

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)